@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 9 मार्च 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 123 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

टीम इंडिया तीसरी बार टी20 चैंपियन

कौमी पत्रिका
सिम्मी कौर बब्बर

अहमदाबाद। भारत ने न्यूजीलैंड को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल में हराकर खिताब जीत लिया है। भारत के 255 रन के जवाब में न्यूजीलैंड 19 ओवर में 159 रन पर सिमट गई। टीम इंडिया ने तीसरी बार टी20 विश्वकप का खिताब जीता है। इससे पहले टीम 2007 में पहले संस्करण और 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में खिताब जीती थी। सूर्यकुमार यादव का भी नाम विश्व विजेता कप्तानों में शुमार हो गया है। अहमदाबाद में साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया से वनडे विश्वकप में हार के बाद कई बातें कही गई थीं, लेकिन अब टीम इंडिया ने चैंपियन बनते हुए इतिहास दोहराया भी, हराया भी और नया इतिहास भी रच दिया। भारत ने न्यूजीलैंड के सामने 256 रन का लक्ष्य रखा था।। इस मैच में टीम इंडिया ने रिकॉर्ड्स की बारिश कर दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 255 रन बनाए। भारत एक समय 300 रन बनाती हुई दिख रही थी, लेकिन 16वें ओवर में नीशम ने तीन झटके दिए और इससे रन गति धीमी पड़ गई। भारत का स्कोर 15वें ओवर के बाद एक विकेट पर 203 रन था। इसके बाद 16वें ओवर में टीम इंडिया ने संजू सैमसन, ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव के विकेट गंवाए। इस ओवर में एक रन बना। फिर 17वें ओवर में सात रन और 18वें ओवर में नौ रन बने। 19वें ओवर में हार्दिक पांड्या आउट हुए और 11 रन बने। हालांकि, आखिरी ओवर में शिवम दुबे का बल्ला चला और इसकी वजह से टीम 250 के पार पहुंच सकी। दुबे आठ गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 26 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने आखिरी यानी 20वें ओवर में 24 रन बटोरे। भारत को संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ने बेहतरीन शुरुआत दिलाई। अभिषेक ने फॉर्म में वापसी की और फाइनल में उनका बल्ला चला। उन्होंने 21 गेंद में छह चौके और तीन छक्के की मदद से 52 रन की पारी खेली। संजू के साथ अभिषेक ने 43 गेंद में 98 रन की ओपनिंग साझेदारी की। अभिषेक को रचिन रवींद्र ने आउट किया। फिर संजू ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 48 गेंद में 105 रन की साझेदारी निभाई। सैमसन ने लगातार तीसरा अर्धशतक लगाया। वहीं, ईशान किशन ने भी फिफ्टी पूरी की। हालांकि, 16वें ओवर में दोनों आउट हो गए। सैमसन फिर शतक से चूक गए। वह 46 गेंद में पांच चौके और आठ छक्के की मदद से 89 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, ईशान ने 25 गेंद में चार चौके और चार छक्के की मदद से 54 रन की पारी खेली। हार्दिक 13 गेंद में 18 रन बना सके, जबकि सूर्यकुमार खाता नहीं खोल पाए। तिलक छह गेंद में आठ रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से नीशम ने तीन विकेट झटके, जबकि मैट हेनरी और रचिन को एक-एक विकेट मिला। भारत का 255/5 का स्कोर टी20 विश्वकप फाइनल में सबसे बड़ा स्कोर है। भारत ने खुद का दो साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। 2024 टी20 विश्वकप के फाइनल में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात विकेट पर 176 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड के लिए केवल टिम साइफर्ट और मिचेल सैंटनर ही रन बना सके। इसके अलावा डेरिल मिचेल ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। वरना बाकी सभी 10 रन के अंदर आउट हुए। साइफर्ट ने 26 गेंद में 52 रन की पारी खेली। वहीं, सैंटनर ने 35 गेंद में 43 रन बनाए। मिचेल ने 17 रन की पारी खेली। फिन एलेन नौ रन, रचिन रवींद्र एक रन, ग्लेन फिलिप्स पांच रन, मार्क चैपमैन तीन रन, जेम्स नीशम आठ रन और डफी तीन रन बना सके। मैट हेनरी खाता नहीं खोल सके। न्यूजीलैंड को 153 के स्कोर पर नौवां झटका लगा। बुमराह ने जेम्स नीशम और मैट हेनरी के बाद मिचेल सैंटनर के क्लीन बोल्ड किया। भारत चैंपियन बनने से एक विकेट दूर है। बुमराह ने इससे पहले रचिन रवींद्र को आउट किया था। न्यूजीलैंड को बुमराह ने 16वें ओवर में लगातार दो गेंद पर दो झटके दिए। उन्होंने तीसरी गेंद पर नीशम और अगली गेंद पर मैट हेनरी को क्लीन बोल्ड किया। फिलहाल सैंटनर और फर्ग्यूसन क्रीज पर हैं। भारत खिताब से दो विकेट दूर है। न्यूजीलैंड को 13वें ओवर में 124 के स्कोर पर छठा झटका लगा। अक्षर पटेल ने डेरिल मिचेल को ईशान किशन के हाथों कैच कराया। वह 11 गेंद में 17 रन बना सके। अक्षर की यह तीसरी सफलता रही। 13 ओवर के बाद न्यूजीलैंड का स्कोर छह विकेट पर 128 रन है। 11वें ओवर में अर्शदीप और डेरिल मिचेल के बीच नोकझोंक देखने को मिली। ओवर की पांचवीं गेंद पर मिचेल डिफेंसिव शॉट खेला और गेंद बाउंस करते हुए अर्शदीप के पास पहुंची। अर्शदीप ने फॉलो थ्रू में गेंद मिचेल के जांघ पर मार दी। इससे मैदान में थोड़ी देर के लिए तनाव का माहौल बन गया।

प्रधानमंत्री सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पोस्ट बजट वेबिनार को संबोधित करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'सबका साथ, सबका विकास-लोगों की आकांक्षाओं की पूर्ति' विषय पर एक पोस्ट बजट वेबिनार को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार इस वेबिनार के अंतर्गत शिक्षा एवं कौशल विकास, स्वास्थ्य और आयुष, पर्यटन तथा आतिथ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में कई ब्रेकआउट सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में शिक्षा से रोजगार तक मजबूत मार्ग तैयार करने, एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स (एवीजीसी) के लिए कंटेंट क्रिएटर लैब स्थापित करने, सहयोगी स्वास्थ्य पेशेवरों और केयरगिवर्स के प्रशिक्षण के विस्तार जैसे विषयों पर चर्चा होगी। इसके अलावा क्षेत्रीय चिकित्सा हब और नए आयुष संस्थानों की स्थापना, आतिथ्य क्षेत्र में कौशल विकास, सतत पर्यटन ट्रेल्स का विकास, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में बौद्ध सर्किट तथा विरासत पर्यटन को बढ़ावा देने जैसे मुद्दे भी विचार-विमर्श का हिस्सा होंगे। पोस्ट बजट वेबिनार सरकार, उद्योग जगत और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के बीच सहयोगात्मक संवाद का मंच प्रदान करेगा।

राष्ट्रपति के पद का सम्मान करना चाहिए: मायावती

● 'इस पद का किसी भी रूप में राजनीतिकरण करना ठीक नहीं है।'

एजेंसी
लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के पश्चिम बंगाल दौरे के बीच विवाद को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बसपा प्रमुख ने रविवार को एक्स पर अपनी एक पोस्ट में लिखा कि भारतीय संविधान के आदर्श व मान-मर्यादा के मुताबिक सभी को राष्ट्रपति पद का सम्मान करना चाहिए। इनके प्रोटोकाल का भी ध्यान रखना जरूरी है और इस पद का किसी भी रूप में राजनीतिकरण करना ठीक नहीं है। वर्तमान में देश की राष्ट्रपति एक महिला होने के साथ-साथ वे आदिवासी समाज से भी हैं, लेकिन अभी हाल ही में पश्चिम बंगाल में उनके दौरे के लेकर जो कुछ भी हुआ, वह नहीं होना चाहिये था। यह अति-दुर्भाग्यपूर्ण। उन्होंने आगे लिखा है कि इसी प्रकार पिछले कुछ समय से संसद में भी खासकर लोकसभा अध्यक्ष के पद का भी जो राजनीतिकरण कर दिया गया है, यह भी उचित नहीं है। सभी को संवैधानिक पदों का दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आदर-सम्मान व उनकी गरिमा का भी ध्यान रखना चाहिये तो यह बेहतर होगा। उन्होंने लिखा, 'संसद का कल से शुरू हो रहा सत्र देश व जनहित में पूरी तरह से सही से चले, यही लोगों की अपेक्षा व समय की भी मांग है।

आशुतोष ब्रह्मचारी पर ट्रेन में जानलेवा हमला, नाक काटने की कोशिश

● सुबह पांच बजे धारदार हथियारों से हमारे ऊपर हमला किया गया।

एजेंसी
प्रयागराज। आशुतोष ब्रह्मचारी पर ट्रेन में जानलेवा हमला किया गया है। उन्होंने बताया कि शाकुंभरी पीठ से प्रयागराज जाने के लिए हम लोग गाड़ियों से गाजियाबाद आए, क्योंकि टिकट हमारा गाजियाबाद से था। रीवा एक्सप्रेस ट्रेन से प्रयागराज जा रहा था। रविवार सुबह पांच बजे धारदार हथियारों से हमारे ऊपर हमला किया गया। हमारी नाक काटने की कोशिश की गई। बाथरूम में बैठकर हमने अपनी जान बचाई। आशुतोष ब्रह्मचारी ने बताया कि अविमुक्तेश्वरानंद के खिलाफ पॉक्सो के तहत छोटे-छोटे बटुकों का जो मुकदमा दर्ज कराया था। उसी के बाद घोषणा की गई थी जो आशुतोष ब्रह्मचारी की नाक काटकर लाएगा, उसको 21 लाख रुपए मिलेंगे। इसी साजिश के तहत मेरी हत्या की कोशिश की गई है। उन्होंने बताया कि मैंने अविमुक्तेश्वरानंद, मुकुंदानंद, अरविंद,

प्रकाश और दिनेश शर्मा के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

बता दें कि 21 फरवरी जगदुरु रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी की ओर से ओर से दायर याचिका पर विशेष पोक्सो जज विनोद कुमार चौरसिया ने झूंसी पुलिस स्टेशन के प्रभारी को एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया था। अशुतोष ब्रह्मचारी ने यह आवेदन भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता अधिनियम की धारा 173(4) के तहत दायर किया था, जिसके तहत यह प्रावधान है कि यदि पुलिस अधिकारी शिकायत दर्ज करने से इंकार करता है, तो व्यक्ति मजिस्ट्रेट से संपर्क कर सकता है। ब्रह्मचारी ने दो नाबालिग बच्चों को पॉक्सो कोर्ट में पेश किया था और अदालत ने 13 फरवरी को आवेदन पर आदेश सुरक्षित रखा था। विशेष अदालत ने प्रयागराज के पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार की ओर से पेश की गई प्रारंभिक जांच रिपोर्ट का अध्ययन करने के बाद एफआईआर दर्ज करने और आगे की जांच का निर्देश दिया था।

प्रयागराज माघ मेले के दौरान मौनी अमावस्या स्नान महोत्सव में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पारंपरिक पालकी यात्रा के माध्यम से संगम जाने का प्रयास कर रहे थे। प्रयागराज प्रशासन ने भारी भीड़ और 'नो-व्हीकल जोन' नीति का हवाला देते हुए इस यात्रा को रोका था। इसके बाद उनके शिष्यों और पुलिस के बीच झड़प हुई थी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कथित रूप से भोजन और जल का त्याग कर प्रशासन से माफी की मांग की थी।

हमारी पीड़ा में जो साथ खड़ा हो वही हमारा पक्ष है : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

एजेंसी
रायबरेली। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने रायबरेली में रविवार को कहा कि देश में अधिकांश लोग चाहते हैं कि गायों को मां का दर्जा दिया जाए और उनकी हत्या को अपराध घोषित किया जाए। देश की बहुसंख्यक जनता से वोट लेकर बनने वाली सरकारें ऐसा कभी नहीं करना चाहती थीं। जो वर्तमान की सरकारें हैं, उन्होंने भी हम सबका वोट लिया। ये कहकर वोट लिया कि हमें वोट दीजिए क्योंकि हम गौमाता की रक्षा का कानून लेकर आएंगे लेकिन इनके राज में भी गौमाता की हालत खराब है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि बीफ एक्सपोर्ट धड़ल्ले से जारी है। यहां तक कि पिछली सरकारों को भी उन्होंने बहुत पीछे छोड़ दिया है। ऐसी स्थिति में देशभर की गौभक्त जनता सरकारों से मांग कर रही है कि बहुत हो चुका 78 साल का समय अपने बिता दिया। अब हम इसमें देरी नहीं चाहते हैं और आपको निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये (सरकार) आवाज उठाने वाली आवाज को बंद कर देना चाहते हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ऑल वूमेन बाइक रैली को झंडी दिखाई

● भारत की महिलाओं ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर राष्ट्र के नव-निर्माण तक हर क्षेत्र में प्रेरक और सशक्त नेतृत्व प्रदान किया है: ओम बिरला

एजेंसी
नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कनॉट प्लेस में ऑल वूमेन बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अध्यक्ष ओम बिरला ने एक्स पर कहा कि इस आयोजन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर साहस, आत्मविश्वास और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भारत की महिलाओं ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर राष्ट्र के नव-निर्माण तक हर क्षेत्र में प्रेरक और सशक्त नेतृत्व प्रदान किया है। आज देश की महिलाएं पंचायत से लेकर संसद तक निर्णायक भूमिका निभाते हुए विकसित भारत के संकल्प को नई दिशा दे रही हैं। उन्होंने सभी देशवासियों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की हार्दिक शुभकामनाए दी। मुख्यमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा कि ऑल वूमेन बाइक रैली में विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रही सैकड़ों महिलाओं ने

एक साथ सड़कों पर उतरकर यह सशक्त संदेश दिया कि नारी शक्ति ही विकसित भारत की असली प्रेरक शक्ति है। उन्होंने कहा कि यह उत्साह और आत्मविश्वास उस बदलते भारत की झलक है, जहां महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं और नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। इस मौके पर सांसद बांसुरी स्वराज, कमलजीत सहरावत, प्रियंका चतुर्वेदी, स्वाति मालीवाल एवं नई दिल्ली नगर पालिका परिषद् के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल मौजूद रहे।

जदयू में शामिल हुए निशांत कुमार

संजय झा ने दिलाई सदस्यता; समर्थन में नारे लगा रहे कार्यकर्ता

एजेंसी
पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार जनता दल यूनाईटेड में शामिल हो चुके हैं। वीर चंद्र पटेल रोड स्थित जदयू प्रदेश कार्यालय में हजारों कार्यकर्ताओं के बीच कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने उन्होंने पार्टी सदस्यता दिलाई। जदयू में शामिल होने के बाद उन्होंने कहा कि मैं जदयू के कार्यकर्ता, नेता और बिहार की जनता को नमन करता हूं। मैं आज से पार्टी का सदस्य बन चुका है। एक कार्यकर्ता के रूप में मैं सेवा करता रहूंगा। मेरे पिता ने राज्यसभा जाने की घोषणा की है। यह उनका निजी फैसला है। मैं इस फैसले का आदर करता हूं।

निशांत कुमार ने कहा कि मेरे पिता ने बिहार की जनता के जो काम किया है, उसे मैं जनता तक बढ़ाने का काम करूंगा। आप सब ने जो विश्वास किया, उस पर खड़ा उतरने की कोशिश करूंगा। जनता के हृदय में खड़ा उतरने की कोशिश करूंगा। मेरे पिता ने जनता के जो किया, वह सबको याद रहेगा। जनता को मेरे पिता पर गर्व है। आज से मैं शुरुआत कर रहा हूं। अभी मुझे बहुत कुछ सीखना है। इसके लिए मुझे जनता का आशीर्वाद चाहिए। मैं आप सभी को नमन करता हूं।

वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं को किया नमन

पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के बाद निशांत कुमार ने जदयू के वरिष्ठ नेताओं के पैर छूकर उनसे आशीर्वाद लिया। इसके बाद कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया। इधर, जदयू दफ्तर में सुबह से राज्य के सभी जिलों से वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता पहुंचे। कई कार्यकर्ता घोड़ा और हाथी लेकर पहुंचे। सीएम नीतीश कुमार और निशांत के समर्थन में नारेबाजी करते रहे। जदयू कार्यकर्ताओं ने कहा कि आज हमलोगों के बहुत बड़ा दिन है। निशांत पार्टी में शामिल हुए इससे हमलोगों में काफी खुशी है। वह भी इंजीनियर हैं। नीतीश कुमार की तरह ही वह भी बिहार के विकास का काम करेंगे। इधर, जदयू कार्यकर्ताओं की भीड़ को देखते हुए जदयू कार्यालय में पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई है। समर्थकों में उत्साह है।

नारी चेतना ही समाज की प्रगति का मूल आधार: राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को कहा कि नारी चेतना ही समाज की प्रगति का मूल आधार है।उन्होंने कहा कि साल 2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य केवल तकनीकी प्रगति से नहीं बल्कि सांस्कृतिक जड़ों और नारी के पूर्ण सशक्तिकरण से प्राप्त होगा। द्रौपदी मुर्मु आज यहां विज्ञान भवन में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय महिला विचारक सम्मेलन 'भारती' के समापन समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने 'पद्म भारती' काफी टेबल पुस्तक का लोकार्पण भी किया। इस कार्यक्रम का विषय भारती- नारी से नारायणी पर आधारित था। राष्ट्र सेविका समिति, शरण्या और भारतीय विद्वत परिषद् द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस समारोह में राष्ट्रपति ने कहा, 2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य केवल तकनीकी प्रगति से नहीं बल्कि अपनी सांस्कृतिक जड़ों और नारी शक्ति के पूर्ण सशक्तिकरण से प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में दर्शन, चिकित्सा, खगोल विज्ञान, गणित, साहित्य तथा कला की महान विरासत को ज्ञान भारतम् मिशन जैसे प्रयासों से संरक्षित और प्रसारित किया जा रहा है। भारतीय भाषाओं तथा भारतीय ज्ञान परंपरा को प्राथमिकता देकर आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण को सांस्कृतिक आधार प्रदान किया जा रहा है। ऐसे प्रयासों से जुड़े सभी संस्थानों को पारस्परिक समन्वय के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

'मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना' के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये मिलेंगे: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 8 मार्च। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज घोषणा की कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने अपना सबसे ब ?ा चुनावी वादा पूरा कर दिया है, जिसके तहत पूरे पंजाब की महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए 'मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना' शुरू की गई है। इस योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये मिलेंगे, जबकि अनुसूचित जाति समुदाय से संबंधित महिलाओं को 1,500 रुपये मिलेंगे। इसके लिए बजट में 9,300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसे महिलाओं की वित्तीय स्वतंत्रता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'आप' सरकार का 'सारी गारंटियां पूरी' बजट चुनावी वादों को पूरा करने के प्रति आम आदमी पार्टी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके साथ ही बजट में राज्य भर की महिलाओं को सशक्त बनाने और हर पंजाबी परिवार को समर्थन देने के लिए मुफ्त बस यात्रा, मुफ्त बिजली और नकद रहित स्वास्थ्य सुविधाओं जैसी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। मीडिया से बातचीत में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब की माताओं, बेटियों और बहनों को बधाई देते हुए प्रार्थना की कि वे हमेशा हर क्षेत्र में सफलता की नई कहानियां लिखती रहें। उन्होंने कहा कि आज अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं की भलाई को केंद्र में रखकर यह बजट पेश किया गया है, जो 'आप' सरकार द्वारा उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के मुख्य वादे को पूरा करता है। बजट को लोक-केंद्रित बताते हुए उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करता है कि महिलाओं और समाज के अन्य वर्गों को कल्याणकारी उपायों और सार्वजनिक सेवाओं के माध्यम से निरंतर सहायता मिलती रहे। उन्होंने कहा कि 'आप' सरकार ने

लोगों से किया सबसे बड़ा चुनावी वादा पूरा किया है और राज्य की महिलाओं को अब 'मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना' के तहत प्रतिमाह 1,000 रुपये मिलेंगे, जबकि अनुसूचित जाति समुदाय से संबंधित महिलाओं को 1,500 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि महिलाओं को इस योजना के तहत आसानी से रजिस्ट्रेशन की सुविधा प्रदान करने के लिए राज्य भर में विशेष कैंप लगाए जाएंगे। पंजाब के मुख्यमंत्री ने साझा किया कि इस योजना के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया इस बैसाखी से शुरू होगी और इसे युद्ध स्तर पर लागू किया जाएगा ताकि सभी योग्य लाभार्थियों को जल्द से जल्द कवर किया जा सके। 18 वर्ष से अधिक उम्र की हर लड़की और महिला इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करने की हकदार होगी, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य की अधिकांश महिलाएं इस योजना के दायरे में आएं। बजट को एक मील का पत्थर करार देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह लोगों की भलाई और राज्य की प्रगति के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। समाज के हर वर्ग का ध्यान रखने वाले बजट पेश करने के लिए पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा का धन्यवाद करते हुए उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक बजट नहीं है बल्कि राज्य की प्रगति और इसके लोगों की खुशहाली का हलफनामा है। पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए उन्होंने आगे कहा कि पहले के बजट अक्सर कागजी घोषणाओं तक सीमित रहते थे, जबकि लोगों को वास्तविक अर्थों में इनका कोई खास लाभ नहीं होता था। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के कार्यकाल के दौरान पेश किए गए बजट नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए ठोस नीतियां लाने की बजाय हमेशा बयानबाजी और काव्यात्मक हवाले तक सीमित रहे।

शेष पृष्ठ 3 पर

एक रुपये में जूते वाले ऑफर से मचा हंगामा, भीड़ नियंत्रित करने पुलिस ने भांजी लाठी

कोझिकोड (एजेंसी)। केरल के कोझिकोड में मात्र 1 रुपये में जूते देने के एक प्रचार ऑफर ने रविवार को भारी हंगामे का रूप ले लिया। बड़ी संख्या में लोग ऑफर का फायदा उठाने के लिए पहुंच गए, जिससे हालात बेकाबू हो गए और पुलिस को भीड़ नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, दुकान ने पहले 100 ग्राहकों को सिर्फ 1 रुपये में महंगे जूते देने का विज्ञापन जारी किया था। यह विज्ञापन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद सैकड़ों लोग तड़के ही दुकान के बाहर पहुंचने लगे। बताया जा रहा है कि कई लोग रात 2 बजे से ही लाइन में लग गए थे। पुलिस के अनुसार, दुकान की क्षमता से कहीं ज्यादा भीड़ जमा हो गई, जिसमें बच्चे भी शामिल थे। कुछ लोग दूर-दराज के जिलों से भी पहुंचे थे। भारी भीड़ के कारण इलाके में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और यातायात भी पूरी तरह बाधित हो गया। स्थिति जब नियंत्रण से बाहर हो गई, तो पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। घटना के बाद तनाव फैलाने और अव्यवस्था पैदा करने के आरोप में दुकान के मालिक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

युद्ध गप्प विरुद्ध पोस्टर लगा कांग्रेस ने आप को घेरा, कहा- पंजाब सरकार की वादा खिलाफी उजागर

जालंधर (एजेंसी)। जालंधर में कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ चुनावी प्रचार तेज करते हुए युद्ध गप्प विरुद्ध अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत नकोदर और शाहकोट समेत कई इलाकों में पोस्टर लगाए गए हैं, जो राजनीतिक चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। पोस्टरों में स्पष्ट रूप से लिखा गया है युद्ध गप्प विरुद्ध और पंजाब सरकार पर महिलाओं के लिए किए गए वादों को पूरा न करने का आरोप लगाया गया है। इन पोस्टरों में अखबार पकड़े एक महिला की तस्वीर दिखाई गई है, जबकि नकोदर क्षेत्र में लगे पोस्टरों पर शाहकोट विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक हरदेव सिंह लाडी शेरोवालिया और नवजोत सिंह दहिया की तस्वीरें भी शामिल हैं। पोस्टरों में यह भी लिखा गया है कि अब इंतजार खत्म हुआ, और 18 वर्ष से ऊपर की हर महिला को 4 साल के लिए 48,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। कांग्रेस का उद्देश्य पंजाब सरकार को घेरना और महिलाओं से किए गए वादों की याद दिलाना है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जालंधर के लगभग हर गांव के घरों की दीवारों पर यह पोस्टर देखे जा सकते हैं, जिसके चलते राजनीतिक बहस और चर्चा तेज हो गई है। कांग्रेस के इस अभियान को क्षेत्रीय स्तर पर चुनावी संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें आप की नीतियों और वादाखिलाफी पर जोर दिया गया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जावेद सिद्दीकी को अंतरिम जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली की एक अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक मामले में जावेद सिद्दीकी को दो सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी है। अदालत ने यह राहत उनकी पत्नी के गंभीर स्वास्थ्य हालात को देखते हुए दी, जिनका स्टेज-4 ओवेरियन कैंसर का इलाज चल रहा है। यह आदेश अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान ने शनिवार को सुनाया। अदालत ने कहा कि सिद्दीकी की पत्नी की कीमोथेरेपी चल रही है और इस कठिन समय में उन्हें परिवार के सदस्य के सहयोग की आवश्यकता है। इसी आधार पर अदालत ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए दो सप्ताह की अंतरिम जमानत मंजूर की। यहां बताते चलें कि जावेद सिद्दीकी अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े अल-फलाह ग्रुप के चेयरमैन हैं और उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित मामला दर्ज किया गया है, जिसकी जांच केंद्रीय एजेंसियां कर रही हैं। यह मामला लाल किला ब्लास्ट केस से जुड़े कथित वित्तीय लेनदेन से संबंधित बताया जा रहा है। अदालत ने जमानत देते हुए कई सख्त शर्तें भी लगाई हैं। कोर्ट ने निर्देश दिया कि जावेद सिद्दीकी बिना अनुमति के दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र से बाहर नहीं जा सकेंगे। इसके अलावा उन्हें अपना मोबाइल फोन हमेशा सक्रिय रखना होगा और अपना पासपोर्ट अदालत में जमा करना होगा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अंतरिम जमानत की अवधि के दौरान वह मामले से जुड़े किसी भी गवाह या शिकायतकर्ता से संपर्क नहीं करेंगे। यदि इन शर्तों का उल्लंघन होता है तो जमानत रद्द की जा सकती है।

भारत लौट कर अच्छा लगा भारत और दुबई सरकार ने हमारी खूब मदद की

-यह महसूस नहीं हुआ कि हम एक युद्धग्रस्त देश में फंसे हैं या सुरक्षित नहीं

पुणे (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष के बीच दुबई से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालकर वापस लाया गया है। पुणे एयरपोर्ट पर उतरने के बाद भारतीय नागरिकों के चेहरे पर खुशी नजर आई उन्होंने सरकार की तारीफ की। दुबई से पुणे एयरपोर्ट पहुंची महिला यात्री ने कहा कि शुरू में जब लड़ाई शुरू हुई तो डर लग रहा था, लेकिन उसके बाद कॉलेज, भारतीय दूतावास और भारत सरकार ने बहुत मदद की। सब कुछ बहुत अच्छा था।

उन्होंने कहा कि वापस लौटकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम जल्द लड़ाई रुकने की उम्मीद करते हैं, जिससे वापस कॉलेज लौट सकें और पढ़ाई कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि सरकार बहुत ही ईमानदारी के साथ अच्छा काम कर रही है। हम अपनी भारत सरकार पर भी गर्व करते हैं। एक अन्य महिला यात्री ने बताया कि हम ऑफिस वर्क के लिए 15 दिन की यात्रा पर गए थे। हमें बिल्कुल भी यह महसूस नहीं हुआ कि हम एक युद्धग्रस्त देश में जाकर फंसे हैं या सुरक्षित नहीं हैं। हम सभी के लिए दुबई सरकार ने अच्छी सुरक्षा दी थी। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ दूर से धमाकों की आवाजें आती थीं, लेकिन वहां बिल्कुल भी खतरनाक या पैनिक की स्थिति नहीं थी। एक अन्य यात्री ने बताया कि जब हम लोग एयरपोर्ट पर पहुंचे थे, तभी मिसाइल अटैक का अलर्ट आया था। सभी लोगों को नीचे बंकर में ले जाया गया। कुछ समय के बाद जब स्थिति सामान्य हो गई, तब लोगों को बाहर लाया गया। हमें बाद में पता चला कि उन मिसाइलों को मार गिराया गया है। दुबई से पुणे एयरपोर्ट पहुंचे यात्री एक और यात्री ने कहा कि उसने फ्लाइट बुक की थी, लेकिन उसमें देरी हो रही थी। स्पाइसजेट की वजह से मैं यहां टाइम पर पहुंच गया। उन्होंने फ्लाइट्स कैंसिल नहीं कीं। मैं एक हफ्ते तक फंसा रहा। वापस आकर मुझे अच्छा लग रहा है। दुबई से पुणे एयरपोर्ट पहुंचे यात्री ने कहा कि मैं वहां छह साल से काम कर रहा हूं। हमें कुछ शोर सुनाई दे रहा था, लेकिन वहां सब ठीक है। यूएई सरकार सभी का बहुत अच्छे से ख्याल रख रही है।

तमिलनाडु चुनाव से पहले टीवीके चीफ विजय के बड़े वादे: बुजुर्ग महिलाओं को 2,500 रुपये, विवाह में सोने की अंगूठी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी के बीच अभिनेता-नेता और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के संस्थापक विजय ने महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए कई बड़े वादों की घोषणा की है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मामल्लपुरम में आयोजित समारोह में विजय ने बुजुर्ग महिलाओं के लिए हर महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता, साल में छह एलपीजी सिलेंडर मुफ्त, विवाह के लिए आठ ग्राम सोना और सिल्क साड़ी देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि राज्य में जन्मे प्रत्येक बच्चे को सरकार की ओर से एक सोने की अंगूठी दी जाएगी, जो परिवार और बच्चों की भलाई का प्रतीक होगी।

महिलाओं और सुरक्षा के लिए पहल

विजय ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की घोषणा की और सार्वजनिक परिवहन में स्मार्ट पैनिक बटन लगाने की योजना भी साझा की। इसके अलावा महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों में तेज न्याय सुनिश्चित करने के लिए ÷अंजलाई अम्मल फास्ट-ट्रैक अदालत÷ का गठन किया जाएगा। राज्यभर में 500 विशेष सुरक्षा टीमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम करेंगी।

शिक्षा और आर्थिक समर्थन

उन्होंने 'कामराज शिक्षा आश्वासन स्कीम' के तहत कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों की शिक्षा बिना रुकावट पूरी करने की गारंटी देने की घोषणा की। इसके लिए परिवारों को सालाना 15,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। वहीं, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से महिलाओं को 5 लाख रुपये तक ब्याज-मुक्त वित्तीय सहायता देने का भी वादा किया गया।

परिवार कल्याण और सामाजिक सुरक्षा

विजय ने बुजुर्ग महिलाओं के लिए 'अन्नापूर्णी सुपर 6' स्कीम के तहत साल में छह एलपीजी सिलेंडर मुफ्त देने, और शादी में महिलाओं की मदद के लिए ÷अन्नन सीर÷ योजना लागू करने की बात कही। इसके साथ ही मासिक धर्म स्वच्छता बढ़ाने के लिए राशन दुकानों के माध्यम से मुफ्त सेनेटरी नैपकिन वितरित किए जाएंगे।

टीवीके प्रमुख ने कहा कि पार्टी सत्ता में आने के बाद इन सभी कल्याण योजनाओं को तुरंत लागू करेगी। महिलाओं, बच्चों और परिवारों पर केंद्रित यह घोषणाओं का बड़ा राजनीतिक संदेश माना जा रहा है, जिससे तमिलनाडु में चुनावी तैयारियों को बढ़ावा मिलेगा।

भारत के लोग आजाद और खुद फैसले लेने वाले हैं, हम दूसरे देश का आदेश नहीं मानते

-फिल्म अभिनेता कमल हासन ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के लिए लिखा ओपन पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता कमल हासन ने हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक ओपन पत्र लिखा है। पत्र में हासन ने ट्रंप को अपने देश पर ध्यान देने की नसीहत दी है। कमल हासन ने ट्रम्प की उस नसीहत पर तंज कसा है, जिसमें उन्होंने भारत को रुस से तेल खरीदने की अस्थायी छूट दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमल हासन ने एक्स पर लिखा- सेवा में, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प। माननीय राष्ट्रपति जी, हम भारत के लोग एक आजाद और अपने फैसले खुद लेने वाले देश के नागरिक हैं। अब हम किसी दूसरे देश से आदेश नहीं लेते। कृपया अपने काम से काम रखिए। देशों के बीच आपसी सम्मान ही दुनिया में शांति बनाए रखने का सही तरीका है। हम आपके देश और वहां के लोगों के लिए शांति और तरक्की की कामना करते हैं। कमल हासन- एक प्राउड भारतीय नागरिक। संस्थापक- मक्कल नीधि माइअम। बता दें मिडिल-ईस्ट में जंग के कारण स्थिति काफी गंभीर है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक कर दिया है, जहां से दुनिया की 20फीसदी तेल सप्लाई होती है। ऐसे में भारत में भी तेल के दाम बढ़ने का अनुमान था। इसी बीच अमेरिका ने भारत को 3 अप्रैल तक रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट दी है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। कमल हासन की पोस्ट सामने आने के बाद कई यूजर्स सवाल उठा रहे हैं कि वह किस हैसियत से इंडिया की तरफ से बयान दे रहे हैं। कई लोग इसे ड्रामा बता रहे हैं तो कुछ का कहना है कि भारत को किसी भी देश की तरफ से कोई आदेश नहीं दिया गया है, जैसा कि कमल ने पोस्ट में कहा है।

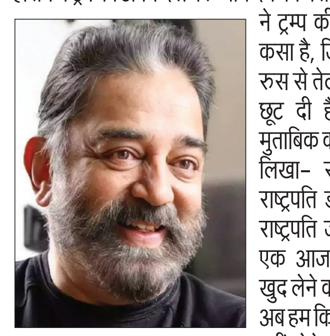

ईरान युद्ध के बीच भारत ले सकता है फैसला, जहाजों की सुरक्षा के लिए नौसेना की तैनाती पर विचार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में उपजे सुरक्षा संकट के बीच भारत सरकार ने खाड़ी क्षेत्र में फंसे अपने व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए बड़ा कदम उठाने के संकेत दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, पर्शियन गल्फ में फंसे जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए भारतीय नौसेना की तैनाती पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में अगले 48 घंटों के भीतर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। यदि योजना को हरी झंडी मिलती है, तो भारतीय नौसेना के युद्धपोत इन जहाजों को एस्कॉर्ट कर सुरक्षित गलियारे से बाहर निकालेंगे।

अब राज्यपाल गुरमीत सिंह का हेलीकॉप्टर हुआ खराब, श्रीनगर में इमरजेंसी लैंडिंग

-एक दिन पहले ही केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर में भी आई थी समस्या

श्रीनगर (एजेंसी)। उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह के हेलीकॉप्टर की रविवार को श्रीनगर के पास इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। जानकारी के अनुसार हेलीकॉप्टर में तकनीकी दिक्कत या खराब मौसम की वजह से यह फैसला लिया गया। हालांकि राज्यपाल समेत सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं।

बताया गया कि गुरमीत सिंह गैंसरण में विधानसभा सत्र में शामिल होने के लिए हेलीकॉप्टर से जा रहे थे। इसी दौरान श्रीनगर के पास हेलीकॉप्टर में समस्या आने की सूचना मिली, जिसके बाद पायलट ने सावधानी बरतते हुए आपात लैंडिंग कराई। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस अलर्ट हो गए और राज्यपाल को हेलिपैड से सीधे पुलिस गेस्ट हाउस ले जाया गया। फिलहाल लैंडिंग के सही कारणों की जांच की जा रही है।

इस घटना से एक दिन पहले केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर में भी तकनीकी खराबी आ गई थी। वे कौशांबी जा रहे थे, तभी हेलीकॉप्टर में अचानक समस्या आ गई और उसकी लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। बताया गया कि उड़ान के दौरान पायलट के डैशबोर्ड का डिस्प्ले बंद हो गया था और हेलीकॉप्टर में धुआं भरने लगा था। स्थिति को देखते हुए पायलट ने तुरंत हेलीकॉप्टर को एयरपोर्ट की ओर मोड़ा और सुरक्षित लैंडिंग कराई। हेलीकॉप्टर में केशव मौर्य, उनके सहयोगी, सुरक्षाकर्मी और पायलट सवार थे और सभी सुरक्षित हैं।

बंगाल चुनाव से पहले ममता का बड़ा ऐलान, युवाओं को हर महीने मिलेगा 1500 रुपये बेरोजगारी भत्ता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच ममता बनर्जी ने बेरोजगार युवाओं के लिए बड़ा ऐलान किया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री ने राज्य के युवाओं को हर महीने 1500 रुपये भत्ता देने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य युवाओं को आर्थिक सहायता देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करना है। ममता बनर्जी ने यह घोषणा मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के विरोध में आयोजित धरना-प्रदर्शन स्थल से ही की। ममता बनर्जी ने बताया कि सरकार पहले इस योजना को 1 अप्रैल से लागू करने वाली थी, लेकिन अब इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज्य के युवाओं को यह एक तरह का उपहार है। इसके तहत लाभार्थियों को अब अप्रैल का इंतजार नहीं करना पड़ेगा और भुगतान की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाएगी।

कौन होंगे योजना के पात्र

मुख्यमंत्री ने योजना की पात्रता को लेकर भी जानकारी दी। इसके तहत 21 से 40 वर्ष की आयु के युवक और युवतियां आवेदन कर सकेंगे। लाभ पाने के लिए कम से कम माध्यमिक परीक्षा (कक्षा 10वीं) पास होना अनिवार्य होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जो छात्र अभी पढ़ाई कर रहे हैं और छात्रवृत्ति के अलावा किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ नहीं ले रहे हैं, उन्हें भी इस योजना के तहत भत्ता मिल सकेगा।

रोजगार के आंकड़े भी रखे सामने

विपक्ष के आरोपों के बीच ममता बनर्जी ने अपने शासनकाल में रोजगार के क्षेत्र में हुई प्रगति का भी उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में बेरोजगारी दर में करीब 40 प्रतिशत की कमी आई है। मुख्यमंत्री के अनुसार राज्य में लगभग 40 लाख लोगों को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है, जिनमें से करीब 10 लाख लोगों को रोजगार मिल चुका है। उन्होंने बताया कि उत्कर्ष बांग्ला के तहत प्रशिक्षित युवाओं का डेटा उद्योगपतियों की वेबसाइटों से जोड़ा गया है, जिससे उन्हें रोजगार मिलने में आसानी हुई है।

किसानों और प्रवासी मजदूरों के लिए भी राहत

ममता बनर्जी ने भूमिहीन किसानों के लिए भी 4000 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पहले यह लाभ केवल सीमित जमीन वाले किसानों को मिलता था, लेकिन अब इसका दायरा बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा प्रवासी श्रमिकों को राज्य के भीतर ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में लघु और मध्यम उद्योगों के क्षेत्र में करीब 1.5 करोड़ लोग कार्यरत हैं और इस क्षेत्र को और मजबूत किया जाएगा।

होली के बाद मौसम ने बिखेरे तीन रंग, कहीं रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, कहीं बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

-यूपी के ज्यादातर जिलों में तेज धूप खिलेगी, कुछ जगहों पर छा सकते हैं हल्के बादल

नई दिल्ली (एजेंसी)। रंगों से भरा होली पर्व का उत्सव अब समाप्त हो गया है। इसके साथ ही मौसम ने अपने रंग बिखेरना शुरु कर दिया है। देश में इस वक्त तीन तरह की मौसमी रंग दिखाई दे रहे है। एक वो इलाका है जहां रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है तो दूसरा वो क्षेत्र है जहां बारिश हो रही है और तीसरे इलाके में बर्फबारी की संभावना है। महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे राज्य भीषण गर्मी और लू (हीटवेव) की चपेट में हैं, वहीं उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और पूर्वी भारत में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के ताजा आंकड़े बताते हैं कि गर्मी ने इस साल समय से पहले ही अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं।

महाराष्ट्र का विदर्भ क्षेत्र इस समय देश का सबसे गर्म इलाका बना हुआ है। अकोला में अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जो सामान्य से करीब 4.8 डिग्री अधिक है। अमरावती, वर्धा और वाशिम जैसे शहरों में भी पारा 40 डिग्री के करीब पहुंच चुका है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि मार्च की

शुरुआत में ही तापमान का इस स्तर पर पहुंचना आने वाले महीनों के लिए एक गंभीर संकेत है। राजस्थान के बाड़मेर में भी पारा 38 डिग्री के पार जा चुका है, जिससे मरुधरा में अभी से तपिश महसूस होने लगी है।

दूसरी ओर, उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है। इसके प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है। इस बदलाव से मैदानी इलाकों, विशेषकर दिल्ली- एनसीआर, पंजाब और हरियाणा में सुबह-शाम हल्की ठंडक बनी हुई है, हालांकि दोपहर की तेज धूप लोगों को परेशान कर रही है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। उत्तर प्रदेश और बिहार में भी गर्मी का असर बढ़ने लगा है। यूपी के बुंदेलखंड क्षेत्र में पारा 35 डिग्री के पार जा चुका है, वहीं बिहार और झारखंड में 9 से 11 मार्च के बीच मौसम बदलने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, इन राज्यों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। दक्षिण भारत में भी प्री-मानसून गतिविधियां शुरू हो गई हैं, जिससे केरल और तमिलनाडु के तटीय इलाकों में बारिश की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि साफ आसमान और एंटी-साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण सूरज की किरणें सीधे धरती तक पहुंच रही हैं, जिससे तापमान में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हो रही है। यदि आने वाले दिनों में पारा सामान्य से 4.5 डिग्री अधिक रहता है, तो कई राज्यों में आधिकारिक तौर पर हीटवेव की घोषणा की जा सकती है।

सामना ने अमेरिका की भूमिका और भारत के नेतृत्व पर उठाए सवाल कहा- कॉकरोच मरते नहीं...

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी ईरान-इजरायल संघर्ष के बीच शिवसेना (यूबीटी) ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और भारत सरकार की भूमिका पर तीखी टिप्पणी की है। पार्टी के मुखपत्र में प्रकाशित कॉकरोच मरते नहीं शीर्षक वाले लेख के माध्यम से राज्यसभा सांसद संजय राउत ने वैश्विक राजनीति, अमेरिका की रणनीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर कड़े सवाल खड़े किए हैं। लेख में दावा किया गया है कि इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमले न केवल वैश्विक शांति के लिए खतरा हैं, बल्कि इससे पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।

संजय राउत ने अपने लेख में तर्क दिया है कि युद्ध अक्सर राजनीतिक उद्देश्यों को साधने का एक जरिया मात्र होता है। उन्होंने इस संघर्ष की तुलना 1950 में तिब्बत पर चीन के कब्जे से करते हुए कहा कि जिस तरह माओ त्से तुंग ने आजादी के नाम पर तिब्बत पर नियंत्रण किया, उसी तरह आज अमेरिका और इजरायल तानाशाही से मुक्ति के नाम

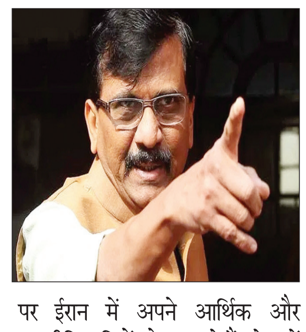

पर ईरान में अपने आर्थिक और राजनीतिक हितों को साध रहे हैं। लेख में विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की नीतियों को इस युद्ध का जनक बताया गया है। सबसे कड़ा प्रहार भारत की विदेश नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर किया गया है। शिवसेना (यूबीटी) का आरोप है कि इस वैश्विक संकट के दौरान भारत की कूटनीतिक उपस्थिति अत्यंत कमजोर और मौन रही है। लेख में तंज कसते हुए कहा गया कि जिस नेतृत्व को विश्व स्तर पर मजबूत बताया जाता है, वह इस संघर्ष को रोकने में विफल रहा है। फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा का उल्लेख करते हुए लेख में कहा गया कि उस यात्रा के बाद क्षेत्र में तनाव और अधिक बढ़ गया, लेकिन भारत की ओर से शांति की कोई ठोस पहल दिखाई नहीं दी। लेख का निष्कर्ष यह है कि शक्तिशाली देश अपने स्वार्थ के लिए युद्ध का सहारा ले रहे हैं, लेकिन जिन्हें कमजोर समझा गया, वे उम्मीद से कहीं अधिक कड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। लेख के अनुसार, पश्चिमी देशों का यह अनुमान गलत साबित हुआ कि ईरान को आसानी से घुटनों पर लाया जा सकता है। संजय राउत ने लिखा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई की शहादत और कई सैन्य अधिकारियों के मारे जाने के बावजूद ईरान ने हार नहीं मानी है। इजरायल की राजधानी तेल अवीव पर हुए मिसाइल हमलों और खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान ने झुकने से साफ इनकार कर दिया है। लेख में गाजा पट्टी में हो रही नागरिकों और बच्चों की मौतों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे मानवता के लिए एक बड़ा संकट करार दिया गया है।

जंग के बीच भारत ने तेज किया नागरिकों का रेस्क्यू, 52 हजार स्वदेश लौटे, 100 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संकट और युद्ध की बदलती परिस्थितियों के बीच भारत सरकार ने अपनी प्राथमिकता स्पष्ट कर दी है। विदेश मंत्रालय ने क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों से अपील की है कि वे स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी दिशानिर्देशों और भारतीय मिशनों की सलाह का कड़ाई से पालन करें। भारत सरकार सहायता की जरूरत वाले हर नागरिक तक पहुंचने के लिए संबंधित देशों की सरकारों के साथ निरंतर समन्वय कर रही है। शनिवार देर रात जारी एक आधिकारिक बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह क्षेत्र की उभरती स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा व कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्रालय ने जानकारी दी कि क्षेत्र के हवाई क्षेत्र के आंशिक रूप से खुलने के बाद अब तक 52,000 से अधिक भारतीय सुरक्षित स्वदेश लौट आए हैं।

पश्चिम एशिया में सुरक्षा की स्थिति फिलहाल अत्यंत अनिश्चित बनी हुई है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरानी ठिकानों पर की जा रही बमबारी और तेहरान की ओर से अमेरिकी व इजराइली ठिकानों पर किए जा रहे जवाबी हमलों ने पूरे क्षेत्र को युद्ध के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। भारतीयों की सहायता के लिए वहां स्थित भारतीय दूतावासों ने 24 घंटे चालू रहने वाली हेल्पलाइन नंबर भी स्थापित किए हैं। इस भीषण संघर्ष का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात पर पड़ा है। शनिवार को दिल्ली और मुंबई के हवाई अड्डों पर कम से कम 100 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिससे हजारों यात्री प्रभावित हुए। अधिकारियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, मुंबई हवाई अड्डे से 35 प्रस्थान और 36 आगमन उड़ानें रद्द रहीं, जबकि दिल्ली हवाई अड्डे से 22 प्रस्थान और 17 आगमन उड़ानों को निरस्त करना पड़ा। दिल्ली हवाई अड्डे के संचालक डीआईएएल ने सोशल मीडिया के माध्यम से यात्रियों को सूचित किया है कि पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण पश्चिम की ओर जाने वाली उड़ानों में देरी या समय-सारणी में बड़े बदलाव हो सकते हैं। ज्ञात हो कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच 28 फरवरी से शुरू हुए इस संघर्ष ने वैश्विक नागरिक उड्डयन को बुरी तरह प्रभावित किया है। सुरक्षा कारणों से पश्चिम एशिया के कई हवाई क्षेत्रों को बंद कर दिया गया है, जिसके चलते एयरलाइन कंपनियां या तो बहुत सीमित संख्या में उड़ानें संचालित कर रही हैं या लंबे वैकल्पिक रास्तों का उपयोग कर रही हैं। भारत सरकार की प्राथमिकता अब युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फंसे बाकी भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आने वाले व्यवधानों को कम करने की है।

किराए के कमरे में फंदे से लटका मिला सुरक्षा गार्ड का शव, पुलिस ने कही यह बात

दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के असोला गांव में किराए के एक 24 वर्षीय सुरक्षा गार्ड दलीप कमरे में छत के पंखे से लटका पाया गया। पुलिस न शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में रखवा दिया है। मैदानगढ़ी थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। दक्षिण जिले के पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने बताया कि इलाके में आत्महत्या के संबंध में शुक्रवार को मैदानगढ़ी थाने के पुलिस नियंत्रण कक्ष में एक फोन आया था। फोन करने वाले हरिमोहन ने पुलिस को सूचित किया कि सुरक्षा गार्ड दिलीप कुमार बैरवा लगभग तीन दिन पहले ही इस किराए के कमरे में रहने आया था। पुलिस के अनुसार यह मामला तब सामने आया जब बैरवा के रिश्ते के व्यक्ति ने हरिमोहन के बेटे से संपर्क कर पूछा कि क्या दिलीप कमरे में मौजूद है, क्योंकि उसका मोबाइल फोन बंद आ रहा था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इसके बाद हरिमोहन और उनका बेटा कमरे पर गए और दरवाजा खटखटाया। लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने पाया कि दरवाजा अंदर से बंद था। किसी

अनहोनी के संदेह में उन्होंने दरवाजा तोड़ा और बैरवा को कमरे में छत के पंखे से नायलॉन की रस्सी बनाए गए फंदे से लटका हुआ पाया। इसका बाद घटना के बारे में पुलिस को सूचित किया गया और एक टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल का निरीक्षण करने और साक्ष्य एकत्र करने के लिए अपराध शाखा की एक टीम को भी बुलाया गया। पुलिस ने बताया कि दिलीप राजस्थान के करौली जिले का निवासी था और शहर में सुरक्षा गार्ड के रूप में काम कर रहा था। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया इसमें किसी गड़बड़ी का संदेह नहीं है।

'मुख्यमंत्री मावां-धीयां सत्कार योजना' के तहत महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये मिलेंगे: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

'आप' सरकार की व्यापक कल्याणकारी पहलों को उजागर करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं लागू की जा रही हैं, जिनमें मुफ्त बस यात्रा, मुफ्त बिजली और मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत नकद रहित इलाज शामिल है। उन्होंने कहा कि नकद रहित इलाज, मुफ्त बस यात्रा, मुफ्त बिजली, प्रतिमाह 1,000 रुपये और ऐसी कई अन्य पहलें महिलाओं को सशक्त बनाते हुए समाज में उनकी भूमिका को और मजबूत करेंगी। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि सरकार के पास अपने कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए उचित वित्तीय संसाधन हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास पैसे की कोई कमी नहीं है क्योंकि हमारे इरादे स्पष्ट और ईमानदार हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने वित्तीय प्रबंधन में सुधार करते हुए यह सुनिश्चित किया है कि सार्वजनिक फंड का उपयोग लोगों की भलाई और विकास के लिए हो। पंजाब के मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार ईमानदारी से काम कर रही है, जिसके कारण शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में बड़े सुधार देखने को मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम ईमानदारी से काम कर रहे हैं जिसके चलते पूरे राज्य में स्कूल, अस्पताल, स टेंक और आम आदमी क्लिनिक बन रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि सरकार ने बिजली आपूर्ति में सुधार, सिंचाई प्रणालियों को मजबूत करने और किसानों को निर्बाध और आवश्यक बिजली प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इन उद्देश्यों के लिए थर्मल पावर प्लांट खरीदे जा रहे हैं, नहरी पानी टेलों पर बसे किसानों तक पहुंच रहा है और उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचाने के लिए बिजली दरों को तर्कसंगत बनाया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले चार वर्षों में राज्य सरकार ने लोगों से किए वादों के अनुसार सारी गारंटियां पूरी करने के साथ-साथ इससे अधिक कई काम किए हैं जिनमें आम लोगों पर बोझ डाल रहे टोल प्लाजों को बंद करना आदि शामिल है। ये कदम सरकार की यह सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं कि लोगों को सुचारू शासन के माध्यम से हर संभव लाभ मिले। शिक्षा और खेल में निवेश के बारे में बोलते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने साझा किया कि बजट में शिक्षा के लिए आवंटन में सात प्रतिशत की वृद्धि की गई है, जबकि राज्य भर में खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए 1,791 करोड़ रुपये रखे गए हैं। उन्होंने कहा कि खेलों को प्रोत्साहित करना युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने के सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है। उन्होंने कहा कि खेलों को प्रोत्साहित करते हुए युवाओं की असीम ऊर्जा को खेलों में लगाकर उन्हें और सशक्त बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो युवा खेलों की ओर जा रहे हैं, उनके पास नशों की ओर देखने तक का समय नहीं है क्योंकि वे अपनी सारी ऊर्जा अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने की ओर लगा रहे हैं। खेलों को प्रोत्साहित करने से राज्य सरकार को नशों के खिलाफ लड़ाई में बड़ी मदद मिल रही है और युवाओं को खुद के लिए स्वस्थ और रचनात्मक भविष्य की सृष्टि की ओर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब सरकार राज्य के विकास और लोगों की भलाई के लिए लोगों के हर एक पैसे का पूर्ण विवेकपूर्ण उपयोग कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि सिस्टम में लीकेज या रिश्वतखोरी जैसी समस्याओं को प्रभावी ढंग से रोका गया है और बचाए गए संसाधन अब उन योजनाओं में निवेश किए जा रहे हैं जिनका सीधा लाभ आम आदमी को हो रहा है और आगे होगा। उन्होंने कहा कि 'आप' सरकार का एकमात्र उद्देश्य राज्य की प्रगति और खुशहाली को सुनिश्चित बनाना है।

गौड़ यमुना सिटी में लावारिस कुत्तों और बंदरों का खौफ

यमुना सिटी। गौड़ यमुना सिटी सोसाइटी में लावारिस कुत्तों और बंदरों की संख्या बढ़ने से लोगों में खौफ है। बच्चे, बूढ़े और जवान डर के साये में जी रहे हैं। लोग बच-बचकर बाहर निकलते हैं और बच्चों को अकेले कहीं भेजने से बच रहे हैं। लोगों ने बताया कि सुबह-शाम स्थिति ज्यादा गंभीर हो जाती है। टहलने वाले लोग, स्कूल जाने वाले बच्चे और बुजुर्ग असहज महसूस करते हैं। कई बार कुत्ते झुंड बनाकर घूम रहे कुत्ते राह चलते लोगों पर टूट पड़ते हैं। वहीं, बंदर घरों की बालकनी और छतों तक पहुंचकर खाने-पीने का सामान उठा ले जाते हैं। रोकने की कोशिश करने पर काटने के लिए दौड़ते हैं। सोसाइटी के निवासी शिव शंकर राय ने बताया कि कॉलोनी में बंदरों और कुत्तों की संख्या बढ़ने से लोग घबराए हुए हैं।

मामी को सबक सिखाने के लिए भांजे का गला रेतकर की हत्या, पुलिस ने दबोचा

कौमी पत्रिका

दिल्ली। दिल्ली के बाहरी जिला के रणहौला इलाके में मासूम लवकुश (5 वर्ष) की गला रेतकर हत्या करने की गुत्थी को पुलिस ने 48 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। पुलिस ने हत्या के मामले में लवकुश की बुआ के बेटे को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान रवि कुमार (22 वर्ष) के रूप में हुई है। दरअसल, लवकुश के पिता पाचू महतो और मां सरिता देवी के बीच अक्सर विवाद होता था। सरिता छोटी-छोटी बातों पर घर छोड़कर चली जाती थी। यह बात रवि को पसंद नहीं थी। 3 मार्च को रवि की मामी सरिता दोबारा झगड़ा कर घर से चली गई तो रवि ने उसे सबक सिखाने की नियत से सबसे छोटे बच्चे का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल चाकू, वारदात के समय

पहने कपड़े और अन्य सामान बरामद कर लिया है। आरोपी ने बताया कि उसने पहले लवकुश का गला घोंटा। बाद में मौत की पुष्टि करने के लिए चाकू से उसका गला भी काट दिया। इसके बाद शव को एक निर्माणाधीन मकान में छोड़कर वह वहां से चला आया। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि रणहौला थाना पुलिस को 5 मार्च की दोपहर 5 साल के मासूम लवकुश की हत्या की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मोहन गार्डन इलाके में पहुंची। वहां पुलिस को लवकुश का शव मिला। देखने में शव एक-दो दिन पुराना लग रहा था। लवकुश अपने परिवार के साथ मोहन गार्डन में रहता था। उसके परिवार में पिता पाचू महतो, मां सरिता देवी के अलावा तीन भाई-बहन, दादा धूपल महतो और दादी बिनता देवी हैं। पाचू की बहन के तीन बेटे रवि कुमार, सन्नी और कृष्णा भी अपने नाना-नानी (धूपल महतो और बिनता देवी) के पास रहकर काम करते थे। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के लिए स्पेशल स्टाफ, लोकल पुलिस और स्पेशल टास्क फोर्स को लगाया गया। जांच के दौरान परिवार ने पहले मां सरिता पर ही हत्या का शक जताया था। दरअसल, पाचू से झगड़े के बाद 3 मार्च की सुबह सरिता घर छोड़कर चली गई थी। उसकी लोकेशन ट्रेस की गई तो वह छपरा, बिहार में मिली। एक टीम को छपरा भेजा गया। पुलिस ने वहां पहुंचकर सरिता से पूछताछ की तो उसने अपने बेटे की हत्या से साफ इनकार किया। दूसरी टीम ने टेक्निकल सर्विलांस पर काम किया और लोकल इंटेलिजेंस की मदद ली गई। बाद में आरोपी का सुराग मिला। पुलिस ने 3 मार्च के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। करीब 3:30 बजे लवकुश को उसकी बुआ के बेटे रवि कुमार के साथ देखा गया। इसके बाद लवकुश कहीं नजर नहीं आया। शक के आधार पर पुलिस ने रवि से पूछताछ की तो वह टूट गया और उसने हत्या की बात स्वीकार कर ली। आरोपी ने बताया कि उसने अपनी मामी को सबक सिखाने के लिए यह कदम उठाया। उसे लगता था कि मामी उसके मामा को धोखा दे रही है। मामी को सबक सिखाने के लिए उसने उसके सबसे छोटे बेटे की हत्या की योजना बनाई और वारदात को अंजाम दिया। बाद में वह घर लौट आया। इस दौरान परिवार मासूम की तलाश करता रहा। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर मामले की आगे जांच कर रही है।

निर्माणाधीन मकान से छह साल के बच्चे का गला कटा शव मिला

दिल्ली। आउटर डिस्ट्रिक्ट के रणहोला में एक निर्माणाधीन मकान में छह साल के बच्चे का शव मिला है। यह शव संदिग्ध हालात में बरामद हुआ, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बच्चे का शव मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की थी। पुलिस के अनुसार, शव निर्माणाधीन मकान के भीतर पाया गया। बच्चे की मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस गहनता से छानबीन कर रही है। दूसरा मामला साउथ दिल्ली के असोला इलाके का है। जहां बीती छह मार्च की रात को एक 24 साल का आदमी अपने घर में लटका हुआ मिला। आदमी की पहचान दिलीप के तौर पर हुई। शुरुआती पुलिस जांच में मामला सुसाइड का लग रहा है। बॉडी को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

पीड़ित परिवार से मिले स्वास्थ्य मंत्री, भाजपा सांसद बोलीं- दोषियों को नहीं बख्शेंगे

दिल्ली। होली के दिन उत्तम नगर में तरुण की पीट-पीटकर हत्या के मामले पर भाजपा सांसद कमलजीत सेहरावत ने परिवार से मुलाकात के बाद कहा कि दोषी किसी भी हाल में बख्शे नहीं जाएंगे। वहीं दिल्ली सरकार के मंत्री पंकज कुमार सिंह ने पीड़ित परिवार को उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। होली के दिन उत्तम नगर में एक युवक की हत्या के मामले में एक तरफ पुलिस ने एक्शन लिया तो वहीं दूसरी तरफ भाजपा सांसद कमलजीत सेहरावत ने पीड़ित परिवार से बात की है। उन्होंने दोषियों को बख्शा न जाने का आश्वासन दिया है। दिल्ली सरकार के मंत्री पंकज कुमार सिंह ने भी पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने परिवार को दिल्ली पुलिस पर विश्वास रखने को कहा। मंत्री ने बताया कि पुलिस ने अब तक सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने मामले में उचित कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इस मामले में एडिशनल डीसीपी-एक द्वारका, निहारिका भट्ट ने बताया कि हत्या की पहली रात को ही प्राथमिकी दर्ज कर ली गई थी। अब तक इस मामले में सात गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। इलाके में पुलिस की पुख्ता तैनाती की गई है। इस समय स्थिति शांतिपूर्ण बनी हुई है। पुलिस वैधानिक तरीके से जांच कर रही है। भाजपा सांसद कमलजीत सेहरावत ने उत्तम नगर हत्याकांड के दोषियों को बख्शा न जाने की बात कही। उन्होंने पीड़ित परिवार से मिलकर उनकी चिंताओं को सुना। दिल्ली सरकार के मंत्री पंकज कुमार सिंह ने भी परिवार से मुलाकात की। उन्होंने पुलिस की कार्रवाई पर विश्वास बनाए रखने का आग्रह किया। दोनों नेताओं ने न्याय सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया है। एडिशनल डीसीपी-एक द्वारका, निहारिका भट्ट ने बताया कि हत्या के तुरंत बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने अब तक सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात है। अधिकारी ने कहा कि वर्तमान में स्थिति शांतिपूर्ण है। पुलिस मामले की जांच वैधानिक तरीके से कर रही है।

साले की गैर-इरादतन हत्या की कोशिश में घोषित अपराधी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने शाहबाद डेयरी थाना इलाके के गैर-इरादतन हत्या की कोशिश के मामले में घोषित अपराधी अनवर हुसैन उर्फ अनवर हुसैनको गिरफ्तार किया है। आरोपी ने साथियों के मिलकर अपने साले पर बेरहमी से हमला कर दिया था। वह आरोपी 2023 से फरार था। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार के अनुसार आरोपी अनवर हुसैन उर्फ अनवर हुसैन ने अपने साथियों के साथ मिलकर 16 सितंबर, 2023 को अपने साले अबेदुर रहमान उर्फ अब्दुल रहमान (शिकायतकर्ता) पर शाहबाद डेयरी थाना इलाके में बुरी तरह हमला कर दिया था। पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज होने के बाद आरोपी अपने साथी आरोपियों के साथ फरार हो गया था।

मुख्य सचिव केएपी सिन्हा को उनकी मातृ संस्था आईआईटी (आईएसएम) धनबाद द्वारा 'डायरेक्टर अवॉर्ड फॉर सर्विस टू सोसायटी' से सम्मानित किया गया

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 8 मार्च। पंजाब के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा के सम्मान में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। उन्हें समाज की सेवा के लिए प्रतिष्ठित

डायरेक्टर अवॉर्ड फॉर सर्विस टू सोसायटी से सम्मानित किया गया है। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि यह सम्मान मुख्य सचिव को उनकी मातृ संस्था आईआईटी (आईएसएम) धनबाद द्वारा प्रदान किया गया है, जहां से उन्होंने वर्ष 1989 बैच में माइनिंग इंजीनियरिंग में बी.टेक की डिग्री प्राप्त की थी। श्री केएपी सिन्हा को यह पुरस्कार जनसेवा और समाज के विकास में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया है। अपने प्रशासनिक कार्यकाल के दौरान उन्होंने लोगों की सेवा के साथ-साथ सामाजिक विकास के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे उनके नेतृत्व गुण स्पष्ट रूप से सामने आते हैं और वे दूसरों के लिए प्रेरणा स्रोत बने।

साइबर ठग दिल्ली में खोल रहे सबसे ज्यादा फर्जी बैंक खाते, हरियाणा, यूपीऔर बिहार भी प्रमुख हॉटस्पॉट

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान देश के उन शीर्ष 10 राज्यों में शामिल हैं, जहां साइबर अपराधी बड़े पैमाने पर फर्जी बैंक खाते खोलकर धन की हेराफेरी कर रहे हैं। इसके अलावा हरियाणा, दिल्ली, दादरा और नगर हवेली के अलावा दमन- दीव, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, बिहार व तमिलनाडु भी प्रमुख हॉटस्पॉट के रूप में चिह्नित किए गए हैं। गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आई4सी) ने इन क्षेत्रों की पहचान की है, जहां साइबर ठगी की रकम को बैंक खातों के जरिये इधर से उधर किया जा रहा है। झारखंड और हरियाणा के आंकड़े चिंताजनक हैं। झारखंड के जामताड़ा में 2025 में 350 से ज्यादा ऐसे खाते पकड़े गए, जिनसे सात करोड़ रुपये निकाले गए और 3.8 करोड़ रुपये ट्रांसफर हुए, जबकि हरियाणा के नूंह जिले में 1,000 से अधिक ऐसे खाते सामने आए, जिनसे 18 करोड़ रुपये की निकासी हुई। जांच एजेंसियों को मनी ट्रेल पकड़ने में कठिनाई हो, इसलिए अपराधी रकम को कई खातों में घुमाते हैं। कई गिरोह कंबोडिया, वियतनाम व म्यांमार जैसे देशों से रैकेट चला रहे हैं, जबकि भारत में फर्जी नाम से खाते का उपयोग कर रहे हैं। सीबीआई ने 2025 में 700 बैंक शाखाओं में करीब 8.5 लाख संदिग्ध ऐसे खातों की पहचान की है।

इंडस्ट्रियल गोदाम में चोरी के 16 साल पुराने मामले में घोषित बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने 16 साल पुराने इंडस्ट्रियल गोदाम में चोरी के तीन मामलों में घोषित बदमाश जिला बांका, बिहार निवासी संतोष मंडल उर्फ संतोष कुमार उर्फ सदानंद मंडल (36) को रोहिणी इलाके से गिरफ्तार किया है। उसे सात वर्ष बाद गिरफ्तार किया है। रोहिणी कोर्ट ने आरोपी को वर्ष 2019 में भगोड़ा घोषित किया था। आरोपी पहले 11 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने बताया कि हवलदार अजय को 6 मार्च को घोषित अपराधी संतोष मंडल के मूवमेंट के बारे में सूचना मिली थी कि वह लांसर कॉन्वेंट स्कूल, रोहिणी के पास आएगा। इंस्पेक्टर सतीश मलिक व एसआई अनुज छिकारा की टीम ने यहां घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में इंडस्ट्रियल गोदामों में लूट और चोरी करने वाले एक गैंग का सदस्य था। ये वर्ष 2011 में नौकरी की तलाश में दिल्ली आया और शुरू में मजदूर के तौर पर काम किया। अपनी कमाई से खुश न होने पर, वह अपने क्रिमिनल साथियों के संपर्क में आया और इंडस्ट्रियल गोदामों में लूट और चोरी करने लगा। उसे पहले कई मामलों में गिरफ्तार किया गया था। उसे बेल पर रिहा किया गया था। गिरफ्तारी से बचने के लिए दिल्ली से भाग गया और बिहार में रहने लगा।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अवसर व सुरक्षा मिलने पर हर ऊंचाई छू सकती महिलाएं : रेनू कादियान

एजेंसी

हिसार। भगत सिंह फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेनू कादियान ने कहा है कि आज की नारी हर क्षेत्र में अपनी मेहनत, प्रतिभा और साहस के दम पर नई ऊंचाइयों को छू रही है। उन्होंने कहा कि महिलाएं आज शिक्षा, खेल, प्रशासन, राजनीति और सामाजिक क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही हैं और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। निरंतर महिला सशक्तिकरण और नशा मुक्ति के क्षेत्र में कार्य कर रही रेनू कादियान ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में कहा कि समाज को सशक्त और जागरूक बनाने के लिए महिलाओं का मजबूत और आत्मनिर्भर होना बेहद जरूरी है। यदि महिलाओं को सही अवसर, शिक्षा और सुरक्षा मिले तो वे किसी भी क्षेत्र में बड़ी से बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकती हैं। बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए परिवार और समाज दोनों की सोच में सकारात्मक बदलाव आना जरूरी है। रेनू कादियान ने कहा कि आज नशा समाज के सामने एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है, जिससे सबसे ज्यादा नुकसान परिवारों और खासकर महिलाओं को उठाना पड़ता है। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रखने और समाज को नशा मुक्त बनाने के लिए जागरूकता अभियान चलाना समय की मांग है। इसी उद्देश्य से भगत सिंह फाउंडेशन लगातार समाज में नशा मुक्ति और महिला जागरूकता को लेकर कार्य कर रही है। रेनू कादियान ने कहा कि महिला दिवस केवल एक दिन का उत्सव नहीं बल्कि महिलाओं के सम्मान, अधिकारों और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने का संकल्प लेने का दिन है। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग को महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए आगे आना चाहिए और बेटियों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

बेटियों को शिक्षित करना, आत्मविश्वास बढ़ाना सुरक्षित वातावरण देना जरूरी: डा.सुमन मंजरी

सोनीपत। किशोर न्याय बोर्ड सोनीपत की जूरी सदस्य डा. सुमन मंजरी ने कहा कि बेटियों को शिक्षित करना, उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें सुरक्षित वातावरण देना आवश्यक है। ताकि वे बिना भय और दबाव के अपने जीवन के निर्णय स्वयं ले सकें। वे कामी रोड स्थित पूर्ण मूर्ति कॉलेज ऑफ लॉ में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में शनिवार कोबतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी। मुख्य अतिथि डा. सुमन मंजरी ने अपने संबोधन में कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हर वर्ष 8 मार्च को महिलाओं की उपलब्धियों के सम्मान और लैंगिक समानता के संकल्प के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं सेना, विज्ञान, खेल, राजनीति, प्रशासन और व्यापार सहित अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त कर रही हैं। इसके बावजूद समाज में महिलाओं को हिंसा, आर्थिक असमानता, सामाजिक उपेक्षा और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। महिला सशक्तिकरण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य भी है। पूर्ण मूर्ति विद्यापीठ के चेयरमैन डा. विजयपाल नैन ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को सदैव सम्मान और उच्च स्थान प्राप्त रहा है। देवी सरस्वती, देवी लक्ष्मी और मां दुर्गा के रूप में नारी को ज्ञान, समृद्धि और शक्ति का प्रतीक माना गया है।

हिसार के अनिल जांगड़ा को उत्कृष्ट सेल व सराहनीय सेवाओं के लिए मिला विशेष सम्मान

हिसार। 'जन औषधि दिवस' के अवसर पर भिवानी में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भिवानी के विधायक घनश्याम सर्राफ इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता सीनियर ड्रग ऑफिसर रमन श्योराण और जन औषधि के नोडल अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा ने की। इस अवसर पर केमिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारी और क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति विशेष रूप से मौजूद रहे। विधायक घनश्याम सर्राफ ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना गरीब और मध्यम वर्ग के लिए वरदान साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि 'सस्ती भी, अच्छी भी' के मंत्र के साथ सरकार हर नागरिक तक गुणवत्तापूर्ण दवाएं पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सीनियर ड्रग ऑफिसर रमन श्योराण और नोडल अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा ने जन औषधि केंद्रों की कार्यप्रणाली और दवाओं की गुणवत्ता मानकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस कार्यक्रम में केवल भिवानी ही नहीं, बल्कि हरियाणा के अलग-अलग जिलों से आए जन औषधि केंद्र संचालकों ने हिस्सा लिया, जिससे यह एक राज्य-स्तरीय संवाद का केंद्र बन गया। कार्यक्रम में केमिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भी जेनेरिक दवाओं को बढ़ावा देने के सरकार के इस मिशन में अपना पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों व उनके क्रियान्वयन से अपडेट रहें कार्यकर्ता : निखिल मदान

सोनीपत। विधायक निखिल मदान ने केंद्र व हरियाणा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों और उनके क्रियान्वयन से बारे अपडेट रहना है ताकि लोगों को सही जानकारी दी जा सके। विधायक निखिल मदान पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अंत्योदय और एकात्म मानववाद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन सिद्धांतों के आधार पर ही समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने भारत माता, श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय को स्मरण करते हुए कहा कि इन महापुरुषों के विचार आज भी राष्ट्र निर्माण की दिशा में मार्गदर्शन देते हैं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री से मिले पंजाब के राज्यपाल, सियासी चर्चा तेज

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी के साथ मुलाकात की। कटारिया पंजाब में संवैधानिक पद पर हैं इसके बावजूद यह मुलाकात राजनीति के गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। इन दिनों पंजाब व हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है। हरियाणा का बजट आ चुका है और पंजाब का बजट रविवार को पेश होगा, जिसमें महिलाओं को एक-एक हजार रुपये सम्मान भत्ता दिया जाएगा।

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात करने के लिए पहुंचे। इस मुलाकात के दौरान बंद कमरे में हुई बातचीत का ब्यौरा बाहर नहीं आया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सोशल मीडिया एक्स

पर लिखा कि संतकबीर कुटीर (मुख्यमंत्री आवास), चंडीगढ़ में पंजाब के माननीय राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया जी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान विभिन्न समसामयिक विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। मुख्यमंत्री की इस पोस्ट के बाद चर्चाओं का दौर जारी है।

हरियाणा विधान सभा के बजट सत्र में हैट्रिक : लगातार तीसरे दिन प्रश्नकाल में सभी 20 प्रश्नों के जवाब, सार्थक चर्चा भी हुई

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधान सभा के बजट सत्र 2026 के दौरान कार्यवाही में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की गई है। सदन में प्रश्नकाल के दौरान लगातार तीसरे दिन भी निर्धारित सभी 20 प्रश्नों के उत्तर दिए गए, जिससे प्रश्नकाल के प्रभावी संचालन की हैट्रिक लग गई। सदन की कार्यवाही के दौरान सदस्यों द्वारा उठाए गए सभी प्रश्नों पर संबंधित मंत्रियों ने विस्तार से जवाब दिए। इसके साथ-साथ प्रश्नों के पूरक प्रश्नों पर भी सार्थक चर्चा हुई, जिससे जनहित से जुड़े अनेक विषय सदन के माध्यम से सामने आए। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने प्रश्नकाल के सफल संचालन के लिए सभी सदस्यों तथा मंत्रियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रश्नकाल अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यह वह माध्यम है जिसके जरिए जनप्रतिनिधि सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करते हैं और जनता की समस्याओं को सदन के पटल पर रखते हैं और यह सदस्यों और मंत्रियों की कार्यकुशलता का प्रदर्शन जैसा है।

पलवल में 10 साल की बच्ची से ट्यूशन टीचर ने 10 दिनों तक यौन शोषण किया

पलवल। पलवल के हथीन गेट पुलिस चौकी क्षेत्र में 10 वर्षीय बच्ची के साथ यौन शोषण का मामला सामने आया है। ट्यूशन पढ़ाने वाले शिक्षक ने 10 दिनों तक मासूम के साथ अश्लील हरकतें कीं और जान से मारने की धमकी देकर चुप रहने को कहा। आखिरकार रोते-रोते पीड़िता ने मां को सारी बात बता दी, पुलिस ने तुरंत एक्शन लिया। पीड़िता की मां की शिकायत पर हथीन गेट चौकी प्रभारी शेर सिंह ने पॉस्को एक्ट के तहत केस दर्ज किया। आरोपित 'प्रवेश' को उसी शाम पकड़ लिया गया। शहर थाना प्रभारी प्रकाशचंद ने बताया कि आरोपित को पूछताछ कर कोर्ट में पेश किया गया, वहाँ से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार जाँच में और राज खुलने की संभावना है। एसपी वरुण सिंगला ने स्कूलों में जागरूकता कैंप लगाने के निर्देश दिया है।

एलपीजी दामों में बढ़ोतरी के खिलाफ सडक़ों पर उतरेगी कांग्रेस

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने गैस सिलेंडर की बढ़ी कीमतों को आम जनता पर दोहरी मार करार दिया।

राव नरेंद्र सिंह ने जारी बयान में आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण जनता पहले ही दमनकारी महंगाई का सामना कर रही है।

हर वर्ग के लोग इस मार से जूझ रहे हैं और अब रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोतरी ने उपभोक्ताओं की कमर तोड़ दी है। भाजपा ने सत्ता में आने से पहले लोगों को 500 रुपये में सिलेंडर देने का वादा किया था, लेकिन अब उस योजना को लगभग समाप्त कर दिया गया है। उसके लिए गरीबी रेखा मापदंड तय कर दिया। गरीब परिवारों को भी अब सामान्य दर पर सिलेंडर खरीदना पड़ रहा है, जिसकी कीमत लगभग 950 रुपये तक पहुंच गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह फैसला अमेरिका के दबाव में लिया गया है, जो भारत में कच्चे तेल की खरीद-फरोख्त में अनुचित हस्तक्षेप कर रहा है। सरकार को जनता के दर्द और उनके बढ़ते आर्थिक बोझ को समझना चाहिए। राव नरेंद्र सिंह ने चेतावनी दी कि यदि रसोई गैस के दामों में कमी नहीं की गई, तो हरियाणा कांग्रेस पार्टी इसके खिलाफ सडक़ों पर व्यापक आंदोलन छेड़ेगी और जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएगी।

पलवल: प्रो. सुचित्रा वशिष्ठ को मिला आइकॉनिक विमेन अचीवर्स अवॉर्ड्स-2026

एजेंसी

पलवल। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय की डीन प्रोफेसर (डॉ.) सुचित्रा वशिष्ठ को शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए आइकॉनिक विमेन अचीवर्स अवॉर्ड्स-2026 से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार एमएस टॉक्स इवेंट्स द्वारा आयोजित सीजन-2 के अंतर्गत लीजेंडरी 100 श्रेणी में प्रदान किया गया।भारती विद्यापीठ यूनिवर्सिटी द्वारा शनिवार को आयोजित इस समारोह में प्रोफ़ेसर सुचित्रा वशिष्ठ को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान दिया गया। उन्हें यह सम्मान उनकी 24 वर्षों से अधिक की शैक्षणिक यात्रा, अनुसंधान, नेतृत्व और संस्थागत विकास में योगदान के लिए दिया गया। वर्तमान में वह श्री विश्वकर्मा कौशल

विश्वविद्यालय में प्रोफेसर और डीन के पद पर कार्यरत हैं। प्रोफेसर (डॉ.) वशिष्ठ अंग्रेजी साहित्य, व्याकरण, भारतीय-अमेरिकी साहित्य, बिजनेस कम्युनिकेशन और योगा जैसी विविध क्षेत्रों में विशेषज्ञ हैं। उन्होंने नवाचारी शिक्षण पद्धतियों, अनुभव-आधारित शिक्षा, पाठ्यक्रम विकास और प्रौद्योगिकी एकीकरण के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता को मजबूत किया है। शिक्षा के अलावा, वे एक राज्य-स्तरीय योग चैंपियन भी हैं और व्यक्तिगत संतुलन व समग्र कल्याण को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाती हैं। उनकी उपलब्धियों को पहले भी विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें टॉप 10 इन्फ्लुएंशियल विमेन ऑफ द ईयर अवार्ड भी मिल चुका है।गॉर्जेस मैगजीन ने भी इस उपलब्धि को कवर किया और डॉ. वशिष्ठ की प्रोफाइल को हाइलाइट किया, जिसमें उनकी स्कॉलरशिप, लीडरशिप और उद्देश्यपूर्ण जीवन को सराहा गया। प्रोफेसर सुचित्रा वशिष्ठ ने इस अवार्ड के लिए एमएस टॉक्स का आभार जताया।

पहले दिन 66 मंडलों में कार्यकर्ताओं को दिया गया प्रशिक्षण

प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं की क्षमता, दक्षता और वैचारिक स्पष्टता में वृद्धि होती है : मोहन लाल बड़ौली

प्रशिक्षण ही संगठन की वास्तविक शक्ति है : बड़ौली'

एजेंसी

चंडीगढ़। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान के तहत मंडल स्तर पर वक्ता तैयार करने के लिए भाजपा का शनिवार से मंडल स्तरीय प्रशिक्षण महाअभियान शुरू हो गया है। पहले ही दिन 66 मंडलों में कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। यह अभियान 14 अप्रैल तक चलेगा। सभी 377 मंडलों में होने वाले इस प्रशिक्षण अभियान में विधायक, प्रवक्ता और चेयरमैन वक्ता के रूप में शामिल रहेंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को विचारधारा की स्पष्टता, संगठन की मजबूती और जनसेवा के लिए तैयार करना। प्रदेश के सभी 377 मंडलों में प्रशिक्षण के दौरान कार्यकर्ताओं को 'एआई' टूल का उपयोग, सोशल मीडिया पर काम तथा बूथ प्रबंधन सिखाया जाएगा, ताकि काम को और अधिक आसान और आधुनिक बनाया जा सके। इस अभियान के तहत मंडल स्तरीय प्रशिक्षणों में कार्यकर्ताओं का रात्रि विश्राम भी अनिवार्य किया गया है ताकि आपसी समन्वय को मजबूत किया जा सके।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि प्रशिक्षण ही संगठन की वास्तविक

शक्ति है। यह प्रशिक्षण अभियान पीएम मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक रूप से सशक्त बनाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण अभियान एक सतत प्रक्रिया है जो कार्यकर्ताओं को तराशने का माध्यम है। कार्यशालाओं में कार्यकर्ता जो सीखता है वह बढ़ता है, जो सीखना बंद कर देता है वो बढ़ना भी बंद कर देता है। श्री बड़ौली ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना से कार्य करता है और प्रशिक्षण से उसकी क्षमता, दक्षता और वैचारिक स्पष्टता में वृद्धि होती है। श्री बड़ौली ने कहा कि यह प्रशिक्षण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि भाजपा की आत्मा, उसकी वैचारिक प्रतिबद्धता और उसके कार्यकर्ता निर्माण की निरंतर चलने वाली साधना का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि हमारा संगठन कार्यकर्ता आधारित है और हमारा कार्यकर्ता विचारधारा आधारित है। व्यक्ति निर्माण से ही संगठन का निर्माण होता है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान को संगठन सशक्तिकरण का ऐतिहासिक कदम बताते हुए मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि यह अभियान कार्यकर्ताओं को विचार, व्यवहार और नेतृत्व तीनों स्तरों पर समृद्ध करेगा। उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय और एकात्म मानववाद का दर्शन ही भाजपा की कार्यसंस्कृति की आधारशिला है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता इस प्रशिक्षण अभियान को पूर्ण निष्ठा, अनुशासन और आत्मचिंतन के साथ आत्मसात करें और राष्ट्र सेवा के पथ पर और अधिक दृढ़ता से आगे बढ़ें। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि हरियाणा की नायब सैनी सरकार जनआकांक्षाओं के अनुरूप कार्य कर रही है। हर वर्ग को ध्यान में रखकर योजनाएं बना रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बजट में भी सभी वर्गों पर फोकस किया है।

बंगाल में चुनाव प्रचार को उतरेंगे हरियाणा के नेता

एजेंसी

चंडीगढ़। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावी रण में हरियाणा भाजपा की स्पेशल टीम चुनाव प्रचार की कमान संभालेगी। भाजपा ने अनुभवी और वरिष्ठ नेताओं को प्रचार का जिम्मा सौंपा है, ताकि जनसंपर्क अभियान को प्रभावी बनाया जा सके। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहनलाल बड़ोली की ओर से जारी सूची के अनुसार, हरियाणा के 27 वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों को पश्चिम बंगाल में पार्टी संगठन को मजबूत करने और चुनाव प्रचार को गति देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन नेताओं में पूर्व मंत्री डॉ. बनवारी लाल, पूर्व विधायक रामचंद्र कंबोज, महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी, कैप्टन योगेश बैरागी सहित वरिष्ठ नेता शामिल हैं। इसके अतिरिक्त पूर्व प्रदेश महामंत्री संदीप जोशी, पूर्व मेयर प्रत्याशी नगर निगम सुंदरलाल सरपंच, पूर्व जिलाध्यक्ष चरण सिंह तेवतिया, पूर्व प्रत्याशी महम विधानसभा दीपक हुड्डा, कुरुक्षेत्र के पूर्व जिलाध्यक्ष रवि बत्तान, युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य संजीव गंगवा, पर्यावरण प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक मनोज शर्मा, हथीन से पूर्व प्रत्याशी मनोज रावत, जिला उपाध्यक्ष पंकज सिंगला, जिला सचिव योगेश तेवतिया, युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिंस गुप्ता, युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य करण गोयल, ओबीसी मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य प्रिय यादव, ओबीसी मोर्चा के जिला कार्यकारिणी सदस्य सचिव बघेल, बाजार समिति के सदस्य पदम सैनी, युवा मोर्चा कार्यकर्ता अनुज शर्मा, पूर्व जिला महामंत्री एवं पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी युवा मोर्चा अमित मिश्रा, जिला सचिव प्रभा सागर, सोशल मीडिया के प्रदेश सह संयोजक सुनील डावर, जिला प्रवक्ता विनोद चावला और सीएम विंडो एमीनेंट पर्सन मुकेश कुमार पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के लिए जाएंगे।

महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली किसी हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा : रेनू भाटिया

एजेंसी

पानीपत। हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया ने प्रदेश में महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाले व अश्लील शब्द का इस्तेमाल करने और अनैतिक कार्यों को लेकर बेहद कड़ा रुख अख्तियार किया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली किसी हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। समालखा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए रेनू भाटिया ने वर्तमान में टटीरी' गाने को लेकर विवादों में घिरे रैपर बादशाह को संदेश देते हुए कहा कि अगर आपको अपनी बादशाही कायम रखनी है, तो आप हरियाणा के होकर हरियाणा का मान बनो। अपनी कला से हरियाणा के अभिमान को इतना न गिराओ, और यहां की बहू-बेटियों को अपमानित करने वाले शब्दों का प्रयोग न करें। उन्होंने साफ तौ र पर कहा कि कला के नाम पर अश्लीलता परोसना किसी भी कीमत पर बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं होगा। प्रदेश में बढ़ रहे अश्लील गानों पर टिप्पणी करते हुए चेयरपर्सन ने कहा कि गायक महिलाओं के जज्बे पर लिखें। आपकी कलम थक जाएगी, लेकिन महिलाओं के चरित्र का इस प्रकार गलत बखान न करें।

रेनू भाटिया ने उन बुजुर्गों पर भी

सवाल उठाए जो महिला डांसरों पर पैसे उड़ाते हैं। उन्होंने कहा, 70-70 साल के बुजुर्ग बहु-बेटियों का अपमान कर रहे हैं। आपके बेटे और पोते आपको देख रहे हैं, आप समाज को क्या संदेश देना चाह रहे हैं। यह हमारी संस्कृति नहीं है। प्रदेश में चल रहे स्पा सेंटरों पर भी उन्होंने कहा कि स्पा का मतलब हेल्थ से होता है, लेकिन इसकी आड़ में अनैतिक कार्य संचालित करना गलत है। उन्होंने सीधे तौर पर जिला पुलिस कप्तानों को संदेश दिया कि पुलिस को इस मामले में सख्ती बरतनी होगी और ऐसे धंधों को तुरंत रोकना होगा। साथ ही उन्होंने हिसार के एक स्कूल में बच्चियों को मुर्गा बनाने का वीडियो वायरल होने के मामले में कड़ा संज्ञान लिया है और कहा कि इसके लिए वे कल खुद हिसार जा रही हैं। यह एक बेहद संवेदनशील मामला है। वह खुद पीड़ित बच्चियों से मिलेंगी। अगर उन्हें सुरक्षा की जरूरत है, तो आयोग उन्हें सुरक्षा दिलाएगा। इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पलवल के सक्षम शर्मा ने यूपीएससी में 155वीं रैंक हासिल कर बढ़ाया जिले का मान

एजेंसी

पलवल। पलवल के हुड्डा सेक्टर-2 निवासी सक्षम शर्मा ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की परीक्षा में ऑल इंडिया 155वीं रैंक हासिल कर आईपीएस पद अपने लिए सुनिश्चित कर लिया है। हालांकि सक्षम का लक्ष्य भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में जाना था। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है और उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं। यूपीएससी परीक्षा का परिणाम घोषित होने के बाद परिवार के लोगों ने सक्षम का मुंह मीठा कराया और लड्डू खिलाकर खुशी मनाई। कई वर्षों से सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखने वाले सक्षम शर्मा का यह यूपीएससी में चौथा प्रयास था, जिसमें उन्हें सफलता मिली। सक्षम शर्मा ने बताया कि वह पहले भी तीन बार परीक्षा दे चुके थे, लेकिन अलग-अलग चरणों में सफलता नहीं मिल सकी थी। इस बार उन्होंने ऑल इंडिया रैंक 155 हासिल कर परीक्षा पास की है, जिससे आईपीएस पद मिलना लगभग तय है। उन्होंने कहा कि जो भी रैंक मिली है, उसे वह स्वीकार करते हैं। सक्षम ने बताया कि वह स्कूल समय से ही पढ़ाई में मेहनती रहे हैं और उनका लक्ष्य शुरू से ही सिविल सेवा में जाना था। उन्होंने नौवीं से बारहवीं तक की पढ़ाई फरीदाबाद के मॉडर्न डीपीएस स्कूल से की। इसके बाद नेताजी सुभाष इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली यूनिवर्सिटी से स्नातक करने के बाद सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी। सक्षम का कहना है कि जो युवा अपने करियर में आगे बढ़ना चाहते हैं, उन्हें व्यसनों और सोशल मीडिया से दूरी बनाकर पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए। सक्षम की सफलता से उनकी माता मीनू गौड़, पिता ऋषि कुमार शर्मा, मामा राजेश शर्मा और नाना एमएल गौड़ सहित पूरा परिवार बेहद खुश है। परिजनों का कहना है कि सक्षम ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए लंबे समय तक कड़ी मेहनत की है। परिवार के अनुसार वर्ष 2018 में सक्षम के मामा राहुल गौड़ ने भी यूपीएससी परीक्षा पास कर भारतीय रक्षा लेखा सेवा में जाना स्वीकार किया था और वर्तमान में हैदराबाद में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

सरकार गांवों के विकास और ग्रामीणों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्धः कृष्ण लाल पंवार

एजेंसी

पानीपत। पानीपत में हरियाणा के विकास, पंचायत एवं खनन मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने गांव खुखराना के पुनर्स्थापन की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 445 पात्र ग्रामीणों को अलॉटमेंट लेटर वितरित किए। इस अवसर पर ग्रामीणों ने मिठाई बांटकर अपनी खुशी जाहिर की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि खुखराना के ग्रामीणों ने अपने अधिकारों के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया है और सरकार ने उनके हितों को प्राथमिकता देते हुए उन्हें न्याय दिलाने का काम किया है। मंत्री ने आश्वासन दिया कि जिन लोगों को अलॉटमेंट लेटर दिए गए हैं, उनकी रजिस्ट्री भी जल्द करवाई जाएगी ताकि वे बिना किसी परेशानी के अपने घर बना सकें। उन्होंने इस पहल के लिए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार गांवों के विकास और ग्रामीणों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वो जब अपने मकान बनाएं, वहां साफ-सफाई और स्वच्छता का

विशेष ध्यान रखें। मंत्री ने कहा कि सरकार गांव में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है और सभी ग्रामीण मिलकर आदर्श गांव बनाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि सरकार गांव के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और गांव के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। बजट की भी किसी भी तरह से कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। इस अवसर पर एडीसी पंकज यादव,डीडीपीओ राजेश शर्मा, डीआरओ कनब लाकड़ा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, रोजगार सृजन करने व सतत आजीविका को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा मत्स्य क्षेत्र : डॉ. रमेश यादव

एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस की ओर से एससी/एसटी छात्रों के लिए 'मत्स्य क्षेत्र में कौशल विकास एवं करियर उन्नति' विषय पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम छात्र कल्याण निदेशालय के करियर एवं काउंसलिंग प्लेसमेंट सेल के सहयोग से आयोजित किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को कौशल संवर्धन के माध्यम से सशक्त बनाना तथा मत्स्य पालन और एक्वा कल्चर क्षेत्र में बेहतर करियर के अवसर उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर छात्र कल्याण निदेशालय के निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देते हैं तथा एससी/एसटी समुदाय के छात्रों को व्यावसायिक कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने मत्स्य क्षेत्र की बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह क्षेत्र खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, रोजगार सृजन करने और सतत आजीविका को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सत्रों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हुए तकनीकी ज्ञान, व्यावहारिक कौशल और आत्मविश्वास विकसित करने पर जोर दिया। कार्यक्रम का आयोजन मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश गेरा, ऑफिसर इंचार्ज डॉ. रचना गुप्ता और विभागाध्यक्ष डॉ. दलीप कुमार बिश्नोई की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. मंजू रानी और डॉ. कविता शर्मा द्वारा किया जा रहा है, जो पूरे सप्ताह प्रशिक्षण सत्रों के संचालन की देखरेख करेंगी। प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न सत्र होंगे आयोजित प्रशिक्षण में विभिन्न मत्स्य विषयों के विशेषज्ञों द्वारा प्रतिदिन व्याख्यान, प्रायोगिक प्रदर्शन और संवादात्मक सत्र आयोजित किए जाएंगे।

खाड़ी क्षेत्र तनाव से तेल-तिलहन बाजार में मजबूती, मूंगफली तेल में गिरावट

- गर्मी में पाम और पामोलीन तेल की मांग बढ़ी और बाजार धारणा मजबूत होने से इनके दाम बढ़े

नई दिल्ली ।

ईरान पर अमेरिका और इज़राइल के संभावित हमलों के बीच खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ा है। होर्मुज जलडमरूमुख से तेल और तिलहन के आयात पर असर की आशंका ने बाजार धारणा को मजबूत किया। विशेषकर सोयाबीन तेल की आपूर्ति पर दबाव बढ़ा है, जो भारत में आयातित तेलों में सबसे महत्वपूर्ण है। बीते सप्ताह सरसों की नई फसल की आवक बढ़ी, बावजूद इसके दाम मजबूत रहे। खाड़ी क्षेत्र में तनाव के कारण सप्लाई की चिंताएं बनीं। हरियाणा, राजस्थान और गुजरात सरकारों द्वारा एमएसपी पर सरसों खरीद का ऐलान किसानों के लिए राहत का कारण बना। सरकारी स्टॉक को बढ़ाकर 20-25 लाख टन बनाए रखने की सलाह दी गई है। कांडला बंदरगाह पर सूरजमुखी तेल 162 रुपए प्रे ति किलो और सोयाबीन रिफाइंड तेल 138 रुपए प्रे ति किलो रहे। सूरजमुखी तेल महंगा होने से दक्षिण भारत और महाराष्ट्र में सोयाबीन तेल पर मांग बढ़ी। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि सोयाबीन की बिजाई से पहले सरकारी स्टॉक को नियंत्रित रूप से जारी किया जाए, ताकि अक्टूबर में किसानों को बेहतर दाम मिल सकें। सरकारी एजेंसियों की मूंगफली की बिक्री के कारण मूंगफली तेल के दाम गिरावट पर रहे। गर्मी में पाम और पामोलीन तेल की मांग बढ़ी और युद्ध की वजह से बाजार धारणा मजबूत होने से इनके दाम बढ़े। नवरात्र और शादी-विवाह के मौसम में बिनौला तेल की मांग बढ़ी। कमजोर आवक और मजबूत बाजार धारणा ने बिनौला तेल के दामों में सुधार किया। सूत्रों के मुतो बिक बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये के सुधार के साथ 6,600-6,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 300 रुपये के सुधार के साथ 13,750 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश: 40-40 रुपये के सुधार के साथ क्रमश: 2,325-2,425 रुपये और 2,355-2,470 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश: 250-250 रुपये की तेजी के साथ क्रमश: 5,600-5,650 रुपये और 5,200-5,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

जैक्वार समूह का लाइटिंग व्यवसाय के राजस्व को 1,700 करोड़ करने का लक्ष्य

- वित्त वर्ष 2024-25 में समूह का कुल कारोबार 7,493 करोड़ रुपए था

नई दिल्ली ।

बाथरूम और लाइटिंग समाधान में अग्रणी जैक्वार समूह ने अपने लाइटिंग व्यवसाय के विस्तार के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं। समूह के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि लाइटिंग व्यवसाय वर्तमान में समूह के कुल राजस्व का 8-10 प्रतिशत योगदान देता है। वित्त वर्ष 2024-25 में समूह का कुल कारोबार 7,493 करोड़ रुपये था और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए लगभग 8,300 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया है।

चालू वित्त वर्ष में लाइटिंग व्यवसाय से लगभग 700 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने की उम्मीद है। जैक्वार लाइटिंग के पोर्टफोलियो में एलईडी, व्यावसायिक, आउटडोर और फसाड लाइटिंग के साथ-साथ उपभोक्ता प्रकाश उत्पाद जैसे बल्ब और ट्यूब लाइट शामिल हैं। कंपनी तकनीकी नवाचार और उत्पाद विविधीकरण के माध्यम से बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

उन्होंने बताया कि अगले तीन वर्षों में लाइटिंग व्यवसाय का राजस्व 1,600-1,700 करोड़ रुपये तक बढ़ाने का लक्ष्य है। इसके लिए भिवाड़ी में नए लाइटिंग संयंत्र के लिए 100 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश योजना में शामिल है। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रगति की तेज गति के कारण अगले दो-तीन वर्षों में अतिरिक्त निवेश 50-60 करोड़ रुपये तक बढ़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि जैक्वार लाइटिंग का यह रणनीतिक विस्तार समूह के कुल राजस्व में लाइटिंग का योगदान बढ़ाने के साथ-साथ तकनीकी उन्नति और उत्पादन क्षमता में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मिडिल ईस्ट तनाव से एशिया में ऊर्जा संकट बढ़ा

मुंबई ।

मिडिल ईस्ट में हालिया सैन्य घटनाओं ने एशिया में ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा असर डाला है। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमलों के बाद शुरू हुई जवाबी कार्रवाई से तेल और गैस उत्पादन प्रभावित हुआ है। इसके साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही लगभग ठप हो गई है। यह मार्ग खाड़ी क्षेत्र के बड़े तेल उत्पादक देशों से एशिया और दुनिया के अन्य हिस्सों तक ऊर्जा पहुंचाने के लिए अहम माना जाता है। ऊर्जा आपूर्ति में बाधा के कारण एशिया के कई देशों में संकट के संकेत दिखने लगे हैं। बिजली कंपनियों और रिफाइनरियों के पास ईंधन का भंडार घटने लगा है। सिंगापुर में जहाजों को ईंधन उपलब्ध कराने वाली कंपनियों ने आपूर्ति सीमित कर दी है। फिलीपींस ने सरकारी दफ्तरों के कामकाज के दिन कम कर दिए हैं, जबकि बांग्लादेश ने रमजान के दौरान सजावटी रोशनी सीमित की है। चीन ने घरेलू जरूरतों को सुरक्षित रखने के लिए रिफाइनरियों से ईंधन निर्यात कम करने के निर्देश दिए हैं। ऊर्जा संकट का असर उद्योगों पर भी पड़ रहा है। पाकिस्तान के एक कारोबारी का कहना है कि गैस की कमी और बढ़ती लागत के कारण उत्पादन में 35 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। वहीं कतर और संयुक्त अरब अमीरात में हवाई अड्डों के बंद होने से अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक माल भेजना मुश्किल हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह स्थिति लंबी खिंचती है तो एशियाई देशों में ऊर्जा संकट और गंभीर हो सकता है। उत्पादन लागत और ईंधन कीमतें बढ़ सकती हैं, जबकि सरकारों को बचाव के अस्थायी उपाय करने पड़ सकते हैं।

ईवी स्टार्टअप की भागीदारी बढ़ाने ऑटो पीएलआई मानदंडों में ढील की जरूरत: यूलर मोटर्स

यूलर मोटर्स ने अब तक लगभग 1,500 करोड़ रुपए का निवेश किया

नई दिल्ली ।

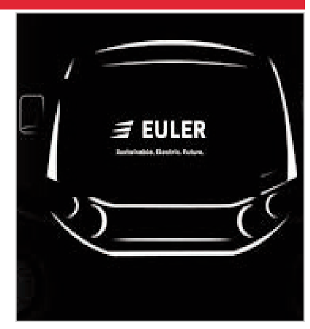

यूलर मोटर्स ने कहा है कि भारत की ऑटोमोबाइल पीएलआई योजना के वर्तमान मानदंड छोटे और मध्यम ईवी स्टार्टअप्स के लिए बहुत कठोर हैं। योजना के तहत, एक ऑटो निर्माता का न्यूनतम वैश्विक समूह राजस्व 10,000 करोड़ रुपये और अचल संपत्तियों में निवेश 3,000 करोड़ रुपये होना आवश्यक है। कंपनी के एक अे धिकारी के अनुसार ऐसे उच्च मानक यूलर मोटर्स जैसी कंपनियों को योजना में भाग लेने से रोकते हैं। कंपनी छोटे इलेक्ट्रिक ट्रकों और तिपहिया वाहनों के क्षेत्र में सक्रिय है और इसके पास इलेक्ट्रिक चार-पहिया और तीन-पहिया वाणिज्यिक कार्गो वाहन हैं। यूलर मोटर्स ने अब तक लगभग 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है और अगले दो से ढाई वर्षों में 500 से 1,000 करोड़ रुपये और निवेश करने की योजना है। उनका कहना है कि कुल निवेश को ध्यान में रखते हुए, कंपनी अचल संपत्तियों के 3,000 करोड़ रुपये के मानदंड की राह पर है। कुमार ने सुझाव दिया कि केवल अचल संपत्तियों पर जोर देने की बजाय योजना का दायरा स्टार्टअप द्वारा किए गए कुल निवेश तक बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे अधिक स्टार्टअप्स तकनीक और आरएंडडी में निवेश कर सकेंगे और भारत की हरित गतिशीलता यात्रा में योगदान दे सकेंगे। कुमार ने जोर देकर कहा कि चार-पहिया ईवी क्षेत्र में सक्रिय कंपनियां बहुत कम हैं, इसलिए सरकार को छोटे स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करना चाहिए।

कंपनी ने मांग की है कि पीएलआई योजना को अधिक लचीला बनाया जाए ताकि छोटे और मध्यम ईवी स्टार्टअप्स भी योजना का लाभ उठा सकें। इससे देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और हरित वाहनों के विकास को मजबूती मिलेगी।

भारत में अब कुल 308 अरबपति, मुकेश अंबानी बने सबसे अमीर

- पिछले एक वर्ष में भारत में 57 नए अरबपति जुड़े, जबकि 27 लोग सूची से बाहर हुए

मुंबई ।

हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट 2026 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में अब कुल 308 अरबपति हो गए हैं, जो पिछले साल से 24 अधिक हैं। इस बढ़ोतरी के साथ भारत अरबपतियों की संख्या के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, केवल अमेरिका और चीन से पीछे। पिछले एक वर्ष में भारत में 57 नए अरबपति जुड़े, जबकि 27 लोग सूची से बाहर हुए। कुल अरबपतियों में लगभग 7 फीसदी महिलाएं हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारतीय अरबपतियों की कुल संपत्ति में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। एक साल में उनकी संपत्ति लगभग 10 फीसदी बढ़कर 112.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई। इस दौरान 199 अरबपतियों की संपत्ति में वृद्धि हुई, जबकि 109 की संपत्ति में कमी या कोई खास बदलाव नहीं हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एक बार फिर भारत और एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने। उनकी कुल संपत्ति लगभग 9.8 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें पिछले साल की तुलना में करीब 9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। गौतम अडानी अडानी ग्रुप के प्रमुख दूसरे स्थान पर हैं, हालांकि उनकी संपत्ति में 14 फीसदी की गिरावट आई है और अब यह 7.5 लाख करोड़ रुपये रह गई है। तीसरे स्थान पर रोशनी नाडर मल्होत्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजी की चेयरपर्सन हैं। उनकी संपत्ति लगभग 3.2 लाख करोड़ रुपये है और वह भारत के शीर्ष 10 अमीरों में इकलौती महिला हैं।

इस साल सबसे अधिक नए अरबपति हेल्थकेयर क्षेत्र से सामने आए हैं, कुल 53 नए नाम शामिल हुए। इसके बाद औद्योगिक उत्पाद क्षेत्र से 36 और उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र से 31 नए अरबपति जुड़े। संपत्ति के मामले में ऊर्जा क्षेत्र सबसे आगे रहा। केवल 8 अरबपतियों के पास 18.3 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है, जो भारत के कुल अरबपति धन का लगभग 16 फीसदी है। साइरस एस पूनावाला, सीरम इंस्टीट्यूट आफ इंडिया के संस्थापक और चेयरमैन, इस साल सबसे बड़े वेल्थ गेनर बने। उन्होंने केवल एक साल में लगभग 0.91 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति जोड़ी।

तांबा महंगा होने, रुपया कमजोर पड़ने से 5-15 प्रतिशत बढी एसी की कीमतें

नई दिल्ली । भारत की प्रमुख एयर कंडीशनर (एसी) कंपनियां डाइकिन, वोल्टास, ब्लू स्टार, एलजी, हायर और मित्सुबिशी हैवी इंडस्ट्रीज ने अपने विभिन्न मॉडलों की कीमतों में 5 से 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। कंपनियों का कहना है कि तांबे जैसी महत्वपूर्ण कच्ची सामग्री की बढ़ी कीमतें, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और माल ढुलाई खर्च में वृद्धि मुख्य कारण हैं। इसके अलावा नए ऊर्जा दक्षता मानकों के लागू होने से एसी और अधिक कुशल बने हैं, जिससे उत्पादन लागत भी बढ़ गई है। फरवरी से अप्रैल तक लागू होने वाली यह कीमत बढ़ोतरी गर्मी के मौसम से ठीक पहले हो रही है, जब एसी की मांग अपने चरम पर होती है। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि भीषण गर्मी और नए स्टार-रेटेड मॉडलों से बिजली की बचत की उम्मीद से इस साल बिक्री की गति मजबूत रहने वाली है। डाइकिन इंडिया ने अप्रैल से 12 फीसदी, ब्लू स्टार ने फरवरी में 8-10 फीसद और वोल्टास ने 5-15 फीसदी की बढ़ोतरी की। कंपनी का कहना है कि कच्चे माल की लगातार बढ़ती लागत मूल्य समायोजन के लिए आवश्यक थी।

सोना साप्ताहिक आधार पर 5060 सस्ता, चांदी में 10000 रुपए की गिरावट

- मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित निवेश वाले एसेट्स की मांग बढ़ी

नई दिल्ली ।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बावजूद भारत में सोने की कीमतों में पिछले सप्ताह गिरावट देखने को मिली। 24 कैरेट सोना 5,060 रुपये सस्ता होकर दिल्ली में 1,63,800 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। 22 कैरेट सोना भी 4,650 रुपये गिरकर 1,50,150 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा है। शुक्रवार को दिल्ली के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,100 रुपये घटकर 1,64,100 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई थी। विशेषज्ञों के अनुसार लगातार दूसरे दिन की मुनाफासूली ने घरेलू बाजार पर दबाव डाला। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में 24 कैरेट सोने का भाव 1,63,640 और 22 कैरेट 1,47,690 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। पुणे और बेंगलुरु में भी यही कीमतें दर्ज की गई हैं। अन्य प्रमुख शहरों जैसे जयपुर, लखनऊ और चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने का भाव 1,63,800 रुपए और 22 कैरेट 1,50,150 है। अहमदाबाद और भोपाल में 24 कैरेट 1,63,700 और 22 कैरेट 1,50,050 रुपए पर कारोबार हो रहा है। मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित निवेश वाले एसेट्स की मांग बढ़ी। हाजिर सोना 14.70 डॉलर बढ़कर 5,095.81 प्रति औंस पर पहुंच गया। चांदी की कीमत में भी साप्ता हिक गिरावट रही। दिल्ली में 8 मार्च की सुबह चांदी 2,85,000 प्रति किलोग्राम पर थी, जबकि शुक्रवार को यह 2,71,700 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर चांदी 1.4 फीसदी बढ़कर 83.40 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। जनवरी 2026 में चांदी ने 4,00,000 रुपए के आंकड़े को पार किया था।

पश्चिम एशिया संकट और तेल की कीमतों से प्रभावित होगा शेयर बाजार

- ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव बाजार में बढ़ा सकता है अस्थिरता

मुंबई । इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उससे जुड़ी भू-राजनीतिक घटनाओं पर निर्भर करेगी। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस संघर्ष के चलते बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) की बिकवाली बढ़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक संघर्ष का स्पष्ट परिणाम सामने नहीं आता और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट नहीं होती, विदेशी निवेशक बाजार में बड़े पैमाने पर निवेश करने की संभावना कम है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड इस सप्ताह 8.52 प्रतिशत उछलकर 92.69 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि उच्च तेल कीमतें भारत जैसी तेल आयातक अर्थव्यवस्थाओं के लिए नकारात्मक संकेत हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता को प्रभावित करता है और बाजार में अस्थिरता बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा` कि ब्रेंट क्रूड का 90 डॉलर से ऊपर होना भारतीय अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार के लिए बुरी खबर है। विश्लेषकों के अनुसार वैश्विक बाजार के रुझान और एफपीआई की गतिविधियां भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगी।

यदि वैश्विक बाजार सकारात्मक रहेगा, तो कुछ हद तक भारतीय बाजार में स्थिरता बनी रह सकती है। लेकिन पश्चिम एशिया संकट और तेल की कीमतों में तेजी इसे दबाव में रख सकते हैं। घरेलू मोर्चे पर निवेशक 12 मार्च को आने वाले उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ये आंकड़े निवेशकों को अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति और मौद्रिक नीति के रुझान का संकेत देंगे।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों ने त्योहारी तिमाही में दर्ज की जोरदार वृद्धि

- कंपनी के औसत मासिक लेन-देन करने वाले उपयोगकर्ता बढ़कर 2.43 करोड़ हुए

नई दिल्ली । भारत की शीर्ष ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों स्विगी, मैजिकपिन और जोमैटो ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मजबूत वृद्धि दर्ज की है। उद्योग के विशेषज्ञों के अनुसार त्योहारों के दौरान बढ़ी मांग, किफायती ऑफ़र और बढ़ते उपयोगकर्ता आधार ने ऑर्डर की संख्या में तेजी लाने में मदद की। लगातार निवेश, नवाचार और मूल्य-आधारित प्रस्तावों से इस क्षेत्र की वृद्धि की गति अगले तिमाहियों में भी बनी रहने की उम्मीद है। मैजिकपिन के प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि तिमाही शानदार रही। दिल्ली-एनसीआर जैसे परिपक्व बाजार स्थिर रहे, जबकि बेंगलुरु, हैदराबाद और मुंबई जैसे शहरों में सकल ऑर्डर मूल्य में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। स्विगी ने बताया कि तिमाही में वृद्धि नई गति, चयन और सामर्थ्य के प्रस्तावों की वजह से आई। कंपनी के औसत मासिक लेन-देन करने वाले उपयोगकर्ता सालाना 22 प्रतिशत बढ़कर 2.43 करोड़ हो गए, जबकि कुल ऑर्डर 23 करोड़ से बढ़कर 29.4 करोड़ हो गए। जोमैटो के फूड डिलीवरी व्यवसाय ने भी इस तिमाही में सकारात्मक रुझान दिखाया। दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 9,846 करोड़ रुपये का शुद्ध ऑर्डर मूल्य दर्ज किया, जो सालाना 16.6 प्रतिशत अधिक है। विशेषज्ञ मानते हैं कि त्योहारी सीजन के अलावा निरंतर निवेश, प्रचार और मूल्य-आधारित रणनीतियों से कंपनियों की वृद्धि गति आने वाले तिमाहियों में भी बनी रहेगी।

देश की प्रमुख आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.81 लाख करोड़ घटा

- शीर्ष 10 की सूची में रिलायंस और इंफोसिस के मूल्यांकन में बढ़ोतरी दर्ज की गई

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह शेयर बाजार में गिरावट की वजह से देश की प्रमुख 10 मूल्यवान कंपनियों में आठ के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 2,81,581.53 करोड़ रुपये की कमी आई है। इसमें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा। शीर्ष 10 की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंफोसिस ही ऐसी कंपनियां रहीं, जिनके मूल्यांकन में बढ़ोतरी दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 53,952.96 करोड़ रुपये घटकर 10,55,567.27 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक के मूल्यांकन में 46,936.82 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 9,40,049.82 करोड़ रुपये पर आ गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 46,552.3 करोड़ रुपये घटकर 13,19,107.08 करोड़ रुपये रह गया। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के बाजार पूंजीकरण में 45,629.03 करोड़ रुपये की कमी आई और यह 5,43,208.36 करोड़ रुपये रहा। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 28,934.56 करोड़ रुपये घटकर 5,91,136.03 करोड़ रुपये पर आ गया। इसके विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 14,750.39 करोड़ रुपये बढ़कर 19,01,583.05 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का मूल्यांकन भी 3,459.99 करोड़ रुपये चढ़कर 5,30,546.54 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बाजार पूंजीकरण के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई

एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से निकाले 21,000 करोड़

फरवरी में भारी निवेश के बाद मार्च में बिकवाली

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने पिछले चार कारोबारी सत्रों में भारतीय इक्विटी से करीब 21,000 करोड़ रुपये की निकासी की है। फरवरी में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो पिछले 17 महीनों में सबसे बड़ी मासिक निवेश राशि थी। इससे पहले एफपीआई लगातार तीन महीनों तक शुद्ध विक्रेता रहे थे। जनवरी में 35,962 करोड़, दिसंबर में 22,611 करोड़ और नवम्बर में 3,765 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि मार्च की बिकवाली का प्रमुख कारण पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव है। एंजेल वन के वरिष्ठ विश्लेषक वकार जावेद खान के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के डर ने ब्रेंट क्रूड की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंचा दी, जिससे वैश्विक स्तर पर जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ी। इस दौरान रुपया 92 प्रति डॉलर से नीचे चला गया, जबकि अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड के प्रतिफल में वृद्धि हुई। बाजार के जानकारों ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष की अनिश्चितता, हालिया बाजार सुधार और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने एफपीआई की बिकवाली को और तेज किया।

उत्तर प्रदेश विद्युत आयोग ने उपभोक्ताओं को दिलाई बड़ी राहत

अब वापस होंगे स्मार्ट मीटर के नाम पर वसूले 127 करोड़

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर वसूली गई अतिरिक्त राशि को लौटाने का आदेश दिया है। आयोग ने कहा कि 1 अप्रैल 2025 के बाद जो उपभोक्ताओं से अधिक पैसे लिए गए हैं, उन्हें लगभग 127 करोड़ रुपये बिजली बिलों में समायोजित कर वापस किया जाए। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने आयोग में याचिका दाखिल की थी। उन्होंने बताया कि नए कनेक्शन पर सिंगल फेज में 6016 रुपये और थ्री फेज में 11341 रुपये लिए गए, जबकि वास्तविक शुल्क सिंगल फेज 2800 रुपये और थ्री फेज 4100 रुपये था। इस अवधि में 10 सितंबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 के बीच कुल 3,53,357 नए कनेक्शन जारी किए गए और इसी दौरान अतिरिक्त राशि वसूली गई। आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार और सदस्य संजय कुमार सिंह ने याचिका पर सुनवाई कर यह आदेश दिया।

कितने ताकतवर साबित होंगे नेपाल के बालेन शाह?

सौरभ वार्ष्णेय

बालेन शाह की राजनीति नेपाल में नई पीढ़ी के नेतृत्व का संकेत देती है। लेकिन भारत-नेपाल संबंधों की मजबूती इस बात पर निर्भर करेगी कि दोनों देश आपसी सम्मान, सहयोग और संतुलन की नीति को आगे बढ़ाएं। यही रास्ता क्षेत्रीय स्थिरता और विकास के लिए सबसे बेहतर है।

भारत की सीमा से जुड़े देश नेपाल के नये राजनीतिज्ञ के रूप में उभरे बालेन शाह एक ऐसा नाम बन गये हैं, जिसने पारंपरिक दलों की राजनीति को चुनौती देकर एक मिसाल काल कायम कर दी है। पिछले साल हुए जेन जी आंदोलन के बाद नेपाल में यह पहला आम चुनाव है। ऐसे संवेदनशील ता के बाद काठमांडू महानगर के पूर्व मेयर के रूप में उनकी पार्टी की जीत ने यह संकेत दिया कि जनता अब पुराने राजनीतिक ढांचे से हटकर नए और स्वतंत्र नेतृत्व को अवसर देने के लिए तैयार है। इंजीनियर, रैपर और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में पहचाने जाने वाले बालेन शाह की लोकप्रियता मुख्यतः उनकी साफ-सुथरी छवि, तेज निर्णय क्षमता और सिस्टम को बदलने के वादे पर खरे उतरने वाले राजनेता बन गए हैं।

नेपाल में संसदीय लोकतंत्र की व्यवस्था है और वहां की संसद दो सदनों से मिलकर बनी। इनमें निचला सदन प्रतिनिधि सभा और ऊपरी सदन राष्ट्रीय सभा कहलाता है। प्रतिनिधि सभा को भारत की लोकसभा की तरह माना जाता है। ऐसे में उनकी पार्टी नेपाल के संसदीय चुनाव के नतीजे देश की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत दे रहे हैं। शुरूआती रुझानों में काठमांडू के पूर्व मेयर और युवा नेता बालेन शाह की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी मजबूत स्थिति में नजर आ रही है। 35 वर्षीय बालेन शाह की पार्टी कई सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं। ऐसे में उनके प्रधानमंत्री बनने की संभावना काफी मजबूत मानी जा रही है। वहीं नेपाल में पिछले काफी समय से युवाओं के बीच राजनीति को लेकर बढ़ती सक्रियता देखने को मिली है। पिछले साल हुए जेन जी आंदोलन के बाद देश में यह पहला आम चुनाव है। उस आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा था और सांसद भंग कर दी गई थी।

हम बात करे तो बालेन शाह की तो उन्होंने मेयर बनने के बाद अचानक अपने वायदे अनुसार काठमांडू में अतिक्रमण हटाने, अव्यवस्थित शहरी ढांचे को सुधारने और प्रशासनिक पारदर्शिता लाने जैसे कई कदम उठाए जिससे वह इन फैसलों के कारण आम से खास बनते चले गए। इस सबमें खास बात यह है कि बालेन शाह किसी बड़े राजनीतिक दल से नहीं जुड़े हैं, फिर भी उन्होंने स्थापित नेताओं को हराकर सत्ता तक पहुंच बनाई। यह बदलाव नेपाल की राजनीति में एक नई सोच का संकेत देता है। अब सवाल उठता है कि वह नेपाल में चेहते तो बन गए पीएम बनते हैं तो क्या उनकी वास्तविक ताकत कितनी होगी। स्थानीय निकाय के प्रमुख के रूप में उनकी शक्तियां सीमित थी और कई बड़े निर्णय प्रांतीय या

केंद्रीय सरकार के स्तर पर लिए जाते हैं। ऐसे में कई बार उनकी योजनाएं नौकरशाही या राजनीतिक खींचतान में फंस जाती हैं। यही वजह है कि लोकप्रियता के बावजूद उनके सामने व्यवस्था की जटिलताएं बड़ी चुनौती बनकर खड़ी हैं। इसके बावजूद बालेन शाह की सबसे बड़ी ताकत जनता का भरोसा है। यदि वह अपने काम और पारदर्शी प्रशासन से लोगों का विश्वास बनाए रखते हैं, तो उनकी राजनीतिक भूमिका केवल काठमांडू तक सीमित नहीं रहेगी। भविष्य में वे नेपाल की राष्ट्रीय राजनीति में भी प्रभावशाली भूमिका निभा सकते हैं।

अगर हम उनकी कर्मठ राजनीति की बता करें तो नेपाल की राजनीति में अचानक उभरे युवा चेहरों में बालेन शाह का नाम सबसे प्रमुख है। पेशे से इंजीनियर और पहले एक लोकप्रिय रैपर रहे शाह ने 2022 में काठमांडू महानगर के मेयर का चुनाव जीतकर पारंपरिक राजनीतिक दलों को चौंका दिया। उनकी जीत को युवाओं की उम्मीद और भ्रष्ट राजनीति के खिलाफ जनाक्रोश का प्रतीक माना गया। सवाल यह है कि मेयर बनने के बाद वे कितने कारगर साबित हुए?

बालेन शाह के कार्यकाल की शुरूआत काफी आक्रामक और प्रतीकात्मक कदमों से हुई। शहर में अवैध कब्जों और अतिक्रमण के खिलाफ उन्होंने बुलडोज? अभियान चलाया, जिससे कई इमारतों और संरचनाओं को हटाया गया। इसका उद्देश्य सार्वजनिक जमीन को मुक्त कर शहर को व्यवस्थित बनाना था।

बालेन शाह का कार्यकाल विवादों से भी घिरा रहा। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को कई लोगों ने कठोर और असंवेदनशील बताया, क्योंकि इससे छोटे व्यापारियों और गरीब वर्ग पर असर पड़ा। सड़क किनारे दुकानदारों के खिलाफ सख्ती और नगर पुलिस द्वारा बल प्रयोग के आरोपों ने भी आलोचना को जन्म दिया। मानवाधिकार संगठनों ने इसे गरीबों के जीवनयापन पर असर डालने वाला कदम बताया।इसके अलावा प्रशासनिक टकराव, कर्मचारियों के वेतन विवाद और कुछ योजनाओं के अधूरे रहने से भी उनकी कार्यशैली पर सवाल उठे। बालेन शाह की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद यह रही कि उन्होंने काठमांडू की राजनीति में नई ऊर्जा और जवाबदेही का माहौल पैदा किया। उन्होंने यह संदेश दिया कि नगर प्रशासन भी सख्ती से काम कर सकता है और राजनीतिक दबाव से परे निर्णय ले सकता है। लेकिन उनकी सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि बड़े वादों को संस्थागत और स्थायी परिणामों में बदलना आसान नहीं होता। शहर की ट्रैफिक समस्या, कचरा प्रबंधन और शहरी अव्यवस्था जैसी कई समस्याएँ अभी भी पूरी तरह हल नहीं हो सकी हैं।कुल मिलाकर बालेन शाह को न तो पूरी तरह असफल कहा जा सकता है और न ही पूरी तरह सफल। उन्होंने काठमांडू की राजनीति में बदलाव की शुरूआत की है, लेकिन उस बदलाव को स्थायी परिणामों तक पहुँचाने की कसौटी अभी बाकी है।अगर उनकी ऊर्जा और ईमानदार छवि प्रशासनिक अनुभव और संस्थागत सहयोग के साथ जुड़ सके, तो वे नेपाल की राजनीति में एक दीर्घकालिक परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं।

भारत की नेपाल से अपेक्षा

भारत के बीच संबंधों का सवाल केवल किसी एक नेता की व्यक्तिगत सोच का नहीं, बल्कि नेपाल-भारत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्तों से भी जुड़ा हुआ है। फिर भी हाल के वर्षों में काठमांडू महानगर के मेयर के रूप में बालेन शाह की सक्रियता और उनकी स्पष्टवादी शैली ने इस विषय को नई चर्चा दी है।

नेपाल और भारत के रिश्ते सदियों पुराने हैं। खुली सीमा, सांस्कृतिक समानताएं, धार्मिक आस्था और व्यापारिक निर्भरता दोनों देशों को स्वाभाविक साझेदार बनाते हैं। ऐसे में काठमांडू महानगर के मेयर बालेन शाह की भारत को लेकर कही गई बातों और उनके रुख पर स्वाभाविक रूप से ध्यान जाता है। बालेन शाह युवा, तकनीकी पृष्ठभूमि से आने वाले और पारंपरिक राजनीति से अलग छवि वाले नेता हैं। उन्होंने काठमांडू में अवैध निर्माण, अतिक्रमण और प्रशासनिक सुधारों को लेकर सख्त कदम उठाए हैं। इसी स्पष्टवादी शैली के कारण कभी-कभी उनके बयान भारत-नेपाल संबंधों को लेकर भी चर्चा में आ जाते हैं। दरअसल, नेपाल की राजनीति में समय-समय पर भारत और चीन के बीच संतुलन की बहस चलती रही है। बालेन शाह भी कई बार राष्ट्रीय स्वाभिमान और नेपाल की स्वतंत्र नीति की बात करते दिखाई देते हैं। यह दृष्टिकोण नेपाल के युवाओं के एक वर्ग में लोकप्रिय भी है, जो चाहता है कि नेपाल अपने हितों के आधार पर निर्णय ले।हालांकि यह भी सच है कि भारत और नेपाल के संबंध केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि जन-जन के रिश्ते हैं। लाखों नेपाली भारत में काम करते हैं, दोनों देशों के बीच व्यापार और आवागमन बेहद सहज है। इसलिए किसी भी नेता के लिए यह जरूरी है कि वह राष्ट्रीय हित के साथ-साथ इन ऐतिहासिक संबंधों की संवेदनशीलता को भी समझे। बालेन शाह जैसे युवा नेताओं से उम्मीद यही है कि वे नेपाल के विकास और स्वाभिमान को मजबूत करने के साथ-साथ पड़ोसी देशों के साथ सहयोग और संवाद का रास्ता भी खुला रखें। भारत और नेपाल के रिश्ते प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि साझेदारी के आधार पर ही आगे बढ़ सकते हैं।

बालेन शाह की राजनीति नेपाल में नई पीढ़ी के नेतृत्व का संकेत देती है। लेकिन भारत-नेपाल संबंधों की मजबूती इस बात पर निर्भर करेगी कि दोनों देश आपसी सम्मान, सहयोग और संतुलन की नीति को आगे बढ़ाएं। यही रास्ता क्षेत्रीय स्थिरता और विकास के लिए सबसे बेहतर है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

संपादकीय

ताकि बचे बचपन

डिजिटल क्षेत्र में भारत के अग्रणी राज्य कर्नाटक ने सोलह साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बचाने के लिये देश में सबसे पहले अनुकरणीय पहल की है। राज्य सरकार ने 2026-27 के बजट सत्र के दौरान घोषणा की है कि किशोरवय अब सोशल मीडिया का उपयोग नहीं कर सकेंगे। यह निर्णय अभिभावकों की उस चिंता को कम करता है जो अनियंत्रित डिजिटल गतिविधियों से उत्पन्न होने वाले जोखिम से परेशान थे। जिसमें साइबर बुलिंग व साइबर धोखाधड़ी भी शामिल है। कर्नाटक की पहल के बाद आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने भी विधानसभा में घोषणा की है कि अगले नब्बे दिनों के भीतर 13 साल से कम उम्र के बच्चों द्वारा सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर रोक लगा दी जाएगी। इस तरह आंध्र प्रदेश कर्नाटक के बाद ऐसा सख्त फैसला लेने वाला दूसरा राज्य बनने जा रहा है। इस प्रकार ये दो राज्य तेजी से ऑनलाइन होती दुनिया में 'किशोरों की सुरक्षा कैसे की जाए', की वैश्विक बहस में शामिल हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि ऐसी पहल पहले आस्ट्रेलिया और फ्रांस आदि देशों में हो चुकी है। हालांकि, इन राज्यों की पहल सराहनीय है, लेकिन इस प्रतिबंध का प्रभावी क्रियान्वयन कैसे सुनिश्चित होगा, इसका प्रारूप अभी स्पष्ट नहीं है। दरअसल, देश-दुनिया के मनोवैज्ञानिक और बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बार-बार चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया का अनियंत्रित उपयोग किशोरों के मानसिक और भावनात्मक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। उल्लेखनीय है कि इस चिंता का जिक्र 2025-26 के केंद्र सरकार के आर्थिक सर्वेक्षण में भी किया गया था। कर्नाटक व आंध्र प्रदेश की यह पहल तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य के प्रति एक सुरक्षात्मक दृष्टिकोण ही दर्शाती है। लेकिन यहां सवाल उठता है कि इस कार्य योजना को अमलीजामा कैसे पहनाया जाएगा? यह हकीकत जानते हुए कि आज के डिजिटल युग में, स्मार्टफोन और ऐप्स शिक्षा, संचार और दैनिक जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं। यहां उल्लेखनीय है कि तमाम स्कूल असाइनमेंट और अपडेट के लिये मैसेजिंग एप्स, ऑनलाइन पोर्टल और डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर निर्भरता बढ़ गई है। यही वजह है कि छात्रों द्वारा 'शैक्षिक' और 'सामाजिक' उपयोग के बीच अंतर करना मुश्किल साबित हो सकता है। वहीं चिंता की बात यह भी कि किशोरों की आयु का सत्यापन कैसे व्यावहारिक बनाया जा सकेगा। वहीं देखना होगा कि सोशल मीडिया को संचालित करने वाली तकनीकी कंपनियां किस हद तक इस दिशा में सहयोग करेंगी। सहयोग न मिलने पर प्रतिबंध की व्यावहारिकता पर सवालिया निशान लग सकते हैं।

चिंतन-मनन

तुम्हारी सम्पदा है निष्ठा

यदि तुम सोचने हो कि ईश्वर में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर का कुछ हित कर रही है, तो यह भूल है। ईश्वर या गुरु में तुम्हारी निष्ठा ईश्वर या गुरु का कुछ नहीं करती। निष्ठा तुम्हारी सम्पदा है। निष्ठा तुम्हें बल देती है। तुममें स्थिरता, केंद्रीयता, प्रशांति और प्रेम लाती है। निष्ठा तुम्हारे लिए आशीर्वाद है। यदि तुममें निष्ठा का अभाव है, तुम्हें निष्ठा के लिए प्रार्थना करनी होगी।

परन्तु प्रार्थना के लिए निष्ठा की आवश्यकता है यह विरोधाभासी है। लोग संसार में निष्ठा रखते हैं परन्तु समस्त संसार सिर्फ साबुन का बुलबुला है। लोगों की स्वयं में निष्ठा है परन्तु वे नहीं जानते कि वे स्वयं कौन हैं! लोग सोचते है कि ईश्वर में उनकी निष्ठा है परन्तु वे सचमुच नहीं जानते कि ईश्वर कौन है।

निष्ठा तीन प्रकार की होती है- पहली है स्वयं में निष्ठा- स्वयं में निष्ठा के बिना तुम सोचते हो, मैं यह नहीं कर सकता, यह मेरे लिए नहीं, मैं कभी इस जिंदगी से मुक्त नहीं हो पाऊंगा। दूसरी है संसार में निष्ठा-संसार में तुम्हें निष्ठा रखनी ही होगी वरना तुम एक इन्च भी नही बढ़ सकते। यदि तुम सब पर शक करोगे, तब तुम्हारे लिए कुछ नहीं हो सकता।

तीसरे ईश्वर में निष्ठा रखो, तभी तुम विकसित होगे। ये सभी निष्ठाएं आपस में जुड़ी हैं।प्रत्येक को मजबूत होने के लिए तुममें तीनों ही होनी चाहिए। यदि तुम एक पर भी शक करोगे, तुम सब पर शक करना आरम्भ कर दोगे। ईश्वर, संसार और स्वयं के प्रति निष्ठा का अभाव भय लाता है।

निष्ठा तुम्हें पूर्ण बनाती है-सम्पूर्ण संसार के प्रति निष्ठा होते हुए भी ईश्वर में निष्ठा न होने से पूर्ण शान्ति नहीं मिलती। यदि तुममें निष्ठा और प्रेम है तो स्वतः ही तुममें शांति और स्वतत्रता होगी।अत्यधिक अशान्त व्यक्तियों को समस्याओं से निकलने के लिए ईश्वर में निष्ठा रखनी चाहिए। निष्ठा और विश्वास में फर्क है। निष्ठा आरम्भ है, विश्वास परिणाम है। स्वयं के प्रति निष्ठा स्वतंत्रता लाती है। संसार में निष्ठा तुम्हें मन की शांति देती ह। ईश्वर में निष्ठा तुममें प्रेम जागृत करती है।

विश्व युद्ध की आहट और मानवता के सामने खड़ा विनाश का संकट

कांतिलाल मांडोत

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है जहां शक्ति प्रदर्शन और प्रतिशोध की राजनीति मानवता के भविष्य पर भारी पड़ती दिखाई दे रही है। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य टकराव केवल दो देशों का संघर्ष नहीं रहा बल्कि यह पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय बन गया है। जिस तरह से एक के बाद एक मिसाइल हमले ड्रोन हमले और बमबारी हो रही है उससे यह आशंका गहराने लगी है कि कहीं यह संघर्ष व्यापक युद्ध का रूप न ले ले। युद्ध का इतिहास हमेशा यही बताता है कि इसकी आग में केवल सैनिक ही नहीं बल्कि आम नागरिक भी झुलसते हैं और सभ्यता को भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

हाल के दिनों में समुद्र और आसमान दोनों ही युद्ध के मैदान बन गए हैं। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती सैन्य कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर बना दिया है। युद्धपोतों पर हमले तेल टैंकरों को निशाना बनाना और बड़े शहरों पर बमबारी यह संकेत देते हैं कि स्थिति लगातार खतरनाक होती जा रही है। इन हमलों में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो रही है और हजारों लोग घायल हो चुके हैं। सबसे दुखद पहलू यह है कि इन संघर्षों में मरने वाले अधिकांश लोग वे होते हैं जिनका युद्ध से कोई सीधा संबंध नहीं होता। वे केवल आम नागरिक होते हैं जो शांति से अपना जीवन जीना चाहते हैं।

युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं बल्कि आर्थिक और सामाजिक संरचना को भी गहरे स्तर पर प्रभावित करता है। जब बड़े देश युद्ध में उलझते हैं तो उसका असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। व्यापार रुक जाता है तेल और ऊर्जा की कीमतें बढ़ जाती हैं और वैश्विक बाजार अस्थिर हो जाते हैं। वर्तमान संघर्ष में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी और मध्य पूर्व का क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा स्त्रोतों में से एक है। यदि यहां युद्ध लंबा चलता है तो तेल की आपूर्ति प्रभावित होगी और इसका सीधा असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

भारत जैसे देश के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का विषय है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आयात करता है। यदि युद्ध के कारण तेल की कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है तो इसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ेंगी जिससे परिवहन महंगा होगा और इसका प्रभाव आम जनता की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ेगा। महंगाई बढ़ने की संभावना भी बढ़ जाएगी और विकास की गति प्रभावित हो सकती है।

इसके अलावा मध्य पूर्व के देशों में लाखों भारतीय काम करते हैं। ये लोग वहां से अपने परिवारों के लिए पैसा भेजते हैं जो भारत की अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। यदि युद्ध की स्थिति गंभीर हो जाती है तो इन भारतीयों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कई बार ऐसे हालात में लोगों को अपने काम छोड़कर वापस लौटना पड़ता है जिससे उनके परिवारों पर आर्थिक संकट आ सकता है। इसलिए भारत के लिए यह जरूरी है कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और कूटनीतिक प्रयासों के जरिए शांति की दिशा में योगदान दे।

युद्ध का एक और गंभीर प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है। जब तेल टैंकरों पर हमले होते हैं या समुद्र में तेल का रिसाव होता है तो समुद्री जीवन को भारी नुकसान पहुंचता है। समुद्र में रहने वाले जीवों की बड़ी संख्या नष्ट हो जाती है और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को गहरा आघात पहुंचता है। इसके अलावा बमबारी और मिसाइल हमलों से शहरों का बुनियादी ढांचा नष्ट हो जाता है। अस्पताल स्कूल सड़कें और घर तबाह हो जाते हैं। इन सबको दोबारा बनाने में वर्षों लग जाते हैं। इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी भी स्थायी समाधान नहीं देता। पहले और दूसरे विश्व युद्ध ने पूरी मानवता को विनाश का भयावह अनुभव कराया था। करोड़ों लोग मारे गए और कई देशों की अर्थव्यवस्था बर्बाद हो गई। उसके बाद ही दुनिया ने शांति और सहयोग के महत्व को समझा और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का गठन किया गया ताकि ऐसे संघर्षों को रोका जा सके। लेकिन आज भी जब बड़े देश शक्ति प्रदर्शन में लगे रहते हैं तो ऐसा लगता है कि इतिहास से सबक पूरी तरह नहीं लिया गया है।

दुनिया के कई देश इस समय शांति की अपील कर रहे हैं। भारत भी लगातार यह कहता रहा है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं बल्कि संवाद और कूटनीति से ही संभव है। यदि सभी देश संयम और धैर्य का परिचय दें तो टकराव को कम किया जा सकता है। कूटनीतिक वार्ता के माध्यम से विवादों को सुलझाना ही सभ्य और जिम्मेदार समाज की पहचान है।

आज जरूरत इस बात की है कि दुनिया के शक्तिशाली देश अपनी जिम्मेदारी को समझें। शक्ति का उपयोग विनाश के लिए नहीं बल्कि शांति और स्थिरता के लिए होना चाहिए। यदि युद्ध की आग और फैलती है तो इसका परिणाम केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित करेगा। ऐसे में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि कहीं यह संघर्ष तीसरे विश्व युद्ध की दिशा में कदम न बन जाए।

मानवता का भविष्य तभी सुरक्षित रह सकता है जब देश आपसी मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाने का रास्ता अपनाएं। युद्ध केवल विनाश को जन्म देता है जबकि शांति विकास और समृद्धि का मार्ग खोलती है। इसलिए समय की मांग है कि सभी देश संयम बरतें और युद्ध के बजाय शांति और सहयोग की दिशा में कदम बढ़ाएं। यही मानवता के हित में होगा और यही आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और बेहतर दुनिया की नींव रखेगा।

यूपीएससी सफलता और बनाई हुई कहानियाँ

डॉ. प्रियंका सौरभ

संघर्ष की कहानी या लोकप्रियता का कथानक? कई अभ्यर्थी वास्तव में गाँवों या साधारण परिवारों से आते हैं और अपनी कहानी इसलिए साझा करते हैं ताकि दूसरे युवाओं को प्रेरणा मिल सके। भारत में ऐसे अनेक सफल अधिकारी हैं जिनकी जड़ें छोटे कस्बों और ग्रामीण परिवेश से जुड़ी रही हैं। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत और लगन से बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं। हालाँकि, सामाजिक माध्यमों के इस दौर में एक अलग प्रवृत्ति भी देखने को मिलती है। कुछ लोग अपनी छवि गढ़ने के लिए 'किसान का बेटा' या 'गाँव से आया लड़का या लड़की' जैसी पहचान को अधिक उभारकर प्रस्तुत करते हैं। कई बार इसका उद्देश्य सहानुभूति अर्जित करना, अपनी कहानी को अधिक प्रेरणादायक बनाकर प्रस्तुत करना या समाचार माध्यमों और सामाजिक माध्यमों में अधिक ध्यान आकर्षित करना भी होता है। भारत में संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा केवल एक परीक्षा नहीं है, बल्कि यह लाखों युवाओं के सपनों, संघर्षों और आकांक्षाओं का प्रतीक है। हर वर्ष देशभर से लाखों अभ्यर्थी इस परीक्षा में बैठते हैं और उनमें से कुछ सौ लोग ही अंततः प्रशासनिक सेवा में स्थान प्राप्त कर पाते हैं। इसलिए जो लोग इस कठिन परीक्षा में सफल होते हैं, वे स्वाभाविक रूप से समाज में चर्चा और सम्मान का विषय बन जाते हैं। समाचार माध्यम, सामाजिक माध्यम और आम समाज उनके जीवन की कहानी जानने के लिए उत्सुक रहते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में एक दिलचस्प और कभी-कभी चिंताजनक प्रवृत्ति भी देखने को मिली है। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि शहरों की समृद्ध पृष्ठभूमि में पले-बढ़े कुछ सफल अभ्यर्थी अचानक अपनी पहचान को 'किसान पुत्र', 'गाँव का बेटा' या 'ग्रामीण पृष्ठभूमि' के रूप में प्रस्तुत करने लगते हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत पहचान का प्रश्न नहीं है; यह उस व्यापक सामाजिक-मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया को भी उजागर करती है, जिसमें लोकप्रियता और सहानुभूति प्राप्त करने के लिए अपनी कहानी को विशेष तरीके से प्रस्तुत किया जाता है।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों होता है? क्या यह केवल प्रेरणा देने का प्रयास है या फिर लोकप्रियता हासिल करने की एक रणनीति? इस प्रश्न का उत्तर सरल नहीं है, क्योंकि इसके पीछे कई सामाजिक, सांस्कृतिक और माध्यम-संबंधी कारण छिपे हुए हैं। भारतीय समाज में संघर्ष की कहानियाँ हमेशा से अत्यधिक सम्मानित रही हैं। जब कोई व्यक्ति कठिन परिस्थितियों से निकलकर बड़ी सफलता हासिल करता है, तो वह कहानी लाखों लोगों को प्रेरित करती है। यही कारण है कि समाचार माध्यम अक्सर ऐसे उदाहरणों को प्रमुखता से प्रस्तुत करते हैं, जहाँ कोई अभ्यर्थी सीमित संसाधनों, आर्थिक कठिनाइयों या ग्रामीण पृष्ठभूमि के बावजूद सफलता प्राप्त करता है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसी कहानियाँ समाज के लिए सकारात्मक भूमिका निभाती हैं। वे युवाओं को यह विश्वास दिलाती हैं कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों, मेहनत और दृढ़ संकल्प से सफलता हासिल की जा सकती है। भारत जैसे देश में, जहाँ आज भी ग्रामीण और शहरी अवसरों के बीच बड़ा अंतर मौजूद है, ऐसी कहानियाँ उम्मीद और प्रेरणा का स्रोत बनती हैं। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब वास्तविकता से अधिक आकर्षक या भावनात्मक कहानी प्रस्तुत करने का दबाव बढ़ जाता है। सामाजिक माध्यमों के इस दौर में हर व्यक्ति अपनी कहानी को इस तरह प्रस्तुत करना चाहता है कि वह अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचे और उन्हें प्रभावित करे। इस प्रक्रिया में कभी-कभी वास्तविक पृष्ठभूमि की जटिलता को सरल और भावनात्मक कथा में बदल दिया जाता है।

आज के समय में समाचार माध्यम और सामाजिक माध्यम किसी भी व्यक्ति की छवि बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक सफल अभ्यर्थी की कहानी कुछ ही घंटों में पूरे देश में फैल सकती है। विभिन्न साक्षात्कार, वीडियो मंच और समाचार लेख अक्सर उस कहानी के ऐसे पहलुओं को सामने लाते हैं जो भावनात्मक और प्रेरणादायक हों।

माध्यमों की दृष्टि से यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि दर्शक और पाठक ऐसी कहानियों से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। 'गाँव से निकलकर प्रशासनिक सेवा में पहुँचा युवक' या 'किसान की बेटी जिसने प्रशासनिक सेवा में स्थान बनाया' जैसी सुर्खियाँ तुरंत ध्यान आकर्षित करती हैं। परिणामस्वरूप, कभी-कभी कहानी के कुछ हिस्सों को अधिक महत्व दिया जाता है, जबकि अन्य पहलू पीछे छूट जाते हैं। यदि किसी अभ्यर्थी का परिवार मूल रूप से ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ा रहा हो, लेकिन उसकी शिक्षा और परवरिश शहरों में हुई हो, तो माध्यम अक्सर उसी ग्रामीण संबंध को प्रमुखता से प्रस्तुत करते हैं। इससे वास्तविकता का एक आंशिक चित्र सामने आता है।

भारत जैसे विशाल और विविध समाज में पहचान हमेशा सरल और एक-आयामी नहीं होती। किसी व्यक्ति का जन्म गाँव में हो सकता है, लेकिन शिक्षा शहर में हुई हो सकती है। किसी के माता-पिता खेती से जुड़े हो सकते हैं, जबकि परिवार की आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत हो सकती है।

वास्तव में दोनों बातें एक साथ सही हो सकती हैं। लेकिन जब कहानी को सरल और प्रभावी बनाने की कोशिश की जाती है, तो अक्सर एक ही पहचान को प्रमुखता दी जाती है। यही कारण है कि कभी-कभी लोगों को यह लगता है कि वास्तविकता से अलग या बढ़ा-चढ़ाकर चित्र प्रस्तुत किया जा रहा है। आज का समय छवि और कथानक का समय है। सामाजिक माध्यमों ने हर व्यक्ति को अपनी छवि गढ़ने का अवसर दिया है। लोग केवल यह नहीं बताते कि वे कौन हैं, बल्कि यह भी तय करते हैं कि वे समाज के सामने कैसे दिखाई देना चाहते हैं। लेकिन जब यह प्रक्रिया वास्तविकता से अधिक छवि-निर्माण पर आधारित होने लगती है, तो यह आलोचना का विषय बन जाती है। समाज को यह महसूस होने लगता है कि लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए पहचान का उपयोग किया जा रहा है।

यह भी याद रखना आवश्यक है कि हर सफल अभ्यर्थी ऐसा नहीं करता। देश में हजारों ऐसे अधिकारी हैं जो अपनी पृष्ठभूमि के बारे में ईमानदारी से बात करते हैं और अपनी सफलता को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखते हैं। अंततः प्रशासनिक सेवा में सफलता का वास्तविक मूल्य इस बात से तय होना चाहिए कि कोई अधिकारी अपने पद का उपयोग समाज के हित में किस प्रकार करता है। ईमानदारी, संवेदनशीलता और जनसेवा की भावना ही किसी भी अधिकारी की सबसे बड़ी पहचान होती है। लोकप्रियता क्षणिक हो सकती है, लेकिन सच्ची सेवा और ईमानदार कार्य ही वह आधार है जो किसी व्यक्ति को स्थायी सम्मान दिलाता है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच सुलह के लिए आगे आया रूस, विदेश मंत्रियों ने की बातचीत

मास्को, एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने शुक्रवार को अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। इस दौरान काबुल और इस्लामाबाद के बीच जारी तनाव के साथ-साथ ईरान पर अमेरिका-इस्राइल के हमलों के बाद की स्थिति पर भी चर्चा की गई। रूस के विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर जारी बयान के अनुसार, लावरोव ने काबुल और इस्लामाबाद के बीच मतभेदों को राजनीतिक और कूटनीतिक तरीकों से सुलझाने की आवश्यकता पर जोर दिया। बयान में कहा गया कि दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय हालात पर चर्चा की, जिसमें ईरान के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई के बाद के प्रभावों का भी जिक्र हुआ। इसके अलावा अफगानिस्तान-पाकिस्तान संबंधों में सैन्य और राजनीतिक तनाव कम करने की संभावनाओं पर भी बात की गई। हालांकि इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी गई। इससे पहले बुधवार को रूस के विदेश मंत्रालय की साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग में प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा था, 'अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर जारी झड़पों को लेकर हम चिंतित हैं।

अमेरिका -वेनेजुएला के रिश्तों में नई शुरुआत? : राजनयिक संबंध बहाल करने पर सहमति : अमेरिकी विदेश मंत्रालय

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका और वेनेजुएला के अंतरिम अधिकारियों ने राजनयिक और कांसुलर संबंध फिर से स्थापित करने पर सहमति जताई है। इसका उद्देश्य दक्षिण अमेरिकी देश में एक नई सरकार के चुनाव के लिए शांतिपूर्ण परिवर्तन को बढ़ावा देना है। मंत्रालय ने गुरुवार को एक बयान में कहा, यह कदम वेनेजुएला में स्थिरता को बढ़ावा देने, आर्थिक सुधार का समर्थन करने और राजनीतिक सुलह को आगे बढ़ाने के हमारे संयुक्त प्रयासों को सुगम बनाएगा। हमारी भागीदारी वेनेजुएला के लोगों को एक चरणबद्ध प्रक्रिया के माध्यम से आगे बढ़ने में मदद करने पर केंद्रित है जो लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार के लिए शांतिपूर्ण परिवर्तन की स्थिति का निर्माण करती है। महीनों के तनाव के बाद अमेरिका ने जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद देश में कई बदलाव हुए जिनमें अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज का शपथ ग्रहण भी शामिल है।

कनाडा में भारतीय मूल की इन्फ्लुएंसर नैन्सी ग्रेवाल की हत्या

टोरंटो, एजेंसी। भारतीय मूल की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नैन्सी ग्रेवाल की कनाडा में चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना मंगलवार शाम विंडसर के पास हुई। नैन्सी की मां शिंदर पाल ग्रेवाल का आरोप है कि हमलावरों ने उनकी बेटी पर 18 बार चाकू से हमला किया और उसकी हत्या कर दी। परिवार के अनुसार, यह हमला किसी पुराने विवाद के कारण किया गया। परिजनों का कहना है कि नैन्सी मूल रूप से लुधियाना जिले के नरंग गांव की रहने वाली थीं। वह कनाडा में एक मरीज से मिलने गई थीं। घर के बाहर निकलते ही कुछ अज्ञात हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया। मां ने आरोप लगाया कि हमलावरों ने ऐसी जगह पर वारदात को अंजाम दिया जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं थे, जिससे साफ है कि हमला पहले से योजनाबद्ध था। परिवार के मुताबिक, नैन्सी का विवाद एक गुरुद्वारे से जुड़े कुछ लोगों के साथ चल रहा था। आरोप है कि उन्होंने गुरुद्वारे के राशन की चोरी का मुद्दा उठाया था और वहां कैमरे लगवाने में मदद की थी। उनकी मां का कहना है कि इसी विवाद के बाद उन्हें धमकियां मिलने लगी थीं। 45 वर्षीय नैन्सी ग्रेवाल पेशे से नर्स थीं और दो कंपनियों में काम करती थीं, जहां वे अक्सर 16 घंटे तक की शिफ्ट करती थीं।

अमेरिका ने इक्वाडोर में की सैन्य कार्रवाई, नार्को-आतंकवाद के खात्मे का ऑपरेशन सफल

क्विटो, एजेंसी। इक्वाडोर में अमेरिकी और इक्वाडोरियन सेनाओं ने मिलकर नार्को-आतंकवादियों के खिलाफ सटीक और निर्णायक सैन्य अभियान चलाया। यह जानकारी अमेरिकी साउथर्न कमांड ने साझा की। साउथर्न कमांड के कमांडर जनरल फ्रांसिस एल. डोनोवन के निर्देशन में यह अभियान इक्वाडोरियन सुरक्षा बलों के सहयोग से संपन्न हुआ। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के आदेश पर यह कार्रवाई की गई। जनरल डोनोवन ने कहा 'हम अपने साझेदारों के साथ मिलकर नार्को-आतंकवाद के खिलाफ आगे बढ़ रहे हैं। मैं संयुक्त सेनाओं और इक्वाडोरियन सशस्त्र बलों को इस सफल ऑपरेशन के लिए बधाई देता हूं। यह सहयोग और निर्णायक कार्रवाई पश्चिमी गोलार्ध के लिए रणनीतिक सफलता है, जो नार्को-आतंकवाद को रोकने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' साउथर्न कमांड के वरिष्ठ प्रवक्ता शॉन पार्नेल ने इक्वाडोर के राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ और देश की सुरक्षा बलों की भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ने नार्को-आतंकवादी आपूर्ति केंद्रों को बाधित किया।

बालेन शाह की 'सुनामी' में उड़े नेपाल के कई दिग्गज, बहुमत की ओर आरएसपी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के संसदीय चुनाव की मतगणना के शुरुआती रुझानों ने दक्षिण एशिया की राजनीति को स्तब्ध कर दिया है। 150 निर्वाचन क्षेत्रों में जारी मतगणना में रवि लामिछाने के नेतृत्व वाली आरएसपी ने अभूतपूर्व बढ़त बना ली है। नेपाल की युवा पीढ़ी ने पारंपरिक पार्टियों नेपाली कांग्रेस (एनसी) और यूएमएल को पूरी तरह नकारते हुए बदलाव के पक्ष में वोट दिया है। 275 सीटों वाली प्रतिनिधि सभा राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी 108 सीटों पर आगे है। नेपाली कांग्रेस (एनसी) और सीपीएन-यूएमएल 12-12 सीटों पर आगे है। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी - संयुक्त मोर्चा) के खाते में फिलहाल सिर्फ 9 सीटें जाती दिख रही हैं। सबसे बड़ी खबर झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र से आ रही है, जहां 35 वर्षीय रैपर से नेता बने बालेन शाह ने पूर्व प्रधानमंत्री और यूएमएल अध्यक्ष के.पी. शर्मा ओली पर एक मजबूत बढ़त बना ली है।

के.पी. ओली के अलावा, शेर बहादुर देउबा की कांग्रेस के शेखर कोइराला, अरबपति विनोद चौधरी, विष्णु पौडेल, राजेंद्र लिंगदेन और पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल जैसे दिग्गज अपनी सीटों पर पिछड़ रहे हैं। पुराने नेताओं में केवल पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ही अपनी साख बचाते दिखे हैं। उन्हें पूर्वी रुकुम सीट से विजयी घोषित किया गया है।

आरएसपी की जीत के मायने : भारत सरकार के रणनीतिक गलियारों में इस जीत को बहुत बारीकी से देखा जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत-नेपाल संबंध सीमा विवाद और चीन के बढ़ते प्रभाव के कारण तनावपूर्ण रहे हैं। बालेन शाह और रवि लामिछाने की जोड़ी को व्यावहारिक और राष्ट्रवादी माना जाता है। भारत यह देखेगा कि क्या बालेन शाह के नेतृत्व में नेपाल अपनी 'पड़ोसी पहले' नीति को फिर से संतुलित करेगा या चीन के साथ अपने संबंधों को और गहरा करेगा। नेपाल की संसद की 165 सीटें 'फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट' (प्रत्यक्ष चुनाव) के तहत आती हैं, जिनके परिणाम शनिवार तक स्पष्ट हो जाएंगे। शेष 110 सीटें 'समानुपातिक प्रतिनिधित्व' प्रणाली के माध्यम से भरी जाएंगी, जहां पार्टियों को मिलने वाले कुल वोटों का प्रतिशत उनकी अंतिम ताकत तय करेगा।

कैसे शुरू हुआ राजनीतिक सफर : बालेन शाह का यह सफर आसान नही रहा है। साल 2022 में रैप की दुनिया से पहचान बनाने वाले स्ट्रक्चरल इंजीनियर बालेन शाह ने उस वक्त सबको चौंका दिया था, जब उन्होंने नेपाल के बड़े राजनीतिक दलों को हराकर काठमांडू के मेयर का पद जीता। उनका चुनाव चिह्न छड़ी था। उन्हें चुनाव में 61,767 वोट मिले। उन्होंने नेपाली कांग्रेस की सिर्जना सिंह को हराया, जिन्हें 38,341 वोट मिले थे। वहीं, सीपीएन-यूएमएल के उम्मीदवार और पूर्व मेयर केशव स्थापित को 38,117 वोट मिले। अब चार साल बाद 35 साल के बालेन शाह देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री बनने की राह पर हैं। उनकी यह सफलता अचानक नहीं मिली है। साल 2013 में वह 'रॉ बर्ज' रैप बैटल से मशहूर हुए थे। मेयर बनने से पहले उन्होंने ढाई साल तक जमीन पर काम किया। उन्होंने हिमालयन व्हाइट हाउस कॉलेज से इंजीनियरिंग की और भारत से मास्टर डिग्री ली। उनकी पढ़ाई और तकनीकी समझ ने जनता का भरोसा जीता।

दशकों पुराने ओली के दबदबे को किया खत्म : बालेन की राजनीतिक रणनीति बहुत सोची-समझी रही है। सितंबर के विरोध प्रदर्शनों में 77 लोगों की मौत के बाद केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया था। उस समय युवाओं ने बालेन को अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए कहा। बालेन ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की का समर्थन किया। उन्होंने छह महीने की अस्थायी सरकार के बजाय पांच साल के पूर्ण कार्यकाल को चुना।

18 जनवरी 2026 को बालेन औपचारिक रूप से राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) में शामिल हो गए। उन्होंने अगले ही दिन जनकपुर से अपना चुनाव प्रचार शुरू किया। उन्होंने झापा-05 सीट से चुनाव लड़ने का फैसला किया। यह इलाका दिग्गज नेता केपी शर्मा ओली का गढ़ माना जाता है। जानकारों का मानना है कि बालेन की लोकप्रियता ओली के दशकों पुराने दबदबे को खत्म कर दी है।

एपस्टीन फाइल- ट्रम्प पर नाबालिग के यौन शोषण का आरोप:नए दस्तावेज में खुलासा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में न्याय विभाग ने कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े नए दस्तावेज जारी किए हैं। एफबीआई को दिए इंटरव्यू में महिला ने दावा किया कि एपस्टीन ने उसकी मुलाकात डोनाल्ड ट्रम्प से कराई थी। ट्रम्प ने उनका यौन शोषण किया। तब वे नाबालिग थीं। ये पेज पहले जारी नहीं किए गए थे। एफबीआई ने महिला के दावों से जुड़े 4 इंटरव्यू किए थे। पर शुरुआती रिलीज में सिर्फ एक इंटरव्यू का सार दिखा, जिसमें महिला ने एपस्टीन के खिलाफ आरोप बताए थे। बाकी तीन इंटरव्यू गायब होने पर सवाल उठ रहे थे। अधिकारियों ने अब कहा कि इन्हें गलती से 'डुप्लीकेट' मानकर रोक दिया गया था। बाद में रिव्यू किया तो यह बात गलत निकली।

ट्रम्प की फाइल दबाने का आरोप : अमेरिका की विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एपस्टीन से जुड़े डॉक्यूमेंट हैंडल करने के तरीके को लेकर ट्रम्प सरकार पर सवाल उठा रही है। उनका आरोप है कि ट्रम्प प्रशासन ने एपस्टीन जांच से जुड़ी ऐसी जानकारियां दबाई, जो ट्रम्प को नुकसान पहुंचा सकती थीं। हाउस की एक कमेटी ने अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को नोटिस जारी करने के पक्ष में वोट किया। उन्हें कोर्ट में

जवाब देना होगा। महिला का आरोप- एपस्टीन और ट्रम्प ने उसका यौन-शोषण किया ट्रम्प पर आरोप लगाने वाली महिला के 2019 में एफबीआई ने कई इंटरव्यू लिए थे। गुरुवार को जो डॉक्यूमेंट जारी हुए हैं, उनमें इन्हीं इंटरव्यू के डिटेल्स शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस इंटरव्यू में उस महिला ने आरोप लगाया कि जब उसकी उम्र 13 से 15 साल के बीच थी, तब एपस्टीन और ट्रम्प ने उसका यौन-शोषण किया था। एक इंटरव्यू में महिला ने कहा कि एपस्टीन उसे न्यूयॉर्क या न्यूजर्सी ले गया था और वहीं ट्रम्प से मिलवाया था। महिला ने जांचकर्ताओं को बताया कि जब ट्रम्प उस पर सेक्स करने के लिए दबाव डाल रहे थे, तब उसने उन्हें काट भी लिया था। महिला का यह भी दावा है कि पिछले कई सालों में उसे और उसके करीबी लोगों को चुप रहने के लिए धमकी भरे कई फोन कॉल भी आए थे। महिला का मानना है कि ये कॉल एपस्टीन से जुड़े लोगों की तरफ से हो सकते थे।

ईरान में सत्ता परिवर्तन की सुगबुगाहट, रेजा पहलवी का दावा- लोगों ने मुझे लीड करने को कहा

तेहरान, एजेंसी। ईरान के अंतिम शाह के बेटे और निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी ने शुक्रवार को एक वीडियो संदेश जारी कर मध्य पूर्व के अरब देशों पर ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमलों की कड़ी निंदा की है। पहलवी ने इन हमलों को संप्रभुता का अस्वीकार्य उल्लंघन बताते हुए घोषणा की कि उन्होंने ईरानी जनता के उस जनादेश को स्वीकार कर लिया है, जो उन्हें इस्लामिक गणराज्य के पतन के बाद देश का नेतृत्व करने के लिए दिया गया है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (श्व), बहरीन, कतर, कुवैत, ओमान, जॉर्डन, इराक और सऊदी अरब पर दागी गई मिसाइलें इस शासन की दशकों पुरानी आक्रामक नीति का हिस्सा हैं। उन्होंने स्पष्ट किया, 'इस्लामिक गणराज्य ने हमारे अरब पड़ोसियों को निशाना बनाया है। यह इस शासन का असली चेहरा है जिसने पाँच दशकों से क्षेत्र में रक्तपात और अराजकता फैला रखी है। यह अब समाप्त होना चाहिए। क्राउन प्रिंस ने एक व्यवस्थित संक्रमण का वादा किया है। उन्होंने कहा कि वे प्रशासनिक ढांचे और लोक सेवकों को

बनाए रखेंगे ताकि देश में स्थिरता बनी रहे। उन्होंने कहा कि भविष्य का फैसला मतपेटी से होगा। विचारधारा के निर्यात के बजाय पारस्परिक सम्मान और साझा हितों पर आधारित कूटनीति की बात उन्होंने की। शासन के गिरने के बाद वे परिवर्तन प्रक्रिया का नेतृत्व करेंगे। पहलवी ने अरब देशों से आह्वान किया कि वे भविष्य की 'संक्रमणकालीन सरकार' को मान्यता देने और उसके साथ जुड़ने के लिए तैयार रहें। उन्होंने एक ऐसे मध्य पूर्व के निर्माण का आह्वान किया जिस पर आने वाली पीढ़ियां गर्व कर सकें। यह बयान ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया महायुद्ध की आग में जल रहा है। 28 फरवरी को अमेरिका-इजरायल के हमले में खामेनेई और शीर्ष सैन्य कमांडरों की मौत हो गई।

हफ्ते भर के युद्ध में ही हिल गई दुनिया, ईरान संकट के बीच बहुत कुछ बदल गया

तेहरान, एजेंसी। ईरान और अमेरिका-इजरायल के युद्ध को आज एक सप्ताह पूरा हो रहा है। एक सप्ताह में ही इस युद्ध का असर पूरी दुनिया में पड़ा है। एक तरफ यूरोप से लेकर एशिया तक की अर्थव्यवस्थाएं बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं तो दूसरी ओर खाड़ी देशों में हमले भी खूब हुए हैं जिनमें जान और माल दोनों का नुकसान हुआ है। खाड़ी देशों में फंसे पर्यटक अब भी संकट का सामना कर रहे हैं। ईरान ने अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर सैन्य हमले किए थे जिनमें ईरान के सर्वोच्चा नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे।

संघर्ष बढ़ता ही जा रहा : इस सैन्य हमले के बाद ईरान ने मुख्य रूप से इजराइल और संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन तथा सऊदी अरब समेत कई खाड़ी देशों में

अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाते हुए हमले किए। पिछले तीन दिनों में दोनों पक्षों की ओर से हमलों और जवाबी हमलों के बीच यह संघर्ष काफी बढ़ गया है।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल : युद्ध के सातवें दिन शुक्रवार को भी इजरायल के लड़ाकू विमान मंडराते रहे। समंदर में हजारों तेल के जहाज फंसे हुए हैं। इनमें 36 जहाज भारत के भी हैं। ऐसे में तेल की आपूर्ति में बड़ी बाधा उत्पन्न हुई है। कतर के ऊर्जा मंत्री साद अल-काबी ने चेतावनी दी कि यह युद्ध वैश्विक अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है और खाड़ी क्षेत्र से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने पर तेल की कीमत 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। शुक्रवार को अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत दो वर्षों में पहली बार 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई। ईरान की राजधानी तेहरान में शनिवार तड़के कई विस्फोट हुए, जिनसे आसमान में काले धुएं के गुबार उठते दिखाई दिए। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल की ओर मिसाइलें दागीं। इस बीच अमेरिका ने चेतावनी दी कि जल्द ही बड़े पैमाने पर बमबारी अभियान शुरू किया जा सकता है, जिसे अधिकारी सप्ताह भर से जारी संघर्ष का अब तक का सबसे तीव्र हमला बता रहे हैं। क्षेत्र में लड़ाई खत्म होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने इज़राइल को 15.1 करोड़ डॉलर के नए हथियारों की बिक्री को मंजूरी दे दी। ट्रंप ने कहा कि ईरान के ''बिना शर्त आत्मसमर्पण'' करने तक उससे कोई बातचीत नहीं होगी। वहीं, संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत ने कहा कि देश अपनी रक्षा के लिए ''हर जरूरी कदम'' उठाएगा।

विश्व कप के दौरान मेक्सिको में रहेगी कड़ी सुरक्षा: राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम

मेक्सिको सिटी , एजेंसी। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने शनिवार को कहा कि मेक्सिको इस साल के फीफा विश्व कप के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए करीब 100,000 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती करेगा। शीनबाम ने जलिस्को राज्य की राजधानी ग्वाडलहारा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'जैसा कि आप देख सकते हैं, हम विश्व कप के लिए तैयार हैं।

उन्होंने कहा, 'हम यहां जलिस्को के सभी लोगों को यह बताने आए हैं कि हम एक साथ हैं। हम इस खूबसूरत राज्य के लोगों की शांति, सुरक्षा और भलाई के लिए काम कर रहे हैं। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह

घोषणा पिछले महीने एक आर्मी ऑपरेशन में कार्टेल लीडर नेमेसियो ओसेगुएरा सर्वेंटेस की मौत के बाद देश भर में हिंसा में हुई बढ़ोतरी के बाद की गई है। 22 फरवरी को एल मेंचो की मौत के बाद, जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल, जिसका वह कभी नेतृत्व करता था, ने मैक्सिकन सेना के साथ गोलीबारी की, सड़कें जाम कीं और गाड़ियों में आग लगा दी। ग्वाडलहारा में 12,000 से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। सुरक्षा योजना में निजी सुरक्षा कंपनियों के सदस्यों के अलावा 20,000 सैनिक और 55,000 पुलिस अधिकारी शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक उन्हें 2,500 मिलिट्री और सिविलियन गाड़ियों, 24 एयरक्राफ्ट, एंटी-ड्रोन सिस्टम और दूसरी चीजों का पता लगाने के लिए प्रशिक्षित कुत्तों से मदद मिलेगी।

मेक्सिको के मिलिट्री ऑफिसर जनरल रोमन विलाल्वाजो को सुरक्षा कार्यों को संभालने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने कहा, 'पहली चुनौती अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने एक भरोसेमंद, सुरक्षित और अच्छी तरह से व्यवस्थित मेक्सिको को पेश करना है। दूसरा यह है कि मैक्सिकन सरकार में उन विरोधों का सामना करने की क्षमता हो जो राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं।' विल्लाल्वाजो ने कहा कि मैक्सिकन सुरक्षा बलों ने जनवरी में खास ट्रेनिंग शुरू कर दी है, और आने वाले सप्ताह में इसके और तेज होने की योजना है।

मेक्सिको 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका और कनाडा के साथ विश्व कप की सहमेजबानी करेगा। मेक्सिको में 13 मैच खेले जाने हैं जिसमें- पांच मेक्सिको सिटी में, चार ग्वाडलहारा में और चार मॉन्टेरी में आयोजित होंगे। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने पिछले सप्ताह कहा था कि उन्हें टूर्नामेंट की मेजबानी करने की मैक्सिको की क्षमता पर पूरा भरोसा है।

पाकिस्तान में शिया प्रदर्शनकारियों पर सेना की गोलीबारी: 38 की मौत

स्कार्दू , एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगिट-बाल्टिस्तान के सबसे बड़े शहर स्कार्दू में भीषण हिंसा भड़क उठी। पहली मार्च को शुरू हुए विरोध-प्रदर्शनों के दौरान पाकिस्तानी सेना व अर्द्धसैन्य बलों की गोलीबारी में बाल्टी-शिया समुदाय के 38 लोगों की मौत हो गई। बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। इससे क्रोधित प्रदर्शनकारियों ने सैन्य प्रतिष्ठानों व सरकारी दफ्तरों में तोड़फोड़ की और आग के हवाले कर दिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने कई इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया है। सूत्रों के मुताबिक, शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर सुरक्षा बलों की कार्रवाई के बाद हिंसा भड़की। शुरुआती झड़पों के बाद 13 लोगों के मारे जाने की सूचना आई थी, लेकिन बाद में घायलों की मौत के कारण मृतकों की संख्या बढ़कर 38 तक पहुंच गई। इससे गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने कई सरकारी और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। कई शहरों में रैली, अमेरिकी दूतावास ने जारी किया अलर्ट अमेरिकी-इस्राइली हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला अली खामनेई की मौत की निंदा करते हुए अल्पसंख्यक शिया समुदाय के लोगों ने शुक्रवार को राजधानी इस्लामाबाद समेत देश के कई हिस्सों में रैलियां निकालीं। इसे देखते हुए पाकिस्तान स्थित अमेरिकी दूतावास ने परामर्श जारी करते हुए अपने नागरिकों को संभावित हिंसा के प्रति सतर्क किया है।

अमेरिकी दूतावास ने अपने लोगों को दी सलाह : दूतावास ने अमेरिकी नागरिकों को हिंसा प्रभावित बलोचिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा व पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की तरफ नहीं जाने की सलाह दी है। इस्लामाबाद में भारी सुरक्षा के बीच 300 से अधिक प्रदर्शनकारी खामनेई के पोस्टर के साथ धरने पर बैठे। वे लोग अमेरिका की मौत हो, सुन्नी समुदाय के लोगों ने अलग से धरना दिया। पाकिस्तान की आबादी में शिया मुसलमानों की हिस्सेदारी 15 प्रतिशत है।

संचार संस्थान भी आग के हवाले : स्कार्दू और आसपास के इलाकों में पाकिस्तानी सेना से जुड़े कार्यालयों, आवासीय परिसरों और अन्य सरकारी इमारतों में आग लगा दी गई। इनमें स्कार्दू ब्रिगेड के कमांडर का आवास, पाकिस्तानी नॉर्दर्न लाइट इन्फैंट्री के ऑफिस व आवासीय परिसर, आर्मी पब्लिक स्कूल, पुलिस अधीक्षक और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के कार्यालय, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क और ग्रीन टूरिज्म कार्यालय शामिल है।

ट्रंप की हत्या की साजिश करने वाला पाकिस्तानी व्यक्ति दोषी करार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क में एक पाकिस्तानी व्यक्ति को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य नेताओं की हत्या की साजिश रचने का दोषी पाया गया है। इस व्यक्ति के संबंध ईरान से हैं। उसने यह साजिश ईरानी कमांडर कासिम सुलेमानी की मौत का बदला लेने के लिए रची थी। सुलेमानी की मौत साल 2020 में एक अमेरिकी हमले में हुई थी।

मामले में 48 साल के आसिफ रजा मर्चेंट को शुक्रवार को ब्रुकलिन की अदालत में दोषी ठहराया गया। एक फेडरल जूरी ने उसे भाड़े पर हत्या करने और आतंकवाद फैलाने की कोशिश का अपराधी माना। मर्चेंट को अब उम्रकैद की सजा हो सकती है। अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पामेला बोंडी ने बताया कि मर्चेंट खास तौर पर ट्रंप को मारने के इरादे से अमेरिका आया था।

आईआरजीसी से मिला दोषी का लिंक : अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, मर्चेंट 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' (आईआरजीसी) का एक प्रशिक्षित एजेंट था। उसने अदालत में माना कि साल 2024 में आईआरजीसी ने उसे राजनीतिक हत्याओं का इंतजाम करने के लिए अमेरिका भेजा था। उसके निशाने पर ट्रंप के अलावा पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और निक्की हेली भी हो सकते थे। मर्चेंट ने स्वीकार किया कि उसका मुख्य लक्ष्य ट्रंप ही थे। मर्चेंट अप्रैल 2024 में अमेरिका पहुंचा था। जून में वह कुछ लोगों से मिला जिन्हें वह हत्यारा समझ रहा था। असल में वे न्यूयॉर्क पुलिस के अंडरकवर अधिकारी थे। जुलाई 2024 में देश छोड़ने से पहले ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पामेला बोंडी ने कहा कि यह आदमी ट्रंप को मारने की उम्मीद में आया था, लेकिन उसका सामना अमेरिकी कानून की ताकत से हुआ।

एफबीआई ने क्या कहा : एफबीआई के अनुसार, मर्चेंट ने ईरानी शासन के कहने

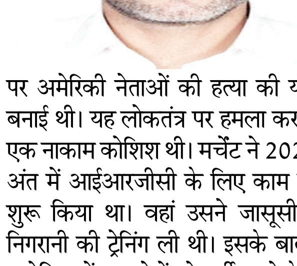

पर अमेरिकी नेताओं की हत्या की योजना बनाई थी। यह लोकतंत्र पर हमला करने की एक नाकाम कोशिश थी। मर्चेंट ने 2022 के अंत में आईआरजीसी के लिए काम करना शुरू किया था। वहां उसने जासूसी और निगरानी की ट्रेनिंग ली थी। इसके बाद उसे अमेरिका में नए लोगों को भर्ती करने के लिए भेजा गया। मर्चेंट ने गवाही दी कि उसे सुलेमानी की मौत का बदला लेने का काम सौंपा गया था। इसके लिए उसने न्यूयॉर्क में एक परिचित से संपर्क किया। उस व्यक्ति ने पुलिस को इसकी जानकारी दे दी और वह गवाह बन गया। जून 2024 में मर्चेंट ने उस गवाह को बताया कि उसके पास हत्या का एक मौका है। उसने हाथ से बंदूक का इशारा करके अपनी योजना समझाई। मर्चेंट ने अंडरकवर अधिकारियों से तीन काम करने को कहा, जिसमें दस्तावेज चोरी करना, रैलियों में विरोध प्रदर्शन करना और एक बड़े नेता को मारना शामिल था। उसने रैलियों की सुरक्षा के बारे में अपने ईरानी हैंडलर को रिपोर्ट भी भेजी थी। उसने हत्या के लिए 5,000 डॉलर का एडवांस पेमेंट भी किया। 21 जून को पैसे देते समय उसने अधिकारियों से कहा कि अब वे इस काम के लिए साथ हैं। इसके बाद उसने अमेरिका से भागने की तैयारी की, लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया। मर्चेंट ने माना कि वह जानता था कि आईआरजीसी एक आतंकी संगठन है। वह अपने हैंडलर से मिलने कई बार ईरान भी गया था। अदालत के दस्तावेजों और ट्रायल के दौरान दी गई गवाही के अनुसार, आसिफ मर्चेंट ने 2022 के अंत या 2023 की शुरुआत में पाकिस्तान में रहकर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के लिए काम करना शुरू किया था। इसी अवधि में उसे 'ट्रेडक्राफ्ट' (जासूसी और खुफिया काम करने के तरीके) का विशेष प्रशिक्षण दिया गया था, जिसमें काउंटर-सर्विलांस (निगरानी या खुफिया एजेंसियों से बचने की तकनीक) की ट्रेनिंग मुख्य रूप से शामिल थी। मर्चेंट ने अदालत में यह भी स्वीकार किया कि उसे इस बात की पूरी जानकारी थी कि आईआरजीसी एक घोषित आतंकी संगठन है। इस ट्रेनिंग को पूरा करने के बाद, 2023 में उसे ऐसे संभावित आईआरजीसी रंगरूटों की तलाश करने के लिए अमेरिका भेजा गया था, जो वहां रहकर संगठन के लिए काम कर सकें। इसके अलावा, इस पूरी अवधि के दौरान मर्चेंट अपने आईआरजीसी हैंडलर से मिलने और निर्देश प्राप्त करने के लिए बार-बार ईरान की यात्रा भी करता रहा था।

लहर-लहर लहराए लहरिया

रिमझिम सावन में छटा बिखेरते लहरिए देख मनमस्त हुआ जाता है।

सावन का महीना आते ही याद आते हैं रिमझिम बूंदों के बीच झूलों पर गूंजते मल्हार, मुंह में मिठास घोलते घेवर और चटख रंगों में छटा बिखेरते लहरिए। लहर जैसी डिजाइन यानी लहरिए। ये लहरें पानी की लहरों का प्रतिनिधित्व करती हैं।

तीज के अवसर पर तो लहरिए की अहमियत और भी बढ जाती है। तीज से एक दिन पहले नवविवाहिताओं के लिए ससुराल से लहरिया भेजा जाता है, जिसे तीज पर पहन कर वे अपने सुखद भविष्य के लिए मंगल कामना करती हैं। लहरिया सुहाग का प्रतीक माना जाता है। समय के साथ-साथ इसमें डिजाइन, रंग और पैटर्न में बदलाव आते रहे हैं। सावन के आगमन के साथ ही बाजार में 150 से लेकर 5000 रूपए तक के लहरियों की छटा छा चुकी है। इस समय बाजार में मुख्यत: तीन प्रकार के लहरिए मिल रहे हैं-

सिंथेटिक मैटेरियल के लहरिए

यदि आप सावन में लहरिए का पूरा आनंद लेना चाहती हैं, तो सिंथेटिक मैटेरियल में विभिन्न रंगों और डिजाइनों के लहरिए उपलब्ध हैं। इन्हें पहन आप बेफिक्र होकर झमाझम बारिश में नहाने का लुत्फ भी उठा सकती हैं। ये 150 रूपए से शुरू होते हैं और सितारों और हल्के जरी वर्क के साथ 500 रूपए तक में आसानी से मिल जाते हैं।

प्योर मैटेरियल के प्लेन लहरिए

सोबर लुक पसंद करने वाली महिलाओं के लिए ये लहरिए अच्छा विकल्प हैं। प्योर जॉर्जेट या शिफॉन के ये लहरिए कामकाजी महिलाओं के लिए भी एकदम उपयुक्त हैं। आधुनिकता और पारंपरिकता के मेल वाले इन लहरियों की कीमत है 800 से लेकर 1200 रूपए तक।

हैवी वर्क वाले मल्टी कलर लहरिए

लहरिए को दो या अधिक रंगों में स्टोन, गोटा पत्ती, जरदोजी, मोती, रेशम आदि वर्क कर उन्हें हैवी लुक दिया जाता है। इन्हें सावन के अलावा पार्टीवियर साडी के रू प में कभी भी पहना जा सकता है।

वैसे तो पारंपरिक रूप से लाल, हरे, रानी रंग के लहरिए मिलते हैं, पर अब काले, नीले जैसे रंगों में भी उपलब्ध हैं, जो आपको देते हैं एक डिफरेंट लुक। 1500 से शुरू होकर 5000 रूपए तक में आप मनचाहा लहरिया ले सकती हैं।

दोरंगी ढोकला

सामग्री: 300 ग्राम चावल, 100 ग्राम उड़द दाल, 20 ग्राम साबुत जीरा, 100 ग्राम शक्कर, 3 टीस्पून खानेवाला सोडा, 3 टीस्पून तेल, 3 टीस्पून अदरक-मिर्ची का पेस्ट, 1 कप दही, 1 कप टोमैटो केचअप, आधा टीस्पून हल्दी पाउडर, 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, नमक स्वादानुसार।

विधि: सबसे पहले चावल और दाल को धोकर दो घंटे पानी में भिगो दें। बाद में मिक्सर में बारीक पीसकर उसमें साबुत जीरा, तेल, शक्कर, अदरक-हरी मिर्ची पेस्ट, दही, नमक और सोडा डालकर अच्छी तरह मिला लें।

इसे घोल को दो बराबर हिस्सों में बांट दें। एक हिस्से को ट्रे में आधा डालकर स्टीम करें। 15 मिनट बाद भाप से निकाल लें। दूसरे घोल में टोमैटो केचअप, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और गरम मसाला मिक्स करें और उसी ट्रे में डाल दें। 15 मिनट तक स्टीम करें। दोरंगी ढोकला तैयार है।

कम खर्च में चोखी रंगत

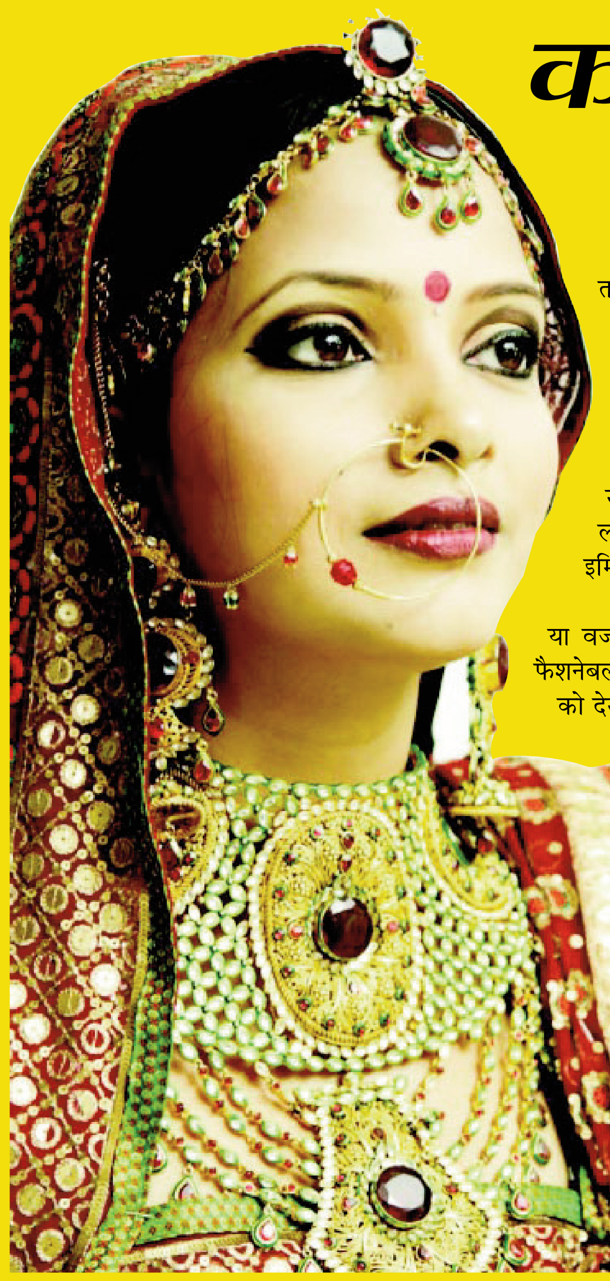

बात जब सजने-संवरने की हो, तो सोने के गहनों का कोई विकल्प नहीं हो सकता। लेकिन मंदी का दौर और सोने के आसमान छूते दाम.....ख्वाहिशें यूं ही दम तोडने लगती हैं। जाहिर है कि सोने की भारी-भरकम ज्वैलरी पहनने का जमाना अब गुजर चुका है। ऐसे में अगर कम खर्च में ही 'सोना कितना सोणा है' वाली बात हो जाए, तो कैसा रहे मतलब दाम कम, लेकिन रंगत वही। लीजिए, हाजिर है लाइट वेट और इमिटेशन ज्वैलरी। यानी आधुनिक महिलाओं का नया फैशन स्टेटमेंट!

कहावत है कि जब तक धरती पर महिलाएं हैं, तब तक ज्वैलरी की मांग खत्म नहीं हो सकती। सच है, चाहे दुनिया भर में मंदी का माहौल हो, पर ज्वैलरी की शौकीन महिलाएं ज्वैलरी खरीदना नहीं भूल सकतीं। इसकी मांग में कमी आ सकती है, पर अब महिलाओं ने इसका भी विकल्प खोज लिया है। आजकल महिलाओं के बीच लाइट वैट ज्वैलरी, सिल्वर ज्वैलरी और इमिटेशन ज्वैलरी छाई हुई है।

महिलाएं चाहती हैं कि आभूषण की कीमत या वजन चाहे कम हो, लेकिन दिखने में ये फैशनेबल और साइज में बडे हों। जाहिर है, मांग को देखते हुए ज्वैलर्स भी पारंपरिक ज्वैलरी के स्थान पर कम वजन की सस्ती ज्वैलरी की ओर रूख कर रहे हैं। उनके पास लाखों रूपए से लेकर कुछ हजार रूपए क ` आभूषणों का विकल्प मौजूद है। बाजार में कम कीमत में सभी तरह के आभूषण जैसे हार, चूडियां, अंगूठी, टॉप्स, झुमके, ब्रेसलेट, पायल, मंगलसूत्र उपलब्ध हैं।

विकल्प मौजूद हैं

सस्ती ज्वैलरी की डिमांड के चलते बडी संख्या में ज्वैलरों ने सोने के विकल्प के रूप में चांदी की ज्वैलरी पर भी अपना ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है। शहरों में सिल्वर-डायमंड सैट, चांदी की पायजेब, अंगूठी, बिछिया जैसे आभूषणों की काफी मांग है। अब चांदी के आभूषण भी फैशन में आ चुके हैं।

आभूषणों में लगाए जाने वाले प्राकृतिक रंगीन रत्नों के विकल्प के रूप में 'मेन मेड सिंथेटिक रत्न' भी उपलब्ध हैं। बाजार में सिंथेटिक रत्न प्राकृतिक रत्न की तुलना में 80:20 के अनुपात में खरीदे जाते हैं। गहनों की शौकीन गृहिणी सुधा शर्मा कहती हैं, 'मुझे तो सुंदर डिजाइन और बडे आकार की ज्वैलरी चाहिए। कीमत की बजाय ज्वैलरी की लुकिंग को तरजीह देती हूं। साथ ही मैचिंग ज्वैलरी भी हो जाती है।'

इमिटेशन ज्वैलरी का दौर

बाजार में एक ग्राम और सोने की पॉलिश वाली ज्वैलरी के प्रति भी महिलाओं का खासा झुकाव है। कम कीमत की होने के कारण महिलाएं इन्हें फैशन ज्वैलरी के रूप में भी अपना रही है।

बढ़ते अपराध और जोखिम के चलते अधिक टिकाऊ नहीं होने के बावजूद इस ज्वैलरी का उपयोग न केवल मध्यम वर्ग, बल्कि उच्च वर्ग में भी बढ़ रहा है। कम लागत होने के कारण इनके खोने और चोरी होने का भी डर नहीं, इसलिए इनकी मांग बढ़ रही है। देश में इमिटेशन ज्वैलरी के बाजार का आकार करीब एक हजार करोड रूपए का है।

एक सरकारी स्कूल में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत मालती जैन का कहना है कि आज ज्वैलरी में कीमत की बजाय लैटेस्ट फैशन ज्यादा देखा जा रहा है। अब भारी-भरकम ज्वैलरी को संभालने का झंझट कौन करे, अगर खो जाए तो मुश्किल। एक महंगे हार की कीमत में आज मैं दस मैचिंग हार खरीद सकती हूं। यह सब इमिटेशन ज्वैलरी का कमाल ही तो है।

फैशन ज्वैलरी में दिलचस्पी

ज्वैलर बताते हैं कि ज्वैलरी की कीमत, पहनने और रख-रखाव के झंझट के चलते लड़कियां कम कीमत की फैशन ज्वैलरी में ही रूचि दिखा रही हैं। यूं सोने की ज्वैलरी की बाजार में ज्यादा मांग नहीं है। थोडी-बहुत मांग शादी-त्योहार के अवसर पर होने वाली अनिवार्य खरीद से बनी हुई है। अब सोने की ज्वैलरी खरीदने वाले ग्राहक या तो पुराना सोना वापस ज्वैलर को बेच कर खरीद कर रहे हैं या फिर सोने के जेवर का दूसरा विकल्प खोजा जा रहा है।

हमारे देश में 23, 22 और 18 कैरेट के सोने का सर्वाधिक प्रचलन है। जबकि विदेशों में 8 कैरेट सोने के आभूषणों का भी प्रचलन है। साफबात है कि कम कैरेट के सोने का उपयोग करने का असर आभूषण की कीमत पर भी आता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2013

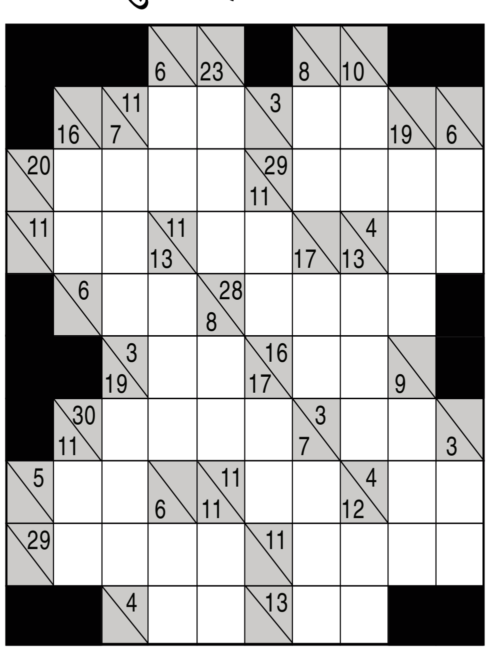

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

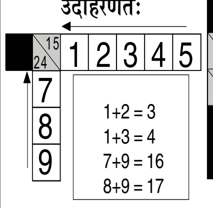

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2012 का हल

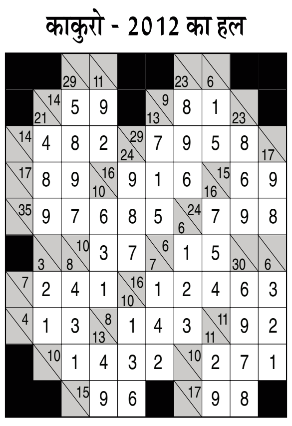

लॉफिंग जौन

एक प्रेमी ने सोचा कि प्रेमिका से विवाह का प्रस्ताव नए अंदाज में किया जाए।

एक दिन प्रेमिका से मुलाकात होने पर उसने कहा- प्रिये! मैं स्वयं को तुम्हें भेंट करना चाहता हूँ।

प्रेमिका ने बुरा सा मुँह बनाकर कहा- मुझे घटिया तोहफे लेने की आदत नहीं हैं।

□ □ □

वकील ने खूबसूरत युवती से पूछा- परसों रात तुम कहाँ थी?

युवती- अपने पड़ोसी के साथ रेस्त्राँ गई थी।

वकील ने दूसरा सवाल पूछा- और कल रात?

युवती- मेरे एक दूसरे पड़ोसी के साथ।

वकील ने धीरे से पूछा- और आज का तुम्हारा क्या कार्यक्रम है?

दूसरा वकील चिल्लाया- ऑब्जेक्शन मी लॉर्ड! यह सवाल मैंने पहले ही कर लिया है।

□ □ □

पति, पत्नी से- कल रात मैंने एक बहुत बुरा सपना देखा। मैंने देखा कि मैं सुंदर लड़कियों के झुँड में मौजूद हूँ।

पत्नी- तो यह सपना बुरा कैसे हुआ?

पति बोला- क्योंकि सपने में मैं खुद भी तो एक लड़की ही था।

फिल्म वर्ग पहेली- 2013

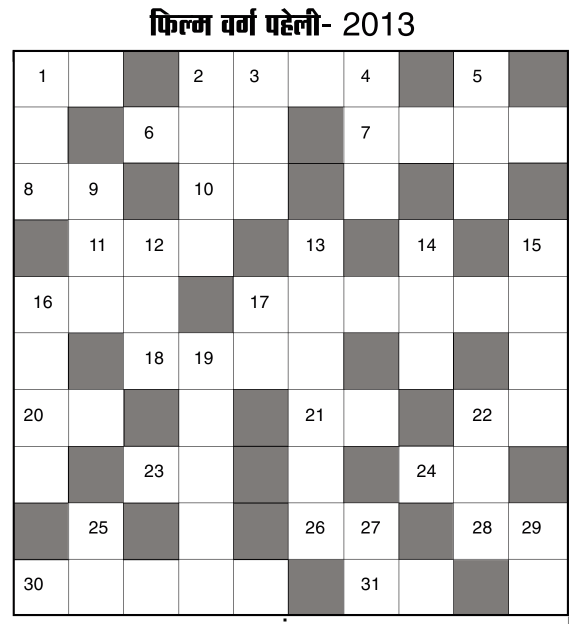

बायें से दायें:-

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'मैं ने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-२
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था?-३
१६. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने बरस की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, जेबा की 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान. रेवती की 'आजा गिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०.'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, राजश्री की ' ना ये जमीं थी ना आसमाँ' गीत वाली फिल्म-३
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, टिवंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'रू तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. संजयदत्त, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. नाना, पुरू, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2012

का	ला	प	त्थ	र		को	ह	रा	
र		ड़ो		क्ष	त्रि	य		ही	रा
वाँ		स	ड़	क		ला	वा		खी
	जा	न			ज		दा	दा	
दि	ल		ख	ट्टा	मी	ठा		मि	ली
व्या		खे	ल		र		स	नी	
	प		ना	ना		डॉ	न		डो
प	रि	च	य		सु		म	वा	ली
	वा		क	सू	र			रि	
पा	र	स		र्या		वि	रा	स	त

सूडोकु -2013

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2012 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

शब्द पहेली - 2013

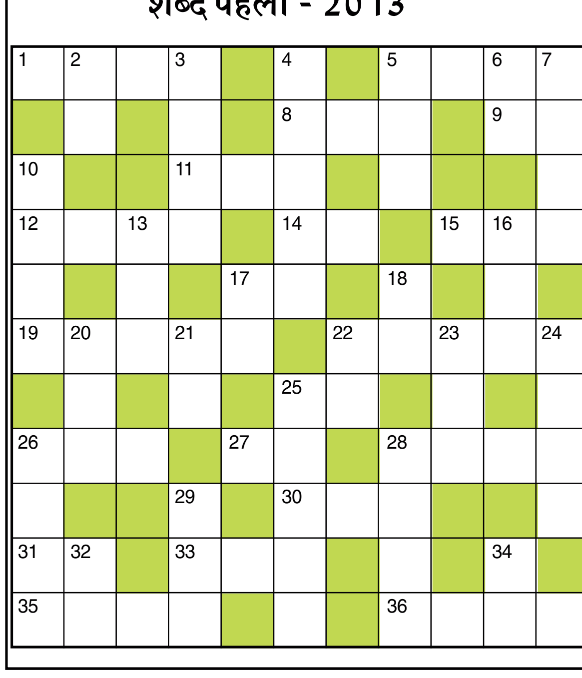

बाएँ से दाएँ

1.उथल-पुथल, कोलाहल-4
5.अस्पताल-4
8.पक्षाघात-3
9.मिट्टी, धूल-2
11.पुष्प, फूल, सुमन-3
12.बुरे कार्य करनेवाला-4
14.जादू, तंत्र-मंत्र-2
15.सौत, सपत्नी-3
17.साड़ी के किनारे पर लगाया जानेवाला लंबा कपड़ा-2
19.नगर में रहनेवाले-5
22.गणपति, गणेश-5
25.बागवान-2
26.जुदा, पृथक्-3
27.जी, इच्छा-2
28.पहरेदार-4
30.सिसकना-3
31.रहस्य-2
33.सोना,धतूरा-3
35.हृदयगति, स्पंदन-4
36.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान की मां का किरदार निभानेवाली अभिनेत्री-2,2

ऊपर से नीचे

2.उद्देश्य,गंतव्य-2
3.राम-सीता के पुत्र-2,2
4.टालना-2,3
5.स्याही रखने का पात्र-3
6.क्षार-2
7.सुंदरी (उर्दू-4)
10.जबरदस्ती-4
13.होशियार-3
16.पुत्र,बेटा-3
17.रस्सी के फंदे पर लटकाना-2
18.जान,जीवन-2
20.जहर, विष-3
21.अदालत में प्रस्तुत वाद-2
22.छोटा रास्ता, कूचा-2
23.अपवित्रता (उर्दू-3)
24.पक्षियों का शोर-4
25.मानसिक सोच-5
26.गुनाह,जुर्म-4
28.रखवाली करना-4
29.मुर्गा-3
32.मूल, पेड़ का वह हिस्सा जो जमीन में रहता है-2
34.आमिर खान, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2

शब्द पहेली -2012 का हल

	त	था	क	थि	त		क	या	म	त
ना	प		ह		र	का	बी		त	र
मु		त	वा	य	फ		ला	वा		खा
ना	पा	क			दा	नी		दा	म	न
सि		दी		प	र		सा		हि	
ब	ह	र	हा	ल		नि	रा	ला	प	न
	र		नि		आ	शा		ज		ज
अ	म	र		अ	तं			वा	न	र
मा		मा	न		क	र	त	ब		बं
न	या		ज	ल	वा		ना		क	द
त	क	दी	र		द	शा	व	ता	र	

तेलंगाना में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं, माओवादी मुख्यधारा में आएं : रेवंत रेड्डी

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य की धरती पर हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है और समस्याओं का समाधान बातचीत तथा लोकतांत्रिक तरीके से ही संभव है। उन्होंने माओवादियों से अपील की कि वे हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हों और जनता की समस्याओं को लोकतांत्रिक तरीके से सरकार तक पहुंचाएं। मुख्यमंत्री ने यह बातें हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित कमांड कंट्रोल सेंटर में मीडिया से बातचीत के दौरान कहीं। इसी अवसर पर उनकी मौजूदगी में 130 माओवादियों ने राज्य सरकार के समक्ष आत्मसमर्पण किया। मुख्यमंत्री ने राज्य पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि शांति बहाली के लिए पुलिस ने लगातार मेहनत की है, जिसका परिणाम है कि बड़ी संख्या में माओवादी आत्मसमर्पण कर रहे हैं और उनमें सरकार के प्रति भरोसा बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का इतिहास अहिंसक संघर्ष का रहा है। उन्होंने महात्मा गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि गांधीजी ने भी कहा था कि हिंसा और हथियारों के जरिए समस्याओं का समाधान संभव नहीं है। आज परमाणु हथियार संपन्न देश भी अपने विवादों को बातचीत के माध्यम से सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं।

हरियाणा के सफीदों की रंग फैक्टरी में भीषण आग, चार महिलाओं की मौत, 13 मजदूर झुलसे

जींद। हरियाणा के जींद जिले के सफीदों के भाट कॉलोनी स्थित होली रंग बनाने वाली फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग में चार महिलाओं की जलकर मौत हो गई और 13 मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए।घटना की सूचना मिलने पर डीसी, एसपी, पुलिस, फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंचे और घायलों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने फैक्टरी मालिक सहित पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। सफीदों स्थित भाट कॉलोनी में रंग फैक्टरी में भी आम दिनों की तरह मजदूर काम कर रहे थे। अचानक आग भड़क उठी और कुछ ही मिनटों में पूरे परिसर में फैल गई। चारों ओर धुआं और आग की लपटें उठने के कारण मजदूरों के बीच चीख पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलने पर डीसी मोहम्मद इमरान रजा, एसपी कुलदीप सिंह मौके पर पहुंचे और बचाव व राहत कार्यों का जायजा लिया। हादसे में चार महिलाएं छत से कूद कर जान को बचा सकी। जबकि गांव सिंघपुरा निवासी पिंकी (51), वार्ड नौ निवासी गुड्डी (50), डिग्गी मोहल्ला निवासी पूजा (40), आदर्श कालोनी निवासी ऊषा (45) की मौत हो गई। इस हादसे में 13 मजदूर घायल हो गए। फैक्टरी में आग के बीच से निकाले गए मजदूरों को जींद तथा सफीदों के अस्पताल में लाया गया है। कुछ ही देर में यहां लोगों की भारी भीड़ जुट गई।

डिजिटल पंजीयन में मध्य प्रदेश ने रचा इतिहास, हर साल 16 लाख दस्तावेजों का होता है ई-रजिस्ट्रेशन

भोपाल। मध्य प्रदेश ने डिजिटल पंजीयन में इतिहास रच दिया है। प्रदेश में प्रतिवर्ष लगभग 16 लाख दस्तावेजों का पंजीयन किया जाता है, जिससे 11 हजार करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त होता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जानकारी देते हुए बताया बताया कि मध्य प्रदेश में पंजीयन प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने संपदा 2.0 प्रणाली से दस्तावेजों का पूर्णतः पेपरलेस ई-पंजीयन शुरू किया है। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक तकनीक पर आधारित यह व्यवस्था नागरिकों को त्वरित सेवाएं देने के साथ-साथ प्रशासन में पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित करेगी। पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग राज्य के प्रमुख राजस्व अर्जित करने वाले विभागों में शामिल है। विभाग की वेब आधारित संपदा प्रणाली के माध्यम से ई-पंजीयन और ई-स्टाम्पिंग की सुविधा प्रदान कर पूरी प्रक्रिया को एंड-टू-एंड इलेक्ट्रॉनिक बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संपदा 2.0 के माध्यम से दस्तावेजों का पूर्णतः पेपरलेस और डिजिटल पंजीयन संभव हुआ है और यह व्यवस्था लागू करने वाला मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है। इस प्रणाली में कोई भी व्यक्ति कहीं से भी ई-स्टाम्प तैयार कर सकता है। साथ ही संपत्ति की पहचान भू-अभिलेख और नगरीय प्रशासन के डेटाबेस से की जाती है तथा संपत्ति की जियो-टैगिंग भी की जाती है, जिससे संपत्ति संबंधी विवादों में कमी आएगी।

महिलाओं की गरिमा की रक्षा के लिए सख्त कानून, त्वरित न्याय की ज़रूरतः जमात-ए-इस्लामी

नई दिल्ली। जमात-ए-इस्लामी हिंद के अध्यक्ष सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने महिलाओं की गरिमा, बढ़ते आर्थिक संकट और पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष से जुड़ी चुनौतियों पर गहरी चिंता जताई। हुसैनी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) के उपलक्ष्य में जमात मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हालांकि यह दिन महिलाओं की कामयाबियों और योगदान का जश्न मनाने के लिए है लेकिन महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हमें याद दिलाते हैं कि सुरक्षा, सम्मान एवं समान अवसर के लिए संघर्ष अभी पूरी नहीं हुई है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार केवल 2022 में भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 4.45 लाख से ज़्यादा मामले दर्ज किए गए। इनमें बलात्कार, यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, हैरेसमेंट, तस्करी और पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के मामले शामिल हैं। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि उस वर्ष 31,000 से ज़्यादा रेप केस रिकॉर्ड किए गए अर्थात प्रतिदिन लगभग 85 रेप केस रिपोर्ट हुए। महिलाओं के खिलाफ होने वाले सभी अपराधों में से एक-तिहाई से ज़्यादा मामले सिर्फ़ घरेलू हिंसा के हैं, जो दर्शाता है ।

हर्बल पाउडर के नाम पर विदेश भेजी जा रही ड्रग्स का भंडाफोड़, सूरत का व्यापारी गिरफ्तार

एजेंसी

सूरत। गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने प्रतिबंधित साइकोट्रॉपिक ड्रग्स एटोमिडेट को हर्बल और फार्मास्यूटिकल उत्पादों के नाम पर दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में अवैध रूप से भेजने वाले एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में सूरत के एक व्यापारी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। एटीएस को मिली पुख्ता सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। जांच में सामने आया कि सूरत के तीन व्यापारी मुंबई एयरपोर्ट के एयर कार्गो के जरिए मलेशिया और थाईलैंड में ड्रग्स भेज रहे थे। आरोपित कंसाइनमेंट पर एलोवेरा पाउडर, गिनोपोल-24 पाउडर और अन्य हर्बल उत्पादों के नकली लेबल लगाकर कस्टम अधिकारियों की नजर से बचने की कोशिश करते थे। इसके लिए फर्जी शिपिंग और कस्टम दस्तावेज भी तैयार किए जाते थे। जांच

में निकुंज हरेशभाई गढ़िया (28), चेतन कनुभाई वावड़िया (28) और भौतिक दामजीभाई पदमणी (32) के नाम सामने आए हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार निकुंज गढ़िया ने करीब 50 किलो एटोमिडेट पाउडर हर्बल पाउडर के नाम पर मलेशिया भेजा था जबकि चेतन वावड़िया ने करीब 50 किलो पाउडर 'गिनोपोल-24' के नाम से मलेशिया और थाईलैंड एक्सपोर्ट किया था। भौतिक पदमणी ने करीब 25 किलो ड्रग्स एलोवेरा पाउडर के रूप में विदेश भेजा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 4,000 से 5,000 डॉलर प्रति किलो बताई जा रही है। एटीएस ने मुंबई कस्टम्स और कूरियर कंपनी फेडेक्स की मदद से संदिग्ध कंसाइनमेंट को रोका। रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी टेस्ट में जब्त पाउडर के एटोमिडेट होने की पुष्टि हुई। पूछताछ में मलेशिया के ड्रग्स कार्टेल से जुड़े चुआ ज़ी जुआन नामक व्यक्ति से संपर्क होने की जानकारी भी सामने आई है। मामले में गिरफ्तार आरोपित को सूरत जिला अदालत में पेश किया गया, जहां एटीएस ने 10 दिन की पुलिस रिमांड की मांग की थी। हालांकि बचाव पक्ष के वकील केतन रेशमवाला ने अदालत में दलील दी कि जिस पाउडर का जिक्र किया गया है वह भारत में प्रतिबंधित नहीं है और इसकी खरीद-बिक्री तथा निर्यात पर कोई रोक नहीं है।

साहित्य अकादमी में 'लोक साहित्य में नारी चित्रण' विषय पर परिसंवाद

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित साहित्य अकादमी ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के एक दिन पूर्व यहां एकदिवसीय परिसंवाद का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का विषय 'लोक साहित्य में नारी चित्रण' था। इस अवसर पर मौजूद साहित्य अकादमी की कार्यक्रम अधिकारी मृगनयनी गुप्ता ने कहा कि लोक साहित्य केवल एक रचनात्मक अभिव्यक्ति नहीं है यह एक समुदाय की भावनात्मक आत्मकथा है। इसके गीतों कथाओं कहावतों रीतियों में हम नारी को माता बेटियों विद्रोहियों प्रेमिकाओं श्रमिकों देवियों और शोषितों के रूप में मिलते हैं।

पहले सत्र में लोक साहित्यकार प्रीति आर्या ने कुमाऊंनी लोकसाहित्य के बारे में बात करते हुए कहा कि लोकसाहित्य में आदिम परंपरा है, उसमें स्त्री-पुरुष का कोई भेद नहीं है। कुमाऊंनी अंचल में शिल्पकार वर्ग लोकसाहित्य के रचयिता हैं। वहां की स्त्री शुरू से ही सशक्त रही है। लोक में स्त्री किसी से कमतर नहीं है। प्रथम सत्र की अध्यक्षता लोक साहित्यकार सुगंधा नागर त्रिवेदी ने की। इस दौरान उन्होंने अपनी पुस्तक 'गुर्जरी लोकगीत' का जिक्र करते हुए कहा कि दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान की गुर्जर महिलाओं पर आधारित लोकगीतों के इस संकलन में आशादेवी गुर्जरी का नाम शामिल है जो ऐसी पहली गुर्जर महिला थीं जिन्हें 11 अन्य महिलाओं के साथ स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान फांसी की सज़ा दी गई। दूसरे सत्र में जोराम आनिया ताना ने निशिं जनजाति के बारे में बात करते हुए कहा कि हमारे लोकसाहित्य का अपना एक इतिहास है। अरुणाचल की पांच जनजातियां हैं लेकिन सबका मूल एक है।

गुजरात के चार महानगर पालिकाओं में प्रशासक शासन लागू, चार आईएएस अधिकारियों को जिम्मेदारी

एजेंसी

गांधीनगर। गुजरात में स्थानीय स्वराज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों का पांच साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद राज्य सरकार ने अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत और भावनगर महानगर पालिका में प्रशासकों की नियुक्ति कर दी है। सरकार की अधिसूचना के अनुसार अब इन महानगर पालिकाओं का संचालन प्रशासनिक अधिकारियों के माध्यम से किया जाएगा।

सरकार ने अनुभवी आईएएस अधिकारियों को इन नगर निगमों का प्रशासक नियुक्त किया है। आगामी महानगर पालिका के चुनाव होने तक सभी नीतिगत फैसले और प्रशासनिक कार्य इन्हीं प्रशासकों के अधीन रहेंगे। जानकारी के अनुसार राज्य की छह महानगर पालिका में 10 मार्च 2026 से प्रशासक शासन लागू किया जाएगा। सरकार ने प्रमुख महानगर पालिका में वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। अहमदाबाद महानगर पालिकाः शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव मुकेश कुमार को प्रशासक नियुक्त किया गया है। वडोदरा महानगर पालिका : जीयूवीएनएल की प्रबंध निदेशक शालिनी अग्रवाल को प्रशासनिक जि सूरत महानगर पालिकाः दक्षिण गुजरात के प्रमुख शहर सूरत में

अतिरिक्त मुख्य सचिव मिलिंद तोरवणे को प्रशासक बनाया गया है। भावनगर महानगर पालिकाः सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के सचिव हर्षद पटेल को प्रशासक का कार्यभार सौंपा गया है। बताया जा रहा है कि राजकोट और जामनगर महानगर पालिका में भी जल्द ही प्रशासकों की नियुक्ति की जा सकती है। उल्लेखनीय है कि इन सभी आईएएस अधिकारियों को संबंधित शहरों के प्रशासन का अनुभव है क्योंकि वे पहले यहां मनपा कमिश्नर के रूप में कार्य कर चुके हैं। महानगर पालिका में प्रशासक शासन लागू होने के बाद अब शहरों के विकास कार्य, लंबित परियोजनाएं और खासकर मानसून से पहले की तैयारियां सीधे प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में होंगी। ऐसे में लोगों की नजर अब इन परियोजनाओं की गति और प्रशासनिक फैसलों पर रहेगी।

खारे पानी को मीठा बनाने वाले संयंत्र ने बदली कवरत्ती द्वीप की तकदीर

एजेंसी

नई दिल्ली। कभी खारे कुएं का पानी पीने को मजबूर रहे लक्षद्वीप के लोगों के लिए अब हालात बदल चुके हैं। कवरत्ती द्वीप में स्थापित संयंत्रों की बदौलत अब लोगों के घरों तक साफ पेयजल पहुंच रहा है। लो टेंपरेचर थर्मल डिसेलिनेशन (एलटीटीडी) तकनीक का प्रयोग करके वहां खारे पानी को मीठा पानी बनाने की दिशा में तेजी से काम हुआ है। मीठा पानी की उपलब्धता बढ़ने से वहां के लोगों ने संतोष जाहिर किया है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कवरत्ती में एलटीटीडी प्लांट का दौरा कर शनिवार से स्थानीय लोगों से बात की।स्थानीय निवासी अब्दुल रहमान ने मंत्री से बातचीत में कहा कि पहले लोग घरों के पास बने छोटे कुओं का पानी पीते थे, जो अक्सर खारा होता था। अब हमारे इलाके में सभी लोग पीने के लिए डी-सैलिनेटेड पानी का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे मन की चिंता दूर हुई है। एक अन्य निवासी वालिया बी ने बताया कि पहले रोज कुएं से पानी लाकर घर तक पहुंचाना पड़ता था। अब नल के जरिए घर के पास ही साफ पानी मिलने लगा है। वालिया ने कहा कि जीवन में पहली बार ताजे पानी से

बनी चाय पीने का अनुभव भी इसी परियोजना के बाद मिला। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने बताया कि भविष्य में यहां ओशियन थर्मल एनर्जी कनवर्जन (ओटीईसी) परियोजना पर भी काम चल रहा है। इससे स्वच्छ बिजली उत्पादन के साथ-साथ ताजा पानी भी तैयार किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि लक्षद्वीप में लंबे समय से पेयजल की समस्या रही है क्योंकि भूमिगत मीठे पानी के स्रोत बहुत सीमित हैं। समुद्र के कारण पानी में खारापन आ जाता है । बारिश पर काफी निर्भरता रहती है। अब डी-सैलिनेशन परियोजनाएं द्वीपों के लिए स्थायी और भरोसेमंद पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएंगी। उल्लेखनीय है कि लो टेंपरेचर थर्मल डिसेलिनेशन (एलटीटीडी) एक ऐसी तकनीक है जो समुद्र की सतह के गर्म पानी और गहरी परत के ठंडे पानी (लगभग 8एसेलसियस के तापमान अंतर) का उपयोग करके खारे पानी को कम तापमान (कम ऊर्जा) पर वाष्पीकृत और संघनित करके पीने योग्य पानी में बदलती है।

राष्ट्रपति की टिप्पणी पर ममता का भाजपा पर हमला, बोलीं- राष्ट्रपति पद का इस्तेमाल कर बंगाल को बदनाम किया जा रहा

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नौवें अंतरराष्ट्रीय संताल सम्मेलन के आयोजन स्थल को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की नाराजगी के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा राष्ट्रपति के पद का इस्तेमाल कर पश्चिम बंगाल को बदनाम करने की कोशिश कर रही है।कोलकाता के एस्प्लेनेड ईस्ट में विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में चल रहे धरने के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान की गरिमा को जिस तरह से इस्तेमाल किया जा रहा है, वह शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रपति का पूरा सम्मान करती हैं, लेकिन उन्हें भाजपा की राजनीति और एजेंडा को आगे बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। ममता बनर्जी ने कहा, 'हम राष्ट्रपति का सम्मान करते हैं, लेकिन आज जिस तरह से उन्हें भाजपा की राजनीति को बढ़ावा देने के लिए

इस्तेमाल किया जा रहा है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। मुझे खेद है, मैडम, मुझे आपका बहुत सम्मान है, लेकिन आप भाजपा के जाल में फंस गई हैं। ' मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति द्वारा यह आरोप लगाया गया कि राज्य सरकार ने जानबूझकर अंतरराष्ट्रीय संताल सम्मेलन में लोगों को आने से रोकने के लिए छोटा स्थान दिया, यह पूरी तरह निराधार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह राज्य सरकार का कार्यक्रम नहीं था और सरकार को इसके आयोजन की जानकारी भी नहीं थी। उन्होंने कहा, 'यह राज्य सरकार का कार्यक्रम नहीं था। हमें केवल यह सूचना मिलती है कि राष्ट्रपति कब आएंगी और कब जाएंगी। हम अपनी ओर से व्यवस्थाएं करने की कोशिश करते हैं, लेकिन अगर कोई रोज आएगा तो हर बार हम कैसे मौजूद रह सकते हैं? हमारे पास भी अन्य काम हैं। '

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि वह राष्ट्रपति का स्वागत करने नहीं जा सकीं क्योंकि वह आम लोगों के हित में विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में आयोजित धरने में शामिल थीं। उन्होंने कहा, 'भाजपा के लिए राष्ट्रपति प्राथमिकता हो सकती हैं, लेकिन मेरी प्राथमिकता आम लोग हैं। ' ममता बनर्जी ने राष्ट्रपति पर भी साधा निशानाममता बनर्जी ने राज्य में आदिवासी समुदाय के विकास को लेकर राष्ट्रपति की टिप्पणी पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने सवाल किया कि जब मणिपुर में आदिवासी समुदाय के खिलाफ अत्याचार हो रहे थे, तब इस पर विरोध क्यों नहीं किया गया। उन्होंने कहा, 'जब दूसरे राज्यों में आदिवासियों पर अत्याचार होता है तो आप चुप रहते हैं। फिर पश्चिम बंगाल ही हमेशा निशाने पर क्यों रहता है? ' बाद में रात 10:00 के करीब एक ट्वीट में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सिलीगुड़ी में आयोजित नवम अंतरराष्ट्रीय आदिवासी संताल सम्मेलन में राष्ट्रपति के कार्यक्रम को लेकर राज्य प्रशासन की ओर से किसी प्रकार की प्रोटोकॉल चूक नहीं हुई है।

पश्चिम एशिया के सात देशों में 9 से 11 मार्च तक होने वाली सीबीएसई की 12वीं बोर्ड परीक्षाएं स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने पश्चिम एशिया के सात देशों में 9, 10 और 11 मार्च को आयोजित होने वाली कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं को स्थगित करने का निर्णय लिया है। बोर्ड ने क्षेत्र की मौजूदा परिस्थितियों की समीक्षा के बाद यह फैसला लिया है। सीबीएसई द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में स्थित संबद्ध स्कूलों में 9 मार्च (सोमवार), 10 मार्च (मंगलवार) और 11 मार्च (बुधवार) को निर्धारित कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाएं फिलहाल टाल दी गई हैं। इन परीक्षाओं की नई तिथियों की घोषणा बाद में की जाएगी। बोर्ड ने बताया कि यह निर्णय 1 मार्च, 3 मार्च और 5 मार्च को जारी किए गए पूर्व परिपत्रों की निरंतरता में लिया गया है। पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों की वर्तमान स्थिति की गंभीर समीक्षा के बाद छात्रों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए परीक्षाएं स्थगित की गई हैं। सीबीएसई ने कहा कि 10 मार्च को स्थिति की पुनः समीक्षा की जाएगी, जिसके बाद 12 मार्च से आगे निर्धारित परीक्षाओं के संबंध में उपयुक्त निर्णय लिया जाएगा। बोर्ड ने छात्रों से कहा कि वे नवीनतम जानकारी के लिए अपने-अपने विद्यालयों के संपर्क में रहें और केवल आधिकारिक घोषणाओं पर ही भरोसा करें। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक डॉ. संयम भारद्वाज द्वारा जारी इस परिपत्र की सूचना संबंधित देशों में भारतीय दूतावासों तथा दुबई स्थित सीबीएसई क्षेत्रीय कार्यालय को भी भेज दी गई है।

समाज की कुरीतियों का उन्मूलन शस्त्र से नहीं, प्रज्ञा से संभव : सुरेश सोनी

एजेंसी

हरिद्वार। देवसंस्कृति विश्वविद्यालय शांतिकुंज तथा वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ हिन्दू एकेडेमिशियंस (वाहा) के संयुक्त तत्वावधान में 'हिन्दुत्व से विकसित भारत' विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा देवसंस्कृति विश्वविद्यालय एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय सम्मेलन का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश सोनी ने कहा कि ऋग्वेद का मंत्र हमें 'मनुर्भव' अर्थात् मनुष्य बनने का संदेश देता है, जिससे समाज में दिव्यता का अवतरण संभव हो सके। उन्होंने कहा कि यदि समाज को सभ्य और सुसंस्कृत बनाना है, तो संस्कार और संस्कृति ही इसके मूल आधार हैं। श्री सोनी ने वर्तमान समय की सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन पर जोर देते हुए कहा कि इन्हें शस्त्र से नहीं, बल्कि प्रज्ञा और सद्ज्ञान के माध्यम से समाप्त किया जा सकता है।

स्वदेशी जागरण मंच की राष्ट्रीय परिषद् की दो दिवसीय बैठक आरम्भ

एजेंसी

जयपुर। जयपुर के प्रतापनगर स्थित वरमाला रिजोर्ट में स्वदेशी जागरण मंच की राष्ट्रीय परिषद् की दो दिवसीय महत्वपूर्ण बैठक का शुभारम्भ किया गया। बैठक का उद्घाटन राष्ट्रीय संयोजक आर. सुन्दरम एवं अखिल भारतीय संगठक कश्मीरी लाल द्वारा भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया। मंच पर देश के जाने-माने अर्थशास्त्री अश्विनी महाजन एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एस. भगैया की गरिमामय उपस्थिति रही। प्रांत संयोजक सुरेन्द्र नामा ने बताया कि उद्घाटन सत्र के पश्चात् उक्त राष्ट्रीय परिषद् के बैठक की प्रस्तावना मंच के अखिल भारतीय सहसंगठक सतीश कुमार ने रखी। सतीश कुमार ने विभिन्न आर्थिक विषयों को लेकर एवं देश में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा चलाये जा रहे अभियानों की बदौलत आज स्वावलंबी भारत अभियान, स्वदेशी शोध संस्थान, स्वर्णिम भारत फाउंडेशन एवं व्यापारिक जुटान आदि उभरते हुए आयामों की रूप-रेखा एवं उसे प्रभावी रूप दिये जाने बाबत् उक्त राष्ट्रीय परिषद का मंतव्य बैठक में भाग ले रहे संपूर्ण भारत के 450 जिलों के 425 प्रतिनिधियों के समक्ष रखा। राष्ट्रीय परिषद् की आज की बैठक में कुल 6 सत्र हुए, जिनमें आगामी समय में स्वदेशी विचार समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के लिए देशभर के कार्यक्रमों और अभियानों की रूप-रेखा तय किये जाने की चर्चा की गई। बैठक के प्रथम सत्र में मंच के राष्ट्रीय संयोजक आर. सुन्दरम्, द्वितीय सत्र में देशभर के 450 जिलों का वृत निवेदन लिया गया। तृतीय सत्र में एआई तकनीक के कारण से देश की आर्थिक उन्नति में होने वाले लाभ एवं खतरों के चर्चा के बाबत् देश के जाने-माने अर्थशास्त्री धनपत राय ने प्रतिनिधियों के समक्ष विषय का वर्णन किया तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक एस. भगैया ने तकनीक को मनुष्य के दिमाग का नियंत्रक नहीं मानकर उसका मानव एवं प्रकृति के उत्थान में उपयोग हो, पर अपना व्याख्यान दिया। चतुर्थ एवं छठे सत्र में स्वावलंबी भारत अभियान के अखिल भारतीय समन्वक भगवती प्रसाद ने भारत दुनिया में आत्मनिर्भरता के आधार पर स्वाभीमानी राष्ट्र बनें, चाहे वह रक्षा क्षेत्र हो या आर्थिक या चिकित्सक या कृषि विषय पर अपना व्याखान दिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वांतरंजन ने प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि संघ के 100 वर्ष पूरे हो गये किन्तु अभी भी राष्ट्र उत्थान के काम बहुत बाकी है, जिसमें नागरिक अनुशासन, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व का बोध तथा सामाजिक समरसता की बातें आचरण में लाकर देश को समृद्ध करें। स्वदेशी जागरण मंच के तत्व धाम में स्वदेशी स्वावलंबन भारत अभियान के तहत राष्ट्रीय बैठक में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक स्वदेशी स्वावलंबन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम ने अवलोकन किया।

कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का शिलान्यास, हाड़ौती क्षेत्र को मिलेगी विकास की नई उड़ान

एजेंसी

कोटा-बूंदी/जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोटा-बूंदी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट शिलान्यास समारोह को संबोधित किया। करीब 1507 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट हाड़ौती क्षेत्र कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ के विकास को नई गति देगा। उन्होंने कहा कि नवंबर 2023 में कोटा की जनता से किए गए एयरपोर्ट निर्माण के वादे को अब साकार किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी तक कोटा के लोगों को हवाई यात्रा के लिए जयपुर या जोधपुर जाना पड़ता था, जिससे समय और असुविधा दोनों बढ़ते थे। नए एयरपोर्ट के शुरू होने से यात्रा आसान होगी, व्यापार बढ़ेगा और पर्यटन को भी बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने कहा कि कोटा शिक्षा के साथ-साथ ऊर्जा उत्पादन का भी बड़ा केंद्र है, जहां न्यूक्लियर, कोयला, गैस और जल से बिजली का उत्पादन होता है। इसके साथ ही कोटा कचौरी, कोटा डोरिया, कोटा स्टोन, सैंड स्टोन, धनिया और बूंदी के बासमती चावल की पहचान देश-दुनिया में है। एयरपोर्ट बनने से इन उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि बेहतर हवाई कनेक्टिविटी से हाड़ौती क्षेत्र के पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। यहां गरड़िया महादेव मंदिर, मुकुंदरा हिल्स

नेशनल पार्क और रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व जैसे प्रमुख पर्यटन स्थल हैं, जहां देश-विदेश से पर्यटक आएंगे। प्रधानमंत्री ने बताया कि देश में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए सरकार तेजी से काम कर रही है। वर्ष 2014 से पहले देश में करीब 70 एयरपोर्ट थे, जो अब बढ़कर 160 से अधिक हो गए हैं। नए एयरपोर्ट बनने से पर्यटन, व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़े हैं। समारोह में मौजूद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि दशकों से कोटा क्षेत्र के लोगों की ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की मांग थी, जो आज पूरी हुई है। उन्होंने प्रधानमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार में कोटा के विकास को नई गति मिली है। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट के आसपास रीको द्वारा 600 हेक्टेयर भूमि उद्योगों के विकास के लिए विकसित की जाएगी, जिससे क्षेत्र में उद्योग, एग्रो प्रोसेसिंग, पर्यटन और आईटी सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू ने बताया कि करीब 1100 एकड़ क्षेत्र में बनने वाले इस एयरपोर्ट में 20 हजार वर्गमीटर का आधुनिक टर्मिनल बनाया जाएगा। इसमें आधुनिक सुविधाओं के साथ राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत की झलक भी दिखाई देगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में अब हवाई यात्रा आमजन के लिए भी सुलभ हो गई है और सिविल एविएशन अब 'सिविलियन एविएशन' बन चुका है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसानों, युवाओं, महिलाओं और गरीबों के विकास के लिए रोडमैप पर काम कर रही है। प्रदेश में जल परियोजनाओं–रामजल सेतु लिंक, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर और गंगनहर–पर काम चल रहा है। हाड़ौती क्षेत्र में नवनेरा, ईसरदा और परवन अकावद परियोजनाओं पर तेजी से कार्य हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में उद्योग और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट आयोजित की गई, जिसमें 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने अब तक सवा लाख से अधिक नियुक्तियां दी हैं और वर्ष 2026 के लिए सवा लाख नौकरियों का भर्ती कैलेंडर जारी किया गया है।

कृष्ण की कृपा से अयोध्या जैसे भव्य मंदिर का निर्माण ब्रज में भी होगा : योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मथुरा दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने श्रीकृष्ण जन्मस्थान के दर्शन किए और ब्रज क्षेत्र के विकास से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उनका पूरा कार्यक्रम आध्यात्मिक माहौल में डूबा नजर आया। मुख्यमंत्री ने ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बैठक में हिस्सा लेते हुए क्षेत्र के विकास के लिए कई योजनाओं को मंजूरी दी और अधिकारियों को तीर्थ क्षेत्र की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश भी दिए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यदि भगवान कृष्ण की कृपा रही तो जिस तरह अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण का कार्य हुआ है, उसी प्रकार यहां भी आगे का कार्यक्रम होगा। बैठक के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सीधे श्रीकृष्ण जन्मस्थान पहुंचे। यहां उन्होंने ठाकुर केशवदेव मंदिर, योगमाया मंदिर और गर्भगृह में भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए। भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए और विधिवत पूजन-अर्चन कर श्रद्धा निवेदित की। ब्रज की पावन धरा से प्रदेशवासियों के लिए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। दर्शन के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रज भूमि का कण-कण ऊर्जा और भक्ति से भरा है। प्रभु श्रीकृष्ण के चरणों में शीश नवाकर मन को असीम शांति की अनुभूति होती है। उन्होंने प्रार्थना की कि भगवान का आशीर्वाद प्रदेश के प्रत्येक नागरिक पर बना रहे। उत्तर प्रदेश निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छुए। उन्होंने कहा मथुरा की धरती का हर कण भगवान कृष्ण की स्मृतियों से जुड़ा हुआ है। यहां की हवा और वातावरण में राधारानी और कृष्ण कन्हैया की भक्ति रची-बसी है, जो हर श्रद्धालु को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करती है। अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक ऐसा बयान दिया जिसने वहां मौजूद लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उन्होंने कहा कि यदि भगवान कृष्ण की कृपा रही तो जिस तरह अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण का कार्य हुआ है, उसी प्रकार यहां भी आगे का कार्यक्रम होगा। जैसे ही उन्होंने यह बात कही, वहां मौजूद श्रद्धालुओं ने जोरदार जयकारे लगाए और पूरा परिसर 'जय श्रीकृष्ण' के नारों से गूंज उठा। इससे पहले वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान के प्रेक्षागृह में आयोजित ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बैठक में मुख्यमंत्री ने कई विकास परियोजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि मथुरा-वृंदावन आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करना बेहद जरूरी है।

टी-20 विश्व कप : सबसे तेज शतक लगाने वालों में फिन एलेन सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप में तेज शतक लगाने वालों में अगर छह लोगों की सूची देखा जाए तो उसमें कोई भी भारतीय नहीं हैं। इस सूची में एक समय पर क्रिस गेल का दबदबा था। जो इस विश्वकप में टूट गया है। 22 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ सिर्फ 45 गेंदों में शतक जड़ दिया और 48 गेंदों में 105 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस प्रदर्शन के साथ बेथल टी-20 विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर आ गए। इससे पहले न्यूजीलैंड के फिन एलेन ने विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में सिर्फ 33 गेंदों में शतक बनाकर यह टूर्नामेंट का सबसे तेज शतक दर्ज किया था। इस कारनामे के दौरान वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज क्रिस गेल का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। गेल ने साल 2016 के टी-20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 47 गेंदों में शतक लगाया था, जिसे अब बेथल ने पीछे छोड़ दिया।

टी-20 विश्व कप के इतिहास में सबसे तेज शतक बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में क्रिस गेल की छाप अब भी बनी हुई है। गेल ने साल 2016 में 47 गेंदों में शतक लगाया और साल 2007 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 50 गेंदों में शतक जमाया था। उनके शतक में 57 गेंदों में 10 छक्के और 7 चौके शामिल थे, जिससे उन्हें यूनिवर्स बॉस का खिताब भी मिला।

इस सूची में पांचवें स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक का नाम है, जिन्होंने 2026 टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 50 गेंदों में शतक बनाया। वहीं, छठवें नंबर पर न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैकुलम का नाम है, जिन्होंने साल 2012 में बांग्लादेश के खिलाफ 51 गेंदों में शतक जड़ा था।

जेकब बेथल का यह रिकॉर्ड उनके युवा करियर की एक और बड़ी उपलब्धि साबित हुआ है। इस शतक ने न केवल टीम इंग्लैंड को सेमीफाइनल में मजबूती दी, बल्कि टी-20 विश्व कप के इतिहास में बेथल का नाम भी सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में अमर कर दिया। उनके खेल से यह साफ हो गया कि युवा खिलाड़ी बड़े मुकाबलों में दबाव में भी शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं।

टी-20 विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले टॉप-6 बैटर

फिन एलेन- 33 गेंदों में बनाम साउथ अफ्रीका (2026)
जेकब बेथल-45 गेंदों में बनाम भारत (2026)
क्रिस गेल-47 गेंदों में बनाम इंग्लैंड (2016)
क्रिस गेल-50 गेंदों में बनाम साउथ अफ्रीका (2007)
हैरी ब्रुक- 50 गेंदों में बनाम पाकिस्तान (2026)
ब्रैंडन मैकुलम- 51 गेंदों में बनाम बांग्लादेश (2012)

फीफा विश्व कप 2026 के लिए मेक्सिको में 1 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती

मेक्सिको सिटी (एजेंसी)। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने घोषणा की है कि इस वर्ष होने वाले 2026 फीफा विश्व कप 23वां फीफा विश्व कप होगा जो कि फुटबॉल का एक अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट है. के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, लगभग 1 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने जलिस्को राज्य की राजधानी ग्वाडालाजारा में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि देश विश्व कप की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। शीनबाम ने कहा कि सरकार जलिस्को और पूरे देश के लोगों की शांति, सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विश्व कप के दौरान मेक्सिको आने वाले लाखों दर्शकों और खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जाएगा।

यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब हाल ही में एक सैन्य अभियान में कुख्यात कार्टेल सरगना की मौत के बाद देश के कई हिस्सों में हिंसा बढ़ गई है। 22 फरवरी को उसकी मौत के बाद जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल के सदस्यों ने मैक्सिकन सेना के साथ गोलीबारी की, सड़कों को जाम किया और कई वाहनों में आग लगा दी। सुरक्षा योजना के तहत 20,000 सैनिकों और 55,000 पुलिस अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा निजी सुरक्षा कंपनियों के कर्मियों को भी शामिल किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए 2,500 सैन्य और नागरिक वाहन, 24 एयरक्राफ्ट, एंटी-ड्रोन सिस्टम और विस्फोटक व अन्य संदिग्ध वस्तुओं का पता लगाने के लिए प्रशिक्षित कुत्तों की मदद ली जाएगी।

मेक्सिको के सैन्य अधिकारी को इस बड़े सुरक्षा अभियान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि पहली चुनौती अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने एक भरोसेमंद, सुरक्षित और सुव्यवस्थित मेक्सिको पेश करना है। साथ ही, सरकार को उन खतरों का भी सामना करने के लिए तैयार रहना होगा जो राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने जनवरी से विशेष प्रशिक्षण शुरू कर दिया है और आने वाले हफ्तों में इसे और तेज किया जाएगा। मेक्सिको, यूनाइटेड स्टेट और कनाडा के साथ मिलकर 11 जून से 19 जुलाई तक विश्व कप की सह-मेजबानी करेगा। मेक्सिको में कुल 13 मैच खेले जाएंगे, जिनमें पांच मैक्सिको सिटी में, चार ग्वाडालाजारा में और चार मॉन्टेरी में आयोजित होंगे।

भारतीय वॉलीबॉल के 'गॉड' जिम्मी जॉर्ज : एक ऐसा खिलाड़ी जिसने खेल के लिए छोड़ दिया था मेडिकल करियर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में वॉलीबॉल आज भी लोकप्रियता के मामले में क्रिकेट और अन्य बड़े खेलों से पीछे है, लेकिन इस खेल को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले एक महान खिलाड़ी का नाम हमेशा याद किया जाता है जिम्मी जॉर्ज। उन्हें भारतीय वॉलीबॉल का ÷गॉड÷ कहा जाता है। उनका जन्म 8 मार्च 1955 को केरल के कन्नूर जिले के पेरवूर में हुआ था। उनके पिता जोसफ जार्ज एक वकील होने के साथ विश्वविद्यालय स्तर के वॉलीबॉल खिलाड़ी भी थे, जबकि उनकी मां मैरी जॉर्ज थीं। परिवार में खेल का माहौल होने के कारण जिम्मी को बचपन से ही वॉलीबॉल से लगाव हो गया था।

जिम्मी पढ़ाई में भी काफी अच्छे थे और उन्होंने सरकारी कॉलेज में मेडिकल सीट हासिल कर ली थी, लेकिन वॉलीबॉल के प्रति जुनून इतना ज्यादा था कि उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई छोड़कर खेल को ही अपना करियर बना लिया। महज 16 साल की उम्र में वह केरल स्टेट टीम का हिस्सा बन गए थे। कॉलेज के दिनों में उन्होंने कई पुरस्कार जीते और केरला यूनिर्वसिटी की टीम को 1973 से 1976 के बीच लगातार चार ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप दिलाने में अहम भूमिका निभाई। 1973 में वह टीम के कप्तान भी रहे। साल 1974 में तेहरान में हुए एशियन गेम्स में वह भारतीय राष्ट्रीय वॉलीबॉल टीम का हिस्सा बने। हालांकि भारत उस टूर्नामेंट में ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सका, लेकिन 19 वर्षीय जिम्मी जॉर्ज की प्रतिभा ने सभी का ध्यान खींच लिया। 1976 में उन्होंने वॉलीबॉल पर पूरा ध्यान देने के लिए मेडिकल कॉलेज छोड़ दिया और केरल पुलिस में शामिल हो गए।

अगरकर ने कठिन फैसलों से बदली भारतीय टीम की दिशा

– चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के 3 साल पूरे

अहमदाबाद (एजेंसी)। अजीत आगरकर जब भारत की सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष बने, तब परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण थीं। उन्हें यह जिम्मेदारी चेतन शर्मा की जगह दी गई थी, जिन्हें एक टीवी स्टिंग ऑपरेशन के बाद पद से हटना पड़ा था। अगरकर के तीन साल के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिन्हें उस समय साहसिक माना गया, लेकिन बाद में उनके सकारात्मक परिणाम सामने आए। क्रिकेट में चयनकर्ता की भूमिका अक्सर विकेटकीपर जैसी मानी जाती है। अच्छे फैसलों पर भले ही कम सराहना मिले, लेकिन एक गलती पर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ती है। अगरकर के कार्यकाल में भी यही स्थिति देखने को मिली। वर्ष 2020-21 में जब चयन समिति के अध्यक्ष का पद खाली हुआ था, तब अगरकर ने भी आवेदन किया था, लेकिन उस समय चेतन शर्मा को यह जिम्मेदारी मिली। बाद में 2023 में अगरकर को यह पद सौंपा गया और इसके बाद वह अपने फैसलों के कारण लगातार चर्चा में रहे।

भारत की चयन समितियों के इतिहास में दिलीप वेंगसरकर और कृष्णाचारी श्रीकांत के बाद अगरकर का कार्यकाल भी काफी प्रभावशाली माना जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में भारतीय टीम ने आईसीसी के चार बड़े टूर्नामेंट 2023 आईसीसी वर्ल्डकप, 2024 आईसीसी मेंस टी20 विश्वकप, 2025 आईसीसी चैम्पियनशिप ट्राफी और 2026 आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्डकप के फाइनल में जगह बनाई है। अगर भारत न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीतता है तो यह तीन वर्षों में तीसरी बड़ी ट्रॉफी होगी।

टीम की सफलता का श्रेय अक्सर खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को मिलता है, लेकिन बड़े टूर्नामेंट के लिए मजबूत टीम तैयार करने में चयनकर्ताओं की भूमिका भी बेहद अहम होती है। अगरकर के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिनके लिए मजबूत विश्वास की जरूरत थी। उदाहरण के तौर पर हार्दिक पाण्डया की जगह सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम का कप्तान बनाना एक बड़ा फैसला था।

इसके अलावा वनडे टीम की कप्तानी से रोहित शर्मा को हटाने का निर्णय भी काफी संवेदनशील माना गया। इन दोनों मामलों में अगरकर ने आलोचनाओं से बचने की कोशिश नहीं की, बल्कि खुले तौर पर फैसलों का समर्थन किया। उनका मानना था कि टीम चयन केवल आंकड़ों के आधार पर नहीं किया जा सकता, बल्कि खिलाड़ियों की भूमिका, टीम संतुलन और रणनीतिक सोच भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति में एस शरत (जिनकी जगह बाद में प्रज्ञान ओझा आए), सुब्रता बनर्जी (जिनकी जगह आरपी सिंह को शामिल किया गया), एसएस दास और अजय रात्रा जैसे सदस्य शामिल रहे। इन सभी ने मिलकर भारतीय टीम के लिए एक मजबूत और संतुलित संयोजन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट : न्यूजीलैंड के रैंडेल ने 5 गेंदों पर 5 विकेट लेकर इतिहास रचा

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड के उभरते हुए तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है । सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से खेलते हुए इस गेंदबाज ने लगातार 5 गेंदों पर 5 विकेट लेकर सभी को हैरान कर दिया । रैंडेल ने यह उपलब्धि उन्होंने प्लंकेट शील्ड मैच में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के खिलाफ बनाया । एक रिकॉर्ड के अनुसारसाल 1772 में पहला मान्यता प्राप्त फर्स्ट क्लास मैच खेले जाने के बाद से ही अब तक किसी भी गेंदबाज ने लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट नहीं लिए थे । ऐसे में रैंडेल यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं । रैंडेल ने अपने दूसरे ओवर की अंतिम गेंद पर हैरी कूपर जबकि इसके बाद अगले ओवर की पहली गेंद पर पूर्व टेस्ट बल्लेबाज जीत रावल को आउट कर दिया । इसके बाद लगातार तीन और गेंदों पर तीन विकेट लिए । ऑलराउंडर क्रिस्टीयन क्लार्क का विकेट उनका पांच विकेट था ।रैंडेल इस रिकार्ड को बनाने से बेहद खुश नजर आये । उन्होंने कहा कि ये किसी सपने के सच होने जैसा था । उन्होंने बताया कि उनका ध्यान केवल सही लाइन और लेंथ पर गेंद डालने का था । हैट्रिक के बाद भी वह विकेट लेने पर ध्यान देते रहे । रैंडेल ने अपने अगले ओवर में दो और विकेट लिए । उनकी इस गेंदबाजी से नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की पूरी टीम केवल 82 रन पर ही सिमट गयी ।

कनाडा ने शीबिलीव्स कप में अर्जेन्टीना को पेनल्टी शूट आउट में हराया

हैरिसन (अमेरिका) । गोलकीपर केलेन शेरिडन ने शुरुआती दो पेनल्टी बचाई जिससे कनाडा ने शीबिलीव्स कप फुटबॉल टूर्नामेंट में गोल रहित ड्रॉ के बाद अर्जेन्टीना को पेनल्टी शूट आउट में हराया । जोर्डिन हुइतेमा को पहले हाफ में कनाडा की ओर से गोल दागने का स्वर्णिम मौका मिला था लेकिन अर्जेन्टीना की गोलकीपर सोलाना पेरेरा ने उनके शॉट पर हाथ मार दिया जिसके बाद गेंद क्रॉसबार से टकराकर बाहर चली गई। शीबिलीव्स कप के नए नियमों के अनुसार मैच में अतिरिक्त समय का खेल नहीं होता और नतीजे के लिए सीधे पेनल्टी शूट आउट का सहारा लिया जाता है। शेरिडन ने अर्जेन्टीना के शुरुआती दो प्रयासों को नाकाम किया और कनाडा ने तब जीत सुनिश्चित की जब विरोधी टीम की वेनिना प्रेनिंगर का शॉट क्रॉसबार से ऊपर से बाहर निकल गया ।

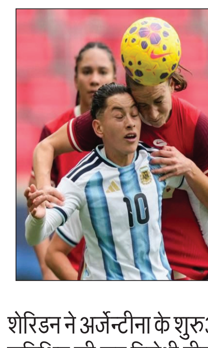

आईसीसी पर बरसे डी कॉक

नई दिल्ली । मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण भारत की जूनियर टीम युवा मुक्केबाजी विश्वकप में भाग नहीं ले पायी है। भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम मोंटेनेग्रो में होने वाले इस टूर्नोमेंट में हिस्सा लेने वाली थी पर वीजा नहीं मिलने के कारण टीम को इस टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं मिली । भारतीय जूनियर मुम्केबाजी टीम को मोंटेनेग्रो के बुडवा शहर में आयोजित होने वाले युवा विश्वप कप में भाग लेना था। इसमें कई देशों की युवा टीमें हिस्सा लेने वाली थीं । भारत की ओर से 10 खिलाड़ियों की टीम इस टूर्नामेंट के लिए चयनित की गयी थी। टीम में पांच लड़के और पांच लड़कियां शामिल थे। खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए तैयारी भी पूरी कर ली थी पर मोंटेनेग्रो का दूतावास भारत में नहीं होने के कारण उन्हें समय पर वीजा और जरुरी दस्तावेज नहीं मिल पाये थे । खिलाड़ियों के वीजा की प्रक्रिया पूरी करने के लिए यूएई स्थित मोंटेनेग्रो की एम्बेसी की सुविधा ली जा रही थी पर खाड़ी में संघर्ष शुरु होने से खिलाड़ियों को वहां भेजना संभव नहीं था । सभी 10 खिलाड़ियों के पासपोर्ट यूएई भेज दिए गए ताकि वहां वीजा की औपचारिकताएं पूरी की जा सकें ।आमतौर पर वीजा स्टैम्प होने के बाद पासपोर्ट दो से तीन दिनों के भीतर वापस भेज दिए जाते हैं पर इस बार हालात अलग थे । अचानक बढ़े तनाव और के कारण पासपोर्ट समय पर भारत वापस नहीं भेजे जा सके ।रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों के पासपोर्ट 20 फरवरी को वीजा स्टैम्पिंग के लिए जमा कर दिए गए थे । भारतीय टीम की फ्लाइट टिकट भी तैयार रखी गई थी और उन्हें स्टैंडबाय पर रखा गया था ताकि पासपोर्ट मिलते ही टीम तुरंत रवाना हो सके । हालांकि समय बीतता गया, लेकिन पासपोर्ट वापस नहीं पहुंचे । इसी वजह से अंत में भारतीय टीम को टूर्नामेंट से हटना पड़ा ।

इंटर मियामी ने डी.सी. यूनाइटेड को 2-1 से हराया, मेसी और डी पॉल ने मारा गोल

बाल्टीमोर (एजेंसी)। मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल और कप्तान लियो मेसी के गोल की मदद से इंटर मियामी ने डी.सी. यूनाइटेड को 2-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने 3 अंक हासिल किए। मियामी ने 17वें मिनट में डी पॉल की मदद से पहला गोल कर बढ़त बनाई। बर्टेराम ने बाईं ओर से दबाव बनाया और एंडलाइन के पास गेंद पर कब्जा किया, फिर बॉक्स के अंदर सेगोविया के लिए पास वापस किया। फिर सेगोविया ने बॉक्स के दाईं ओर डी पॉल को पाया, जहां एल मोटोरसिटो ने टच लिया और फिर दाएं पैर से टॉप-लेफ्ट कॉर्नर पर हिट किया। यह असिस्ट सेगोविया का इस रेगुलर सीजन का तीसरा असिस्ट था। मेसी ने 27वें मिनट में दूसरा गोल करके इंटर मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। इस गोल से मेसी के इस रेगुलर सीजन में तीन गोल हो गए, जबकि यह असिस्ट सिल्वेटी का पहला गोल था। यह गोल इंटर मियामी के लिए मेसी का 80वां गोल था।

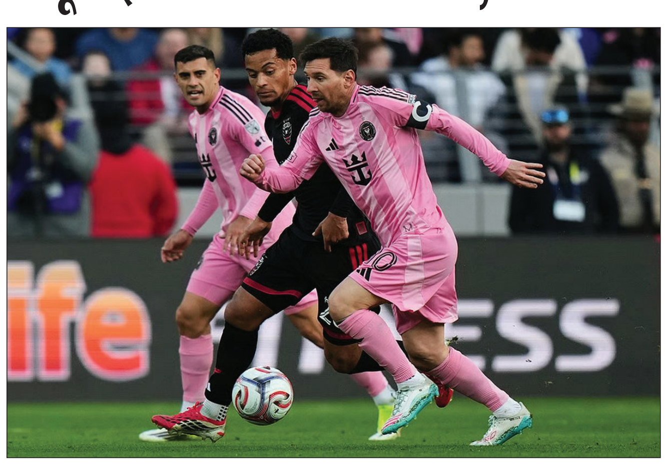

मेजबान टीम की तरफ से दूसरे हाफ में 75वें मिनट में ताई बारिबो ने पहला गोल किया। इंटर मियामी की सीजन में यह लगातार दूसरी जीत है। हेड कोच जेवियर माशेरानो ने कहा, 'मुझे लगता है कि पहला हाफ बहुत अच्छा था। हमने गेम को नियंत्रित किया, हमने फर्क पैदा किया और मौके बनाए। शायद दूसरे हाफ में हमने ज्यादा संघर्ष किया। मुझे लगता है कि हमें सकारात्मक चीजों को महत्व देना होगा। तीन अवे गेम में, हमने दो जीत हासिल की हैं। सुधार करने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन जीत के बाद सुधार करना हमेशा बेहतर होता है।' इंटर मियामी का अगला मुकाबला बुधवार को कॉनकाकाफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ 16 के पहले लेग में नैशविले एससी से होगा।

भारत को एएफसी महिला एशियाई कप में जापान ने 11–0 से रौंदा

पर्थ । भारतीय महिला फुटबॉल टीम को शनिवार को यहां एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) महिला एशियाई कप के ग्रुप सी के अपने दूसरे मुकाबले में पूर्व चैंपियन जापान से 0–11 से करारी हार का सामना करना पड़ा । फीफा महिला विश्व कप के पूर्व चैंपियन और विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज जापान मैच शुरू होने से पहले ही जीत का प्रबल दावेदार था । टीम ने मुकाबले शुरू होते ही अपना दबदबा कायम किया और शुरूआती हाफ में 5–0 की बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली । टीम ने दूसरे हाफ में भी छह गोल दागे । जापान ने जिस अंदाज में दबदबा बनाया उससे दोनों टीमों के स्तर में भारी अंतर साफ नजर आया और यह भी दिखा कि शीर्ष स्तर की टीमों से मुकाबला करने के लिए भारत को अभी लंबा सफर तय करना है । 2014 और 2018 के चैंपियन जापान ने मैच में एकतरफा अंदाज में गेंद पर कब्जा बनाए रखा और अधिकांश समय खेल भारतीय हाफ में ही चला । चार महीने से अंतरराष्ट्रीय मैच खेले बिना टूर्नामेंट में उतरी भारतीय टीम पूरे मुकाबले में किसी क्लब टीम की तरह संघर्ष करती दिखी । जापान के लिए युजुकी यामामोटो (चौथे मिनट), युई हसेगावा (13वें), हिनाता मियाजावा (20वें, 35वें, 81वें), किको सेइके (45+5वें, 55वें), रिको उईकी (47वें, 50वें, 65वें) और माया हिजिकाता (62वें) ने गोल दागे ।

ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में हारे लक्ष्य लक्ष्य, लिन चुन–यी ने दी मात

बर्मिंघम । भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन यहां ऑल इंग्लैंड ओपन के पुरुष सिंगल्स फाइनल में अपने विरोधी लिन चुन–यी से हार गए । इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में फिर से चैंपियन देखने का देश का इंतजार जारी रहा । 24 साल के भारतीय खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन बाएं हाथ के ताइवानी शटलर की चुनौती को पार नहीं कर सके और कड़े खिताबी मुकाबले में 15–21, 20–22 से हार गए । यह सेन की लिन से लगातार पांचवीं हार थी और टूर्नामेंट में दूसरे रनर–अप रहे । उन्होंने 2022 में भी फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन फिनिश लाइन पार नहीं कर सके थे। सेन ने शनिवार को सेमीफाइनल में मुश्किल जीत के दौरान छालों और ऐंठन से जूझते हुए जीत हासिल की । उन्होंने पूरे हफ्ते एक जोशीला अभियान चलाया जिसमें लिन के खिलाफ खिताबी मुकाबले में हारने से पहले कई ऊंची रैंक वाले विरोधियों को हराया । इतिहास में सिर्फ दो भारतीय प्रकाश पादुकोण (1980) और पी गोपीचंद (2001) ने ऑल इंग्लैंड ओपन में पुरुष सिंगल्स का खिताब जीता है ।

मध्य पूर्व में संघर्ष के कारण भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम विश्वकप में भाग नहीं ले पायी

नई दिल्ली । मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण भारत की जूनियर टीम युवा मुक्केबाजी विश्वकप में भाग नहीं ले पायी है । भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम मोंटेनेग्रो में होने वाले इस टूर्नोमेंट में हिस्सा लेने वाली थी पर वीजा नहीं मिलने के कारण टीम को इस टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं मिली । भारतीय जूनियर मुम्केबाजी टीम को मोंटेनेग्रो के बुडवा शहर में आयोजित होने वाले युवा विश्वप कप में भाग लेना था । इसमें कई देशों की युवा टीमें हिस्सा लेने वाली थीं । भारत की ओर से 10 खिलाड़ियों की टीम इस टूर्नामेंट के लिए चयनित की गयी थी । टीम में पांच लड़के और पांच लड़कियां शामिल थे। खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए तैयारी भी पूरी कर ली थी पर मोंटेनेग्रो का दूतावास भारत में नहीं होने के कारण उन्हें समय पर वीजा और जरुरी दस्तावेज नहीं मिल पाये थे। खिलाड़ियों के वीजा की प्रक्रिया पूरी करने के लिए यूएई स्थित मोंटेनेग्रो की एम्बेसी की सुविधा ली जा रही थी पर खाड़ी में संघर्ष शुरु होने से खिलाड़ियों को वहां भेजना संभव नहीं था । सभी 10 खिलाड़ियों के पासपोर्ट यूएई भेज दिए गए ताकि वहां वीजा की औपचारिकताएं पूरी की जा सकें ।आमतौर पर वीजा स्टैम्प होने के बाद पासपोर्ट दो से तीन दिनों के भीतर वापस भेज दिए जाते हैं पर इस बार हालात अलग थे । अचानक बढ़े तनाव और के कारण पासपोर्ट समय पर भारत वापस नहीं भेजे जा सके ।रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों के पासपोर्ट 20 फरवरी को वीजा स्टैम्पिंग के लिए जमा कर दिए गए थे । भारतीय टीम की फ्लाइट टिकट भी तैयार रखी गई थी और उन्हें स्टैंडबाय पर रखा गया था ताकि पासपोर्ट मिलते ही टीम तुरंत रवाना हो सके । हालांकि समय बीतता गया, लेकिन पासपोर्ट वापस नहीं पहुंचे । इसी वजह से अंत में भारतीय टीम को टूर्नामेंट से हटना पड़ा ।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने जीत के साथ हीली को दी यादगार विदायी

– एकमात्र गुलाबी टेस्ट में भारतीय टीम को 10 विकेट से हराया

बर्मिंघम (एजेंसी)। पर्थ (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां गुलाबी गेंद से हुए दिन-रात के एकमात्र टेस्ट मैच में 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में बड़ी जीत के साथ ही मेजबान ऑस्ट्रेलयाई टीम ने कप्तान एलिसा हीली को यादगार विदायी दी है। इस मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाली एनेबेल सदरलैंड को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब मिला।

इस मैच में मेजबान टीम हावी रही। भारतीय टीम के लिए केवल राहत की इतनी ही बात रही कि वह फॉलो-ऑन बचाने में सफल रही पर दूसरी पारी में अधिक रन नहीं बना पायी जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 25 रन का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस मैच में भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल और स्नेह राणा ने अच्छी बल्लेबाजी कर तीसरे दिन भारत को 6 विकेट पर 105 रनों से आगे बढ़ाया। प्रतिका और राणा ने शुरुआत से ही अच्छी बल्लेबाजी की। प्रतिका ने अर्धशतक लगाया। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 50 रन बनाये। एश्ले गार्डनर ने राणा को 30 रन पर आउट कर भारतीय टीम को करारा झटका दिया।

इसके बाद भारतीय टीम के निचले क्रम की बल्लेबाज अधिक नहीं खेल पायीं। केवल प्रतिका ही अंत तक खेलती रही। प्रतिका 137 गेंदों में 8 चौके लगाकर 63 रन बनाकर आउट हुई। भारत की पूरी टीम दूसरी पारी में 149 रन ही बना पायी। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 323 रन जबकि भारतीय टीम ने 198 रन बनाये थे। इस प्रकार मेजबानों को पहली पारी के आधार पर काफी बढ़त मिली हुई थी। इसके बाद जीत के लिए मिले 25 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाए। पांचवें ओवर में ही जॉर्जिया वोल ने लगातार तीन चौके लगाकर अपनी टीम को 10 विकेट से जीत दिला दी। इस मैच में सदरलैंड छायी रहीं । सदरलैंड ने दोनो पारी को मिलाकर कुल छह विकेट लेने के साथ ही 129 रन भी बनाये।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना महज 4 रन बनाकर आउट हुई. प्रतीका रावल ने 3 चौकों की मदद से 18 रन बनाने के बाद एनाबेल सदरलैंड का शिकार बनीं।पहली पारी में हैमिल्टन ने भारतीय बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। जेमिमा रोड्रिग्स ने ही केवल अर्धशतक लगाया। भारतीय टीम पहली पारी में 62.4 ओवर में 198 रन पर आउट हुई एनाबेल ने चार विकेट लिए जबकि लुसी ने तीन विकेट लिए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी ठीक नहीं रही। एलिसा भी सस्ते में आउट हो गईं, लेकिन एलिसे पेरी और एनाबेल ने चौथे विकेट के लिए 134 रन की साझेदारी की। पेरी ने 116 गेंदों में 76 रन बनाए जबकि एनाबेल ने 129 रन की शानदार पारी खेली जिसमें 17 चौके शामिल थे। निचले क्रम के बल्लेबाजों ऑस्ट्रेलियाई टीम को 323 रन तक पहुंच गया। वहीं भारतीय टीम की ओर से सयाली सतघरे ने सबसे अधिक चार विकेट लिए।

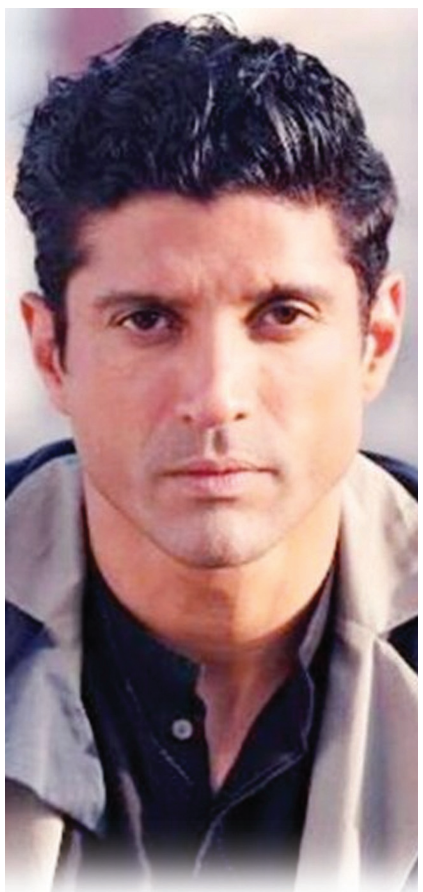

क्या रणवीर सिंह के जाने के बाद फरहान अख्तर खुद बनेंगे डॉन?

कुछ दिनों पहले रणवीर सिंह ने इस प्रोजेक्ट से किनारा कर लिया। इसके बाद इस फिल्म के लीड रोल को लेकर कई कयास लगाए जा रहे हैं। रणवीर के छोड़ने के बाद ऐसा कहा जा रहा था कि ऋतिक रोशन अब डॉन के किरदार में नजर आएंगे। लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि वे कभी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं थे। अब ऐसी चर्चाएं सामने आ रही हैं कि फरहान खुद डॉन का किरदार निभाएंगे।

क्या फरहान बनेंगे डॉन?

डेक्कन क्रॉनिकल के अनुसार, जो रिपोर्ट्स कह रही हैं कि रणवीर के जाने के बाद फरहान खुद डॉन का किरदार निभाएंगे, वो गलत हैं। इससे पहले ये रिपोर्ट सामने आई थी कि शाहरुख फिर से इस रोल को निभाने के लिए मान गए थे, लेकिन वे चाहते थे कि बतौर डायरेक्टर एटली इस फिल्म में काम करें। सूत्रों के मुताबिक, डॉन फ्रेंचाइजी फरहान की है, तो वो कैसे डायरेक्टर का पद छोड़ सकते हैं। अभी ये सारी चर्चाएं सिर्फ अफवाहें बताई जा रही हैं क्योंकि किसी की भी तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान

बता दें, फरहान अख्तर ने साल 2023 में 'डॉन 3' की घोषणा की थी। जिसमें रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी को लीड रोल में बताया गया था। हालांकि, फिलहाल खबरें हैं कि कोई भी कलाकार आधिकारिक तौर पर इस फिल्म से जुड़ा नहीं है। हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान वहीं, फरहान इन दिनों अपने दूसरे प्रोजेक्ट्स पर ध्यान दे रहे हैं। इनमें लंबे समय से चर्चा में रही 'जी ले जरा' और उनका हाल ही में घोषित हॉलीवुड डेब्यू भी शामिल है। हॉलीवुड फिल्म 'द बीटल्स: ए फोर फिल्म सिनेमैटिक इवेंट' से फरहान अख्तर का हॉलीवुड डेब्यू होने वाला है।

इंस्टाग्राम पर 'हाय' से शुरु हुई कृष्णा श्रॉफ की लव स्टोरी

कृष्णा के साथी कंटेस्टेंट प्रिंस नरूला और युविका चौधरी ने हाल ही के एपिसोड में उनसे उनके रिलेशनशिप के बारे में पूछा। इस पर कृष्णा ने बिना किसी झिझक के अपने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर बात की कि कैसे उनके बॉयफ्रेंड ने उन्हें अप्रोच किया और कैसे उनकी लव स्टोरी की शुरुआत हुई।

'हाय' भेजकर सीधे मांगा नंबर

कृष्णा ने खुलासा किया कि वे उनके बॉयफ्रेंड के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहती हैं। उनका बॉयफ्रेंड एक प्रोफेशनल एमएमए फाइटर है। कृष्णा ने कहा कि उनकी पहली मुलाकात मुंबई में हुई थी, जब वे अपने भाई टाइगर श्रॉफ को एक फाइट के दौरान सपोर्ट करने पहुंची थीं। उन्होंने आगे कहा, 'जब मैं अपने इंस्टाग्राम के डीएम में गई तो मुझे उनकी प्रोफाइल दिखी और उन्होंने मुझे 'हाय' मैसेज किया था, जिसका मैंने रिप्लाई किया। लेकिन फिर तुरंत बाद उन्होंने मेरा नंबर मांग लिया। मैंने सोचा की कभी किसी ने मुझे इतने कॉन्फिडेंस से अप्रोच नहीं किया, और मुझे कॉन्फिडेंस पसंद है। हम दोनों की भाषाएं भी एक जैसी नहीं है। वो पर्शियन बोलते हैं और मैं इंग्लिश। उनकी हिंदी भी मेरी तरह थोड़ी टूटी-फूटी है।

लिव-इन रिलेशनशिप में रहती हैं कृष्णा उन्होंने आगे कहा, 'हमने 8 महीनों तक वीडियो कॉल्स पर बात की। इसके बाद हम गोआ में मिले, जहां हमने 2 हफ्ते साथ बिताए। जब हमने 2 हफ्तों के बाद एक दूसरे को अलविदा कह रहे थे, तब हम जानते थे कि अब हम नहीं मिलेंगे। इसलिए एयरपोर्ट पर हम दोनों रोने लगे। वो अपने दोस्तों के पास दिल्ली चले गए और मैं मुंबई आ गई। इसके बाद उन्होंने कहा कि वो वापस नहीं आ सकते, तो मैं उनसे मिलने दिल्ली चली गई। दिल्ली में मैं तीन हफ्ते रही। इस बीच हमारा रिलेशनशिप और मजबूत हो गया। इसके बाद मैंने उनसे सीधे पूछा, 'क्या तुम मुंबई आना चाहते हो? तुम मेरे साथ रह सकते हो। इसके तुरंत बाद हम मुंबई में साथ रहने लगे।

कौन है कृष्णा का बॉयफ्रेंड

कृष्णा श्रॉफ, अब्दुल अजीम बदख्शी के साथ रिलेशनशिप में हैं। वो अफगानिस्तान से हैं और एक प्रोफेशनल एमएमए फाइटर हैं। दोनों की बातचीत 2020 में शुरु हुई थी और 2021 में उनकी मुलाकात हुई। वो एक बार 'छोरियां चली गांव' शो में कृष्णा को सपोर्ट करने भी आए थे।

अलीजेह अग्निहोत्री के साथ जमेगी सिद्धांत चतुर्वेदी की जोड़ी

साल 2023 में अलीजेह अग्निहोत्री ने इंडस्ट्री में कदम रखे। वे फिल्म 'फर्रे' में पहली बार नजर आईं। अब वे अगली फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। सलमान खान की भांजी की जोड़ी इस बार पर्दे पर सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ जमने की खबर है। दोनों सितारे विकास बहल की आगामी फिल्म में नजर आएंगे, जो एक म्यूजिकल ड्रामा फिल्म बताई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विकास बहल ने अपनी आगामी फिल्म के लिए अलीजेह और सिद्धांत को साइन किया है। फिल्म का नाम अभी तय नहीं है। वैरायटी इंडिया के मुताबिक, 'फिल्म की कहानी इंग्लैंड में रहने वाले उन पंजाबी युवाओं पर आधारित है, जो अपनी मिट्टी यानी पंजाब से भी जुड़े थे, लेकिन साथ ही वहां की विदेशी संस्कृति में भी रच-बस रहे थे'। फिल्म में दर्शकों को 90 के दशक का लुक और डांस क्लबों का माहौल देखने को मिलेगा। साथ ही यह भी देखने को मिलेगा की पंजाबी म्यूजिक के दुनियाभर में लोकप्रिय होने के पीछे किस तरह का संघर्ष रहा है और जुनून रहा है। अलीजेह फिल्म में सिंगर के रोल में नजर आएंगी। बता दें कि अलीजेह, अलवीरा खान और अतुल अग्निहोत्री की बेटी हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है। इसी के साथ इस फिल्म को लेकर और अधिक जानकारी का इंतजार है।

गोलमाल 5 से जुड़ी साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि

रोहित शेट्टी की फिल्म 'गोलमाल 5' में हाल ही में अजय देवगन, अरशद वारसी, कुणाल खेमू और श्रेयस जैसे सितारों से सजी स्टार कास्ट में अक्षय कुमार का नाम जुड़ने की खबर सुर्खियों में थी। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। फिल्म में अब एक साउथ एक्ट्रेस के जुड़ने की भी जानकारी सामने आई है।

खबर के अनुसार, 'गोलमाल 5' की शूटिंग शुरी हो चुकी है और पहले शेड्यूल में ज्यादातर मुख्य कलाकार मौजूद थे। अजय देवगन भी जल्द ही शूटिंग में शामिल हो जाएंगे। 'गोलमाल 5' की शूटिंग कहां शुरू हुई है, इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। 'गोलमाल 5' की टीम में एक नया चेहरा जुड़ गया है। जानकारी के अनुसार, दक्षिण भारतीय अभिनेत्री प्रियामणि अब 'गोलमाल 5' में नजर आएंगी। प्रियामणि साउथ की लोकप्रिय अभिनेत्री हैं। बहरहाल, प्रियामणि का रोल क्या होगा, ये अभी सीक्रेट है, लेकिन उन्होंने अपनी शूटिंग शुरू कर दी है। पहला शेड्यूल करीब एक महीने चलेगा।

प्रियामणि के प्रोजेक्ट्स

प्रियामणि ने कई चर्चित बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में काम किया है, जिनमें वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' और शाहरुख खान के साथ फिल्म 'जवान' शामिल है। इसके अलावा उन्होंने फिल्म 'आर्टिकल 370' में भी अभिनय किया है। वह हिंदी सिनेमा में 'चेन्नई एक्सप्रेस' (डांस नंबर) और मणिरत्नम की फिल्म 'रावण' (कैमियो) का भी हिस्सा रही हैं।

अक्षय भी होंगे फिल्म का हिस्सा

पहले से ही खबर थी कि अक्षय कुमार भी फिल्म में होंगे। वो अजय देवगन और उनके गैंग के साथ कॉमेडी में धमाल मचाएंगे। पुराने कलाकार जैसे अरशद वारसी, तुषार कपूर, कुणाल खेमू, श्रेयस, जॉनी लीवर, संजय मिश्रा, मुकेश तिवारी और अश्विनी कालसेकर भी वापस आ रहे हैं। लेकिन शायद करीना कपूर खान इस बार फिल्म में नहीं होंगी।

औरतों को अपनी लड़ाई खुद लड़नी होगी

बॉलीवुड की सबसे काबिल अदाकाराओं में से एक मोना सिंह के साल 2026 की शुरुआत शानदार रही है। वह 'हैपी पटेल: खतरनाक जासूस' और 'बॉर्डर 2' जैसी फिल्मों और वेब सीरीज 'कोहरा 2' में नजर आ चुकी हैं। सीरीज में वह कॉम्प्लेक्स किरदार के लिए वाहवाही बटोर रहीं हैं।

छोटे पर्दे की वो 'जस्सी', जो आज फिल्मों और ओटीटी की सबसे भरोसेमंद एक्ट्रेसेस में से एक है। साल की पहले दो महीने में ही 'हैपी पटेल: खतरनाक जासूस' और 'बॉर्डर 2' जैसी फिल्मों के अलावा वह वेब सीरीज 'कोहरा 2' में पुलिस ऑफिसर धनवंत कौर के कॉम्प्लेक्स किरदार के लिए वाहवाही बटोर चुकी हैं। अब जल्द ही उनकी फिल्म 'सूबेदार' भी ओटीटी पर आने वाली है। मोना अपने करियर के इस दौर को सबसे बेहतरीन मानती हैं। वह कहती हैं, 'बहुत अच्छा लग रहा है कि दो-तीन साल जो इतनी मेहनत की है, उसका फल अब सामने आ रहा है।'

मोना की हालिया वेब सीरीज 'कोहरा 2' की नायिका धनवंत, निजी जिंदगी के झंझावातों से जूझते हुए भी शिद्दत से ड्यूटी निभाती है, फिर भी जरा सी चूक पर उसकी प्रतिभा पर सवाल खड़े कर दिए जाते हैं। क्या मोना कभी खुद को साबित करने के ऐसे अनुभव से गुजरी हैं? इस पर वह कहती हैं, 'यह कहानी हम सभी औरतों की है। हमें हर कदम पर बताया जाता है कि ये मत करो। इधर मत जाओ। ये मत पहनो। इतना मत हंसों। इससे शादी करो, उससे मत करो। यहां काम करो, यहां मत करो। हमें हमेशा बताया गया है, दबाया गया है पर अब वक्त खुलकर बोलने का है।'

हम औरतों को अपनी लड़ाई खुद लड़नी है

मोना आगे कहती हैं, 'शो में भी यही दिखाया गया है कि भले ही हम पंजाब में हैं, पुरुषसत्तात्मक समाज में हैं, पर कोई भी किरदार चुप नहीं है। सभी औरतें अपनी लड़ाई अपने तरीके से लड़ रही हैं, जो बहुत ही इंस्पायरिंग है कि अपने लिए खुद खड़े रहो। डटे रहो। आपको बचाने कोई नहीं आ रहा है। ये आपकी लड़ाई है तो लड़ते रहो। जिंदगी एक ही है और छोटी है तो अच्छे से खुलकर जियो। बिना किसी को कोई जवाब दिए। मैं इसी फंडे में यकीन करती हूं कि एक ही जिंदगी है, अच्छे से जी लो। मुझे किसी चीज का पछतावा नहीं है। हर चीज से मैंने सीखा है। जैसे, धनवंत से हमेशा ये सवाल पूछा जाता है कि घर पर सब ठीक है, लेकिन यही सवाल किसी मेल ऑफिसर से नहीं पूछा जाएगा, क्योंकि औरत के घर पर अगर सब ठीक नहीं होगा तो वह शायद केस ठीक से सॉल्व नहीं कर पाएगी। ऐसी सीनियर्स की सोच होती है तो खुद को साबित करना हर औरत की लड़ाई है, पर मुझे खुशी है कि हम सब ये लड़ाई लड़ रहे हैं।'

हीरो के बराबर हों फीमेल सेंट्रिक फिल्में

इधर, ओटीटी पर बॉलीवुड के कई पुराने स्टीरियोटाइप टूटे हैं। उन्हीं में से एक है, शेफाली शाह, मोना सिंह, सांक्षी तंवर जैसी उम्र का एक पड़ाव पार कर चुकीं दमदार एक्ट्रेसेस को मुख्य भूमिका में लेकर शो बनाना। क्या फिल्मों में भी यह बदलाव संभव है? इस पर मोना का कहना है, 'असल में हमारा भारतीय सिनेमा इतना पुराना है कि हमारे पास इतने रेफरेंस और डेटा बेस है कि ये चलता है, ये नहीं चलता है। इसलिए, फिल्मों में एक सेट फॉर्मेट होता है। जैसे, वहां वुमन सेंट्रिक कहानियां ही बहुत कम हैं। साल में एक या दो फिल्में सेंट्रिक होती हैं। वे न चले तो बोल देते हैं कि ऐसी फिल्में चलती नहीं, मगर आप ज्यादा वुमन सेंट्रिक फिल्में बनाइए ना या कम से कम हीरो वाली फिल्मों के बराबर बनाइए। दोनों को बराबर मौके दीजिए, कैमरे के आगे और पीछे भी, तभी बदलाव आएगा। जबकि, ओटीटी हम सबके लिए बहुत नया है। यहां हम सबको मौका मिलता है एक्सप्लोर करने के लिए, प्रयोग करने के लिए तो मैं बहुत खुश हूं कि यह समय देख रही हूं, वरना तो ये संभव ही नहीं था।'

परिवार जैसे बन चुके हैं आमिर खान सर

मोना सिंह हाल ही में आमिर खान के बैनर की फिल्म 'हैपी पटेल' में नजर आईं। इससे पहले उनकी 'लाल सिंह चड्ढा' में भी अहम भूमिका थी। आमिर खान के साथ अपने रिश्ते पर उन्होंने कहा, '3 इडियट्स में 'ऑल इज वेल-ऑल इज वेल' कहकर उन्होंने मेरी डिलिवरी करवा दी थी। 'लाल सिंह चड्ढा' में वो मेरे बेटे बन गए, मैं उनकी मम्मी बन गई। वहीं, 'हैपी पटेल' में वो मेरे पापा बन गए, तो हमारा रिश्ता सिर्फ मजबूत हुआ है। हमें एक दूसरे के लिए बहुत इज्जत है। मेरे लिए आमिर सर परिवार हैं। यह रिश्ता बहुत खास है। मैं इसे बहुत अहमियत देती हूं।'

मेरा सपना था आमिर खान जैसे एक्टर संग काम करना

आमिर खान के साथ अपने रिश्ते पर बात करते हुए मोना आगे कहती हैं, 'मेरा सपना था कि मैं आमिर खान जैसे एक्टर के साथ काम करूं, क्योंकि वह बहुत कमाल के एक्टर हैं और मेरा वो सपना एक बार नहीं, 3 बार पूरा हुआ। मैं इसके लिए खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं।'

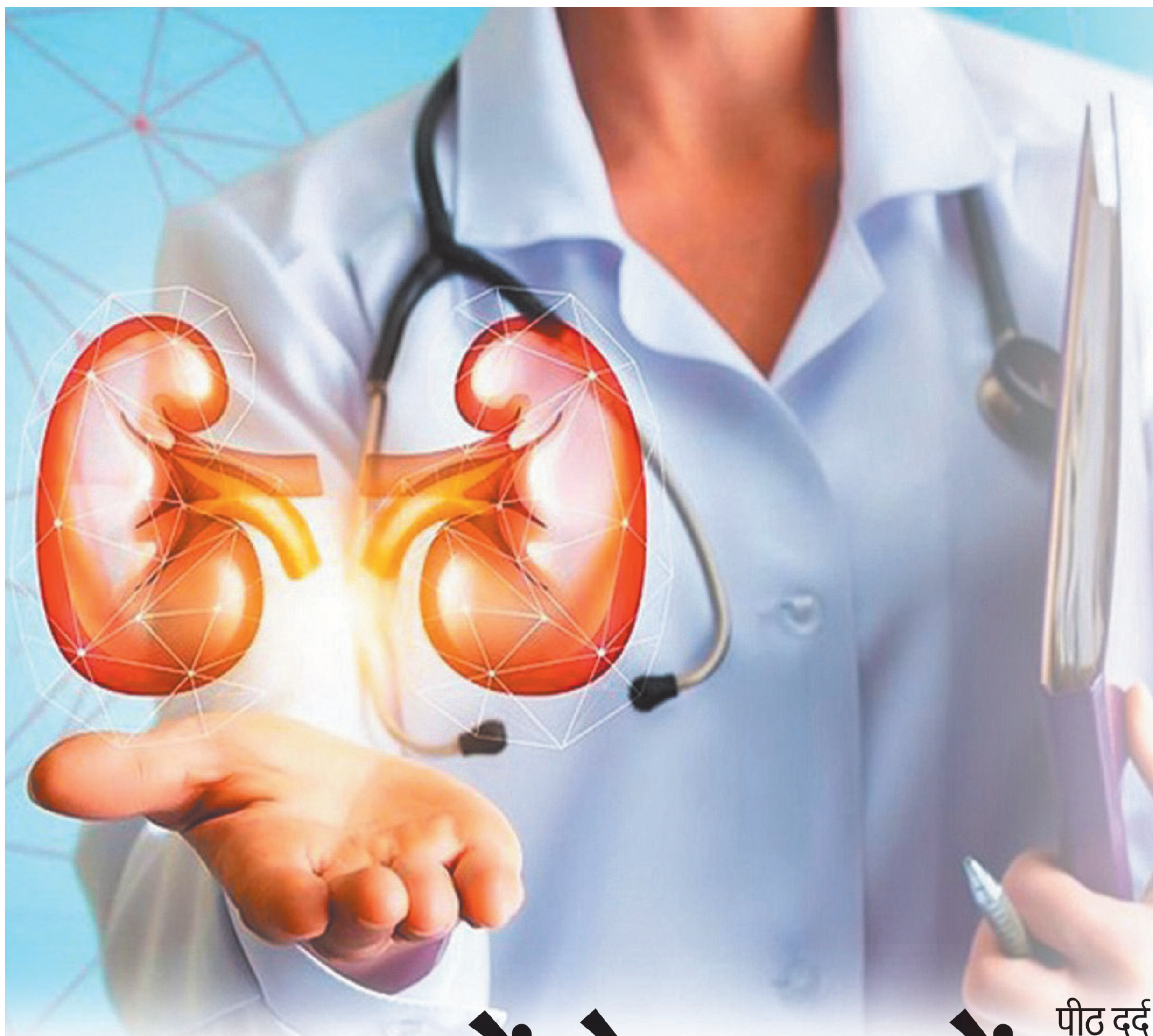

किडनी हमारे शरीर का वह अंग है जो गंदगी बाहर निकालने का काम करती हैं। दोनों किडनियों में छोटे-छोटे लाखों फिल्टर होते हैं जिन्हें नेफरोंस कहते हैं। नेरोफेंस हमारे खून को साफ करने का काम करते हैं। किडनी में किसी प्रकार की समस्या होने पर शरीर से विषैले पदार्थ बाहर नहीं निकल पाते जिससे कई रोग पैदा हो सकते है।

इन लक्षणों से पहचानें किडनी हो रही है खराब

किडनी से जुड़ी बीमारियों की अगर समय रहते पहचान नहीं की गई तो यह जानलेवा साबित हो सकती है। किडनी हमारे शरीर का वह अंग है जो गंदगी बाहर निकालने का काम करती हैं। दोनों किडनियों में छोटे-छोटे लाखों फिल्टर होते हैं जिन्हें नेफरोंस कहते हैं। नेरोफेंस हमारे खून को साफ करने का काम करते हैं। किडनी में किसी प्रकार की समस्या होने पर शरीर से विषैले पदार्थ बाहर नहीं निकल पाते जिससे कई रोग पैदा हो सकते है। इन रोगों से बचने के लिए आइए, जानते हैं ऐसे लक्षण जो किडनी के खराब होने का संकेत देते हैं –

युरिनरी फंक्शन में बदलाव

सबसे पहला लक्षण जो उभर कर आता है वह है युरिनरी फंक्शन में बदलाव। किडनी में किसी प्रकार की समस्या के चलते पेशाब के रंग, मात्रा और कितने बार पेशाब आती है, इन चीजों में बदलाव आने लगते है।

शरीर में सूजन आना

जब किडनियों की कार्यप्रणाली में कोई दिक्कत आती है तो शरीर से बाहर न निकलने वाली गंदगी और तरल पदार्थ समस्याएं उत्पन्न करते हैं। जिनसे शरीर में सूजन आ जाती है। यह सूजन हाथों, पैरों, जोड़ों, चेहरे और आंखों के नीचे हो सकती है। अगर आप अपनी त्वचा को उंगली से दबाएं और डिम्पल थोड़ी देर तक बने रहें तो डॉक्टर के पास जाने में देर न करें।

चक्कर आना और कमजोरी

जब किडनियों की कार्यप्रणाली में अवरोध होता है, तो आपको चक्कर आने की अशंका बढ़ जाती है। पूरे समय आप थकावट महसूस करते हैं और कमजोरी का एहसास होता है। ये लक्षण खून की कमी और गंदगी के शरीर में जमा होने से उत्पन्न हो सकते हैं।

पीठ दर्द का कारण न समझ पाना

आपकी पीठ और पेट के किनारों में बिना वजह दर्द महसूस होना, किडनी में इंफेक्शन या किडनी संबंधी बिमारियों के लक्षण हो सकते हैं।

स्किन खुरदुरी हो जाना और खुजली होना

अचानक त्वचा का फटना, रेशेज होना, अजीब लगना और बहुत ज्यादा खुजली महसूस होना शरीर की गंदगी के एकत्रित होने के परिणाम हो सकते हैं। किडनी के निष्प्रभावी हो जाने से शरीर में कैल्शियम और फॉस्फोरस की मात्रा प्रभावित होती है, जिससे अचानक से बहुत ज्यादा खुजली होने लगती है। आमतौर पर स्वस्थ त्वचा भी फटने लगती है, खुरदुरी हो जाती है और खुजली होती है।

उल्टियां आना

किडनी से जुड़ी समस्याओं के परिणामस्वरूप उल्टी आने जैसे लक्षण आम बात हो जाते हैं। इसके अलावा गैस से जुड़ी समस्याएं हर सुबह सामने आती हैं। अगर आप उल्टी के दवाईयां लेने के बाद भी समस्या को जस की तस पाएं तो फौरन डॉक्टर से पूरा चेकअप करवाएं।

ठंड लगना

अच्छे मौसम के बावजूद अजीब-सी ठंड लगना और कभी-कभी ठंड लगकर बुखार भी आ जाना भी इसके लक्षणों में शामिल है। आपके तापमान अधिक होने पर भी ठंड का एहसास हो तो डॉक्टर की सलाह बेहद जरूरी है।

एलोवेरा का जरुरत से ज्यादा इस्तेमाल हो सकता है खतरनाक!

एलोवेरा के कई फायदें हैं, यह सेहत के साथ ही स्किन, बालों और वेट लॉस तक में फायदेमंद है। लेकिन इसके इस्तेमाल को लेकर सावधान नहीं रहे तो यह नुकसानदायक भी हो सकता है। दरअसल, एलोवेरा का सीमित मात्रा में इस्तेमाल बहुत फायदेमंद होता है। लेकिन जरुरत से ज्यादा इसका इस्तेमाल खतरनाक हो सकता है। हम आपको बता रहे हैं कि कैसे एलोवेरा का अधिक इस्तेमाल आपको नुकसान पहुंचा सकता है। यदि आप एलोवेरा का अत्याधिक सेवन करते हैं तो आपको पेट संबंधित परेशानियां हो सकती हैं। इसका इस्तेमाल सीमित मात्रा में करना चाहिए। एलोवेरा को स्किन के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। लेकिन स्किन पर भी एलोवेरा के ज्यादा इस्तेमाल से त्वचा संबधित परेशानी हो सकती है। एलोवेरा को चेहरे पर ज्यादा लगाने के कारण चेहरे पर रूखापन और बारीक दाने हो सकते हैं। डायबिटीज के मरीजों के लिए एलोवेरा का जूस सही नहीं है। बिना डॉक्टर की सलाह के वह इसका सेवन न करें। एलोवेरा के ज्यादा इस्तेमाल से लिवर से जुड़ी समस्याओं का सामना आपको करना पड़ सकता है। बेहतर यह है कि डॉक्टर से सलाह लेने के बाद ही आप एलोवेरा का सेवन शुरू करें।

शरीर को करें अंदर से साफ खाने में शामिल करें ये 4 चीजें

कई बार पेट साफ होने पर भी शरीर अंदर से पूरी तरह से साफ नहीं होता है। ऐसे में शरीर के अंदर जमे विषैले पदार्थों को यदि बाहर नहीं निकाला गया तो वह कई बीमारियों को पैदा कर सकते हैं। इसलिए जरूरी हैं उन चीजों के बारे में जानना जो शरीर को अंदर से साफ करने का काम करती हैं। हम आपको बता रहे हैं ऐसी ही 4 चीजें जिन्हें खाने से शरीर अंदर से साफ यानि की डिटॉक्सिफाई हो जाता है –

ब्रोकली और फूलगोभी

इन दोनों ही सब्जियों में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है और फाइबर शरीर से विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में बहुत सहायक होता है। इन्हें किसी भी रूप में खाना शरीर के लिए फायदेमंद होगा साथ ही इन्हें खाने से कब्ज की समस्या भी दूर होगी।

नारियल पानी

नारियल पानी में इलेक्ट्रोलाइट्स और एंटीआक्सीडेंट मौजूद होते हैं, जो शरीर से टॉक्सिन को निकाल कर बॉडी सिस्टम को साफ कर देते हैं।

चुकंदर

चुकंदर को सलाद या जूस के रूप में लेने से भी शरीर की अंदरूनी सफाई होने में मदद मिलेती है। चुकंदर में भरपूर मात्रा में आयरन होता है, जो शरीर में खून को बढ़ाने में भी मदद करता है।

नींबू

नींबू क्षारीय गुण और विटामिन सी से भरपूर होता है। विटामिन सी एंटीऑक्सीडेंट्स का मुख्य स्रोत है। पानी में नींबू का रस मिलाकर पिएं या फिर सलाद में रस निचोड़ कर खाएं, ऐसा करने से शरीर डिटॉक्स/साफ होने में मदद मिलती है। नींबू के अलावा अदरक, शलगम और चुकंदर का रस भी डिटॉक्स करने में मदद करता है।

दांतों में जहर फैला सकती है फिलिंग की यह तकनीक

कहीं आपको भी तो नहीं पड़ी दांतों में फिलिंग की जरूरत? अगर हां तो इसे तुरंत निकाल दीजिए वर्ना आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

दांतों में कई तरह की समस्या आने पर उनके भीतर फिलिंग करवाना बहुत ही सामान्य हो चुका है। कई तरह की फिलिंग डॉक्टरों द्वारा की जाती है जिसमें दांतों की वर्तमान स्थिति के अनुसार फिलिंग की जाती है। फिलिंग की कीमत भी एक महत्वपूर्ण पहलू है। इसी के चलते कई बार आपके दांतों के साथ खिलवाड़ की जाती है। सिल्वर फिलिंग (सिल्वर, कॉपर, टिन और मर्क्यूरी) एक बरसों पुरानी तकनीक है। सस्ती होने के कारण इसे आज भी आजमाया जा रहा है परंतु यह तकनीक आपको आगे जाकर बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है। मर्क्यूरी या सीसा एक खतरनाक पदार्थ है जिसका जहर फैलता है। इस तरह सिल्वर फिलिंग को समय रहते निकलवा लें।

आहार में फाइबर जरूर शामिल करें

आपने बैलेंस डाइट लेने के बारे में हजारों बार सुना होगा, बैलेंस डाइट यानी कि संतुलित आहार और इस आहार में वे सारी चीजें आती है, जिसकी हमारे शरीर को स्वस्थ रहने के लिए जरूरत होती है जैसे कि प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, विटामिन, मिनरल और फाइबर आदि। फाइबर यानी कि रेशे युक्त भोजन, कई बार लोग इसे अपनी डाइट में शामिल करना भूल जाते हैं। आइए, हम आपको बताते हैं कि शरीर में पर्याप्त मात्रा में फाइबर लेने के क्या फायदे होते हैं –

रेशा प्रिबायोटिक है। इससे कोलोन में मित्र बैक्टीरिया में वृद्धि होती है।

फाइबर एक महत्वपूर्ण एंटीऑक्सीडेंट होता है।

डाइट में लिया गया फाइबर बुरे कॉलेस्ट्रॉल को भी बढ़ने से रोकता है।

रेशे वाला भोजन खाने की संतुष्टि देता है। इससे पेट भरा रहता है।

इसके विपरीत रेशे रहित पदार्थ मैदा इत्यादि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं।

फल, सब्जी, साबुत अनाज और दालों से फाइबर प्राप्त किया जा सकता है।

भारतीय भोजन में फाइबर मौसमी फल, रोटी, सब्जी, तुअर दाल, उड़द दाल, मूंग की दाल, राजमा आदि से प्राप्त हो सकता है।

रेशा या फाइबर पेट को साफ रखने में मदद करता है। सिर्फ इतना ही नहीं भोजन में पर्याप्त फाइबर, डाइबिटीज, कैंसर, हृदय रोग और मोटापे को भी दूर रखता है।

खसखस के सेहतमंद फायदे

पौष्टिकता से भरपूर खसखस का इस्तेमाल सब्जी की ग्रेवी बनाने और सर्दी के दिनों में स्वादिष्ट हलवा बनाने के लिए किया जाता है। यह स्वाद और सेहत से भरपूर है, इसलिए स्वास्थ्य समस्याओं का उपचार करने के लिए भी इसे दवा के रूप में प्रयोग करते हैं। आइए जानते हैं, खसखस के बेहतरीन गुणों के बारे में

खसखस को दर्द निवारक के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसमें पाया जाने वाला ओपियम एल्कलॉइड्स सभी प्रकार के दर्द को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खास तौर से इसका प्रयोग मांसपेशियों के दर्द में किया जाता है। खसखस का तेल भी बाजार में उपलब्ध होता है, जिसका प्रयोग दर्द वाले स्थान पर किया जाता है।

सांस संबंधी तकलीफ होने पर भी खसखस काफी फायदेमंद होता है। इसके साथ ही यह खांसी को कम कर सांस संबंधी समस्याओं में लंबे समय तक आराम दिलाने में भी मदद करता है।

अगर आप नींद न आने की समस्या से परेशान हैं, तो सोने से पहले खसखस का गर्म दूध पीना आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। यह अनिद्रा की समस्या को दूर करता है। यह आपको नींद लेने के लिए प्रेरित करेगा।

खसखस फाइबर का बेहतरीन स्त्रोत है, जिसका प्रयोग करने से कब्ज की समस्या नहीं होती। इसके अलावा यह बेहतर पाचन में भी मदद करता है और शरीर को उर्जा देने के लिए भी बहुत लाभदायक होता है।

गुर्दे की पथरी में इलाज के तौर पर भी खसखस को सेवन किया जाता है। इसमें पायाजाने वाला ओक्सलेट्स, शरीर में मौजूद अतिरिक्त कैल्शियम का अवशोषण कर गुर्दे में पथरी बनने से रोकता है।

खसखस मानसिक तनाव से मुक्ति दिलाने के साथ-साथ त्वचा पर होने वाली झुर्रियों को भी कम करने में मदद करता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो आपको जवां बनाए रखने में मदद करता है।

खसखस त्वचा को नमी प्रदान करने में भी सहायक होता है। यह त्वचा की जलन व खुजली को कम करने के साथ ही एक्जिमा जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद करता है।

ओमेगा-6 फैटी एसिड, प्रोटीन, फाइबर से भरपूर होने के साथ ही खसखस में फाइटोकेमिकल्स, विटामिन बी, थायमिन, कैल्शियम और मैंगनीज भी पाया जाता है, जो पोषण के लिहाज से बहुत फायदेमंद है।

त्वचा को खूबसूरत बनाने के लिए खसखस का इस्तेमाल दूध में पीसकर फेसपैक के रूप में किया जाता है। यह त्वचा को नमी प्रदान करने के साथ ही प्राकृतिक चमक लाता है, और चेहरा दमक जाता है।

इसके अलावा कई तरह की छोटी-छोटी समस्याओं जैसे अधिक प्यास लगना, बुखार, सूजन या पेट में होने वाली जलन से राहत पाने के लिए खसखस का प्रयोग किया जाता है। यह पेट में बढ़ने वाली गर्मी को भी शांत करने में सहायक है।